रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.0	27.0
जमशेदपुर	35.0	24.6
डालटनगंज	32.8	24.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, मंगलवार 13 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 126

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हिंडनबर्ग का सेबी चीफ पर पलटवार, कहा-

बुच अपनी परामर्श संस्थाओं के ग्राहकों की जानकारी साझा करें

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने दावा किया कि बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने अब सार्वजनिक रूप से बरमूडा/मॉरीशस फंड संरचना में अपने निवेश की पुष्टि की है. हिंडनबर्ग ने कहा कि उन्हें अपने सभी परामर्श ग्राहकों के बारे में स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए, जिनके साथ उनकी सिंगापुर और भारतीय परामर्श कंपनियों ने काम किया है.

बुच व उनके पति द्वारा हिंडेनबर्ग के हमले को सेबी की विश्वसनीयता पर हमला और चरित्र हनन का प्रयास बताते हुए बयान जारी करने के कुछ घंटों बाद हिंडनबर्ग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कई पोस्ट किए और कहा कि दंपती के बयान में कई महत्वपूर्ण बातों को स्वीकार किया गया और इससे कई महत्वपूर्ण प्रश्न भी खड़े होते हैं.

बुच ने माना- मॉरीशस फंड का निवेश हुआ

हिंडनबर्ग ने कहा,सेबी चीफ माधबी बुच ने यह मान लिया है कि विनोद अडानी द्वारा कथित तौर पर निकाली गई राशि के साथ एक अस्पष्ट बरमूडा या मॉरीशस फंड का निवेश हुआ है. यह भी स्पष्ट किया कि यह फंड उनके पति के दोस्त द्वारा चलाया जाता था, जो उस समय अडानी के निदेशक थे. मामले में जांच का जिम्मा सेबी को दिया गया था. यह स्पष्ट रूप से हितों का एक बड़ा टकराव है.

शोध एवं कंपनी ने कहा, बुच के जवाब से अब सार्वजनिक रूप से बरमूडा/मॉरीशस के एक अस्पष्ट कोष में उनके निवेश की पुष्टि हो गई है, साथ ही विनोद अडानी द्वारा कथित रूप से गबन किया गया पैसा भी. उन्होंने यह भी पुष्टि की कि कोष उनके पति के बचपन के दोस्त द्वारा चलाया जाता था, जो उस समय अडानी के निदेशक थे. इस बीच, माधवी पुरी बुच ने हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर दी है. -शेष पेज 7 पर

यह आर्थिक अराजकता लाने की साजिश : भाजपा

नयी दिल्ली। हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर भाजपा ने कई सवाल उठाए हैं. सोमवार को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह भारत के लोगों की ओर से ठुकराए जाने के बाद कांग्रेस, उसके सहयोगी और टूलकिट गैंग की देश में आर्थिक अराजकता और अस्थिरता लाने की साजिश है. उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट शनिवार को जारी हुई, तो रविवार को हंगामा हुआ. इसके बाद सोमवार को पूंजी बाजार अस्थिर हो गया. भारत शेयरों के मामले में सुरक्षित, स्थिर और आशावादी बाजार है. इस बाजार की निगरानी करना सेबी की कानूनी जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि जुलाई में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हुई जांच के बाद जब सेबी ने हिंडनबर्ग को नोटिस जारी किया, तो उसने अपना जवाब नहीं दिया. बल्कि बेबुनियाद हमला किया. उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर हिंडनबर्ग में किसका निवेश है? एक सज्जन जॉर्ज सोरोस जो नियमित रूप से भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा चलाते हैं। वे उसके मुख्य निवेशक हैं। नरेंद्र मोदी के खिलाफ नफरत फैलाते हुए कांग्रेस भारत के खिलाफ नफरत पैदा कर ली है. अगर भारत का शेयर बाजार परेशान हो जाता है तो छोटे निवेशक परेशान होंगे। मगर कांग्रेस को इससे कोई सरोकार नहीं है.

हमारी मांग अडानी-बुच के खिलाफ, भाजपा क्यों भड़कीः कांग्रेस

नयी दिल्ली। हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने भी सेबी और भाजपा पर हमला बोला है. कांग्रेस ने सेबी से इस्तीफा मांगा है. साथ ही सुप्रीम कोर्ट से मामले की जांच सीबीआई या एसआईटी से कराने की मांग की. कांग्रेस का कहना है कि उसकी मांग अडानी-सेबी प्रमुख के खिलाफ है, इससे भाजपा क्यों भड़क रही है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, अडानी मामले में सेबी समझौता कर सकती है. इसलिए मोदानी महाघोटाले की जांच के लिए जेपीसी का गठन किया जाए. मामले में सेबी ने सक्रियता दिखाई. उसने हिंडनबर्ग को 100 सम्मन,1100 पत्र व ईमेल किए और 12 हजार पृष्ठों वाले 300 दस्तावेजों की जांच की. लेकिन मुख्य बात है कि कार्रवाई नहीं की. रमेश ने कहा कि 14 फरवरी, 2023 को मैंने सेबी अध्यक्ष को पत्र लिखा था. देश के करोड़ों नागरिकों की ओर से वित्तीय बाजार के प्रबंधक की भूमिका निभाने के लिए कहा था, लेकिन जवाब नहीं मिला. जांच के परिणाम सामने आने में भी एक साल से ज्यादा का समय लग गया.

अडानी के 10 में से 8 शेयर गिरे

मुंबई। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बीच अडानी ग्रुप की 10 कंपनियों में से आठ के शेयर सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए. इससे कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 22,064 करोड़ रुपए घट गया. समूह की कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 17 लाख करोड़ है. रिपोर्ट के असर में शुरुआती कारोबार में अडानी समूह के शेयर गिरावट के साथ कारोबार किए, लेकिन कुछ समय बाद गिरावट कम हो गई. अंत में अडानी विल्मर 4.14%, अडानी टोटल गैस का 3.88%, अडानी एनर्जी का 3.70%, एनडीटीवी का 3.08%, पोर्ट्स का 2.02%, अडानी एंटरप्राइजेज का 1.09%, एसीसी का 0.97% और अडानी पावर का 0.65% गिरा. हालांकि, अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 0.55% और ग्रीन एनर्जी का शेयर 0.22% चढ़कर बंद हुआ. एक समय अडानी एनर्जी का शेयर 17%, टोटल गैस का 13.39%, एनडीटीवी का 11%, पावर का 10.94% लुढ़क गया था. ग्रीन एनर्जी के शेयर में 6.96%, अडानी विल्मर में 6.49%, अडानी एंटरप्राइजेज में 5.43%, पोर्ट्स में 4.95% अंबुजा सीमेंट्स में 2.53% और एसीसी में 2.42% की गिरावट आई थी.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,100
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

बैंक ने एक्टर राजपाल की सारी संपति सील की

मुंबई। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की टीम ने लोन अदा नहीं करने पर बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की कचहरी के पास सेठ इंक्लेव कॉलोनी में स्थित करोड़ों रुपए की संपत्ति को सील कर दिया. राजपाल ने फिल्म का निर्माण करने के लिए तीन करोड़ रुपए का ऋण लेने को संपत्ति के कागज लगाए थे.

सीबीआई को कोर्ट ने दिया 15 दिन का समय

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी विधायक दुर्गेश पाठक पर मुकदमा चलाने के खातिर सीबीआई को आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए सोमवार को 15 दिन का समय दिया.

बिहार के नाथ मंदिर में भगदड़, सात की मौत

जहानाबाद/पटना। बिहार के जहानाबाद जिले के बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में रविवार देर रात भगदड़ मचने से कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए. एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. - पेज 11 भी देखें

विदेश सचिव, नेपाली डिप्टी पीएम से मिले

काठमांडू। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को अपने नेपाली समकक्ष सेवा लमसल और कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की तथा उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास और इसे आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की.

संसद में सवाल? क्या जनजातीय लोगों को भी हिंदू के रूप में परिभाषित किया गया है, जवाब में केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा

आदिवासी भी हिंदू हैंः केंद्र

कौशल आनंद। रांची

केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय व संसदीय कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल ने संसद में एक सवाल के जवाब में कहा है कि आदिवासी भी हिंदू समझे जाएंगे. उन्होंने सिविल अधिकार अधिनियम, 1995 का हवाला देते हुए कहा है कि हिंदू धर्म के किसी भी रूप या विकास को मानने वाले व्यक्ति हिंदू समझे जाएंगे. इसमें वीरशैव, लिंगायत, आदिवासी, ब्राह्मो समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज और स्वामी संप्रदाय के अनुयायी हैं.

साथ ही बौद्ध, सिख, जैन धर्म को मानने वाले भी हिंदू माने जाएंगे. केंद्र सरकार के इस जवाब से झारखंड सहित देश भर में 12 करोड़ से अधिक आदिवासियों की सरना धर्म कोड बनाने की मांग को तगड़ा झटका लगा है. जानकारी के मुताबिक लोकसभा में सांसद डॉ. मन्ना लाल रावत ने यह सवाल पूछा था कि क्या जनजातीय लोगों को भी हिंदू के रूप में परिभाषित किया गया है.

केंद्र के पास लंबित है झारखंड सरकार का प्रस्ताव : झारखंड के आदिवासी सरना धर्म कोड की मांग लंबे समय से करते आ रहे हैं. 11 नवंबर 2021 को हेमंत सरकार ने विधानसभा में यह प्रस्ताव पास कराया था कि आदिवासी/सरना धर्म कोड को राष्ट्रीय जनगणना फार्म में शामिल किया जाये. सरकार ने तीन साल पहले ही केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेज दिया था. जिस पर अभी तक फैसला नहीं आया है.

- आदिवासी/सरना धर्म की मांग को करने वालों को झटका
- तीन साल पहले हेमंत सरकार ने सरना धर्म कोड बनाने का प्रस्ताव भेजा था
- बौद्ध, सिख, जैन धर्म को मानने वाले भी हिंदू माने जाएंगे.

सांसद का सवाल और मंत्री का जवाब

सवाल - क्या कई भारतीय कानूनों में हिंदू शब्द की परिभाषा दी गई है ? यदि हां, तो सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 में हिंदू की क्या परिभाषा दी गई है ? क्या उक्त अधिनियम में जनजातीय लोगों को भी हिंदू के रूप में परिभाषित किया गया है ? और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा दें.

जवाब - हिंदू पद विभिन्न केंद्रीय अधिनियमों में स्पष्ट किया गया है. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 (1955 का 22) की धारा 3 में स्पष्टीकरण यह उपबंधित करता है कि उक्त अधिनियम की धारा 3 और धारा 4 के प्रयोजन के लिए बौद्ध, सिख, जैन धर्म मानने वाले व्यक्ति या हिंदू धर्म के किसी भी रूप या विकास को मानने वाले व्यक्ति, जिनके अंतर्गत वीरशैव, लिंगायत, आदिवासी, ब्राह्मो समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज ओर स्वामी नारायण संप्रदाय के अनुयायी भी हैं हिंदू समझे जाएंगे.

लंबे समय से है राजनीतिक मुद्दा : आदिवासी/सरना धर्म कोड की मांग झारखंड में लंबे समय से राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है. आंदोलन और राजनीति लगातार होती रही है. एक तरफ भाजपा इस मुद्दे पर चुप रहती है, वहीं दूसरी तरह झामुमो और कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर हमलावर रही हैं. झामुमो और कांग्रेस इसे लेकर भाजपा को कटघरे में खड़ा करती रही है. अब चूंकि केंद्र सरकार में भाजपा की सरकार है और झारखंड में अगले दो-तीन माह में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे वक्त में केंद्रीय मंत्री का जवाब चुनावी मुद्दा बन सकता है. हालांकि केंद्रीय मंत्री ने अपने जवाब में वही कहा है जो अधिनियम में दर्ज है.

बांग्लादेश की सरकार ने हिंदुओं से मांगी माफी, कहा-

'हम अपने फर्ज से चूके'

एजेंसियां। ढाका

बांग्लादेश में बीते कुछ समय से चल रही हिंसा और अराजकता में धार्मिक अल्पसंख्यक उपद्रवियों का निशाना बन रहे हैं. लगातार हमले और मंदिरों में तोड़-फोड़ के खिलाफ हजारों हिंदुओं ने प्रदर्शन भी किए हैं. इस बीच देश की नई सरकार में गृह विभाग के सलाहकार शखावत हुसैन ने माना है कि हिंदुओं पर हमले हुए हैं और उनकी सुरक्षा में चूक हुई है. जनरल एम सखावत हुसैन ने हिंदुओं से इसके लिए माफी भी मांगी है. साथ ही हसीना की पार्टी अवामी लीग पर हिंसा फैलाने के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी है.

शखावत ने देश के हिंदू समुदाय से उनकी रक्षा करने में विफलता के लिए माफी मांगते हुए कहा कि ये जिम्मेदारी ना सिर्फ सरकार बल्कि बहुसंख्यकों की भी है. हम अपने फर्ज को पूरा करने में नाकामयाब रहे हैं. हुसैन ने कहा है कि चीजें ठीक हो रही हैं और उम्मीद है कि हालात बेहतर हो जाएंगे. शखावत ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं को कड़ी चेतावनी दी है. उन्होंने कहा, अगर अवामी लीग के लोग किसी भी तरह से अव्यवस्था पैदा करेंगे, तो उनसे सख्ती से निपटा जाएगा.

शेख हसीना ये आपका देश है, हम स्वागत करते हैं : हुसैन ने कहा कि शेख हसीना को देश लौट कर फिर से राजनीति करनी चाहिए. हसीना को देश लौटकर अपनी पार्टी अवामी लीग को नए चेहरों के साथ पुनर्गठित करना चाहिए. हुसैन ने कहा, पूर्व पीएम शेख हसीना पर देश छोड़ने के लिए दबाव नहीं था, उन्होंने अपनी मर्जी से ढाका छोड़ा था. किसी ने उनको ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं किया. हम तो उन्हें वापस लौटने और फिर से अपनी पार्टी को पुनर्गठित करने के लिए लिए कहेंगे. हालांकि वह देश लौटकर अशांति पैदा करने की कोशिश करेंगी, तो कानून उनसे निपटेगा. ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक सखावत हुसैन ने सोमवार को शेख हसीना को संबोधित करते हुए कहा, हमें पता चला है कि आप देश लौटने की योजना बना रही हैं. सवाल है कि आप यहां से गई ही क्यों थीं.

- शेख हसीना ने अवामी लीग को दी चेतावनी
- अंतरिम सरकार ने कहा- हम सुरक्षा करने में फेल

हिंदुओं पर हमले विचलित करने वाले : प्रियंका

नयी दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और अत्याचारों को लेकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का पहला रिएक्शन सामने आया है. प्रियंका गांधी ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हमलों की खबरें विचलित करने वाली हैं. उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, भाषा या पहचान के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हमले अस्वीकार्य हैं. कांग्रेस महासचिव ने कहा कि हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में जल्द हालात सामान्य होंगे और वहां की नवनिर्वाचित सरकार हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के लिए सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करेगी.

डॉक्टर रेप-मर्डर केस : लाखों डॉक्टर हड़ताल पर रहे

ममता का अल्टीमेटम, पुलिस केस सॉल्व नहीं कर पाई तो जांच सीबीआई को सौंपेंगे

एजेंसियां। कोलकाता/नयी दिल्ली

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पीजी ट्रेनी महिला डॉक्टर की रेप-हत्या मामले देशभर में डॉक्टरों में आक्रोश है. झारखंड, बिहार, दिल्ली, यूपी से लेकर कोलकाता तक डॉक्टर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं.

दूसरी तरफ मामले में मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष ने इस्तीफा दे दिया है. बता दें कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 8 अगस्त देर रात ट्रेनी डॉक्टर की अर्धनग्न लाश मिली थी. पुलिस के मुताबिक, रेप के बाद उसकी हत्या की गई। प्राइवेट पार्ट, आंखों और मुंह से खून बह रहा था. उसकी गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई पाई गई थी. -शेष पेज 7 पर

आरोपी ने शराब पीने के बाद रेप-मर्डर किया

इस बीच, कोलकाता पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपी संजय रॉय ने 8 अगस्त की रात वारदात से पहले अस्पताल के पीछे शराब पी थी. डॉक्टर से रेप और मर्डर के बाद वह घर जाकर सो गया था. सुबह सबूत मिटाने के लिए उसने कपड़े धोए. उसके जूते पर भी खून के निशान भी मिले हैं. पुलिस ने घटना वाली रात ड्यूटी पर तैनात तीन डॉक्टर्स और एक स्टाफ को पूछताछ के लिए बुलाया है.

रांची स्थित रिम्स में आंदोलनरत जूनियर डॉक्टर. फोटो। रमीज

महंगाई से मिली थोड़ी राहत

सस्ता होगा कर्ज, महंगाई दर पांच साल के निचले स्तर पर

एजेंसी। नयी दिल्ली

महंगाई से जनता को बड़ी राहत मिलती दिखाई दे रही है. खुदरा या रिटेल महंगाई दर जुलाई में 5 सालों के निचले स्तर पर आ गई और 3.54% रही. ये अगस्त 2019 के बाद सबसे निचले स्तर है. अगस्त 2019 में रिटेल महंगाई दर 3.28% पर थी. सोमवार को रिटेल महंगाई दर और औद्योगिक उत्पादन का आंकड़ा आ गया है.

इसमें जून 2024 में आईआईपी 4.2% पर रही है. खुदरा महंगाई दर में गिरावट की बड़ी वजह खाद्य महंगाई दर में गिरावट है. जुलाई में खाद्य महंगाई दर घटकर 5.42% पर रही है, जो जून 2024 में 9.26% रही थी. जुलाई 2023 में खाद्य महंगाई दर 7.4% पर रही थी. सब्जियों और दालों की महंगाई दर में कमी के चलते खाद्य महंगाई घटी है.

सब्जियों और दालों की महंगाई से राहत : सांख्यिकी मंत्रालय ने खुदरा महंगाई दर का जो आंकड़ा जारी किया है उसके मुताबिक जुलाई 2024 में जून महीने के मुकाबले सब्जियों और दालों की महंगाई में भारी कमी आई है. जुलाई में सब्जियों की महंगाई दर घटकर 6.83% रही है जो जून में 29.32 फीसदी रही थी. दालों की महंगाई दर जुलाई में 14.77% रही है जो जून में 14.77% रही थी. अनाज और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 8.14% रही है जो जून में 8.75% रही थी. चीनी की महंगाई दर 5.22% रही है जो जून में 5.83%रही थी. अंडों की महंगाई दर में बढ़ी है और ये 6.76% रही है जो इसके पहले महीने में 3.99% रही थी. दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 2.99% रही है.

- रिजर्व बैंक के टॉलरेंस बैंड के नीचे आई 3 .54% पर

महंगी ईएमआई से मिलेगी राहत

खुदरा महंगाई दर घटकर आरबीआई के टोलरेंस बैंड 4 फीसदी के नीचे जा पहुंची है. रिजर्व बैंक ने अपने पॉलिसी रेट्स में बदलाव करने के लिए 4% पर महंगाई दर के आने का लक्ष्य कय किया हुआ है. जुलाई महीने में खुदरा महंगाई दर घटकर 3.54% पर आ गई है जो पिछले 5 सालों में सबसे कम है. ऐसे में ये माना जा रहा है कि अक्टूबर 2024 में जब रिजर्व बैंक पॉलिसी रेट्स की समीक्षा करेगा तब महंगाई ईएमआई से राहत मिल सकती है. 8 अगस्त 2024 को आरबीआई ने पॉलिसी रेट्स की घोषणा करते हुए रेपो रेट को 6.5% पर बरकरार रखने का फैसला किया था.

एनआईआरएफ रैंकिंग केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने जारी की देश की टॉप यूनिवर्सिटीज की लिस्ट, जमशेदपुर की एक्सएलआरआई भी शामिल

मेडिकल के लिए एम्स, इंजीनियरिंग में आईआईटी मद्रास टॉप पर

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क, 2024 में आईआईटी मद्रास लगातार छठे साल शीर्ष स्थान पर बना हुआ है, वहीं आईआईएससी बेंगलुरु को नौवीं बार सर्वश्रेष्ठ विवि चुना गया है.

सूची में संपूर्ण श्रेणी में आईआईएससी बेंगलुरु दूसरे स्थान पर और आईआईटी मुंबई तीसरे स्थान पर रहा हैं, वहीं पिछले साल तीसरे स्थान पर रहा आईआईटी दिल्ली एक स्थान नीचे खिसक गया है. देश के शीर्ष दस संस्थानों में आठ आईआईटी के साथ दिल्ली एम्स और जेएनयू हैं.

विवि श्रेणी में आईआईएससी बेंगलुरु के बाद जेएनयू और जामिया मिलिया इस्लामिया का स्थान है. इंजीनियरिंग कॉलेजों की सूची में शीर्ष दस संस्थानों में नौ आईआईटी शामिल हैं, जिनमें आईआईटी मद्रास लगातार नौवें साल इस श्रेणी में शीर्ष पर है. प्रबंधन संस्थानों की बात करें तो आईआईएम अहमदाबाद ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जिसके बाद आईआईएम बेंगलोर और आईआईएम कोझिकोड का स्थान है. -शेष पेज 7 पर

- आईआईटी मद्रास लगातार छठे साल शीर्ष पर
- आईआईएससी बेंगलुरु सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय
- दिल्ली के कई संस्थान टॉप लिस्ट में शामिल

ओवरऑल कैटेगरी	टॉप यूनिवर्सिटीज	टॉप इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट
1. आईआईटी मद्रास	1. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस	1. आईआईटी मद्रास
2. आईआईएससी बैंगलोर	2. जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी	2. आईआईटी दिल्ली
3. आईआईटी बॉम्बे	3. जामिया मिलिया इस्लामिया	3. आईआईटी बॉम्बे
4. आईआईटी दिल्ली	4. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन	4. आईआईटी कानपुर
5. आईआईटी कानपुर	5. बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी	5. आईआईटी खड़गपुर
6. आईआईटी खड़गपुर	6. दिल्ली यूनिवर्सिटी	6. आईआईटी रुड़की
7. एम्स, नई दिल्ली	7. अमृता विश्व विद्यापीठ	7. आईआईटी गुवा गु हाटी
8. आईआईटी रुड़की	8. एएमयू, अलीगढ़	8. आईआईटी हैदराबाद
9. आईआईटी गुवाहाटी	9. जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता	9. एनआईटी तिरुचिरापल्ली
10. जेएनयू, नई दिल्ली	10. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	10. आईआईटी-बीएचयू

इस साल तीन नई कैटेगरी जोड़ी गई : इस वर्ष तीन नई कैटेगरी स्टेट यूनिवर्सिटी, स्किल यूनिवर्सिटी और ओपन यूनिवर्सिटी की कैटेगरी जोड़ी गई है. इस वर्ष शिक्षा मंत्रालय को रैंकिंग में हिस्सा लेने के लिए 10885 आवेदन मिले थे.

बेस्ट कॉलेज रैंकिंग

1. हिंदू कॉलेज, नई दिल्ली
2. मिरांडा हाउस, नई दिल्ली
3. सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली
4. राम कृष्ण मिशन विवेकानंद शताब्दी कॉलेज, कोलकाता
5. आत्मा राम सनातन धर्मकॉलेज, नई दिल्ली
6. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता
7. पीएसजीआर कृष्णमल महिला कॉलेज, कोयम्बटूर
8. लोयोला कॉलेज, चेन्नई
9. किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली
10. लेडी श्री राम महिला कॉलेज, नई दिल्ली

सूबे में बढ़ रहे बेरोजगार : 2.90 लाख डॉक्टरेट, पोस्ट ग्रेजुएट और ग्रेजुएट युवाओं ने भी कराया है निबंधन

नियोजनालयों में नौकरी के लिए निबंधित युवाओं की संख्या 11 लाख पार

- अब तक 50,827 लोगों को ही मिल सकी है नौकरी

रवि भारती। रांची

झारखंड में बेरोजगार युवाओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है. इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य के नियोजनालयों में 11 लाख छह हजार 565 युवाओं ने नौकरी के लिए निबंधन कराया है. इसमें अब तक कुल 50 हजार 827 युवाओं को ही नौकरी मिल पाई है. श्रम विभाग के आंकड़ों के अनुसार

निबंधन कराने वाले डॉक्टरेट, पोस्ट ग्रेजुएट और ग्रेजुएट युवाओं की संख्या दो लाख 90 हजार 262 है. इसमें डॉक्टरेट की संख्या 129 है. पोस्ट ग्रेजुएट की संख्या 47876 है और ग्रेजुएट की संख्या 2,42,257 है.

सबसे अधिक ओबीसी कैटेगरी के युवाओं ने कराया निबंधन : राज्य के नियोजनालयों में सबसे अधिक ओबीसी कटेगरी के युवाओं ने निबंधन कराया है. इस कैटेगरी में कुल 2,77,812 युवाओं ने निबंधन कराया है. सामान्य वर्ग के 1,64,577 युवाओं ने निबंधन कराया है. बीसी वन में 101414, एससी में 83792, बीसी टू में 14179, ईबीसी में 574 और एसटी कैटेगरी में 159852 युवाओं ने निबंधन कराया है.

राज्य स्तरीय रोजगार मेला जरिए 6095 को मिला ऑफर : हाल में संपन्न हुए राज्य स्तरीय रोजगार मेला के जरिए 6095 लोगों को नौकरी मिली है. जिसमें पुरुष की संख्या 4891 और महिलाओं की संख्या 1204 है. वहीं कोल्हान प्रमंडल में आयोजित रोजगार मेला में 3251 लोगों को नौकरी का ऑफर मिला. इसमें 2912 पुरुष और 339 महिलाएं हैं. उत्तरी छोटानागपुर में आयोजित रोजगार मेला में 3922 लोगों को नौकरी का ऑफर मिला. इसमें 3468 पुरुष और 454 महिलाएं हैं. पलामू प्रमंडल में आयोजित रोजगार मेला में 1718 लोगों को नौकरी का ऑफर मिला. इसमें 1562 पुरुष और 156 महिलाएं शामिल हैं.

किस कैटेगरी के कितने युवाओं ने कराया निबंधन

डॉक्टरेट	–	129	डिप्लोमा	–	52368
पोस्ट ग्रेजुएट	–	47876	आइटीआइ	–	47341
ग्रेजुएट	–	242257	सर्टिफिकेट व ट्रेनिंग कोर्स	–	7108
12 वीं पास	–	261722	मिडिल	–	23210
10वीं पास	–	188567	अनस्किल्ड	–	8416

सभी जिलों के डीसी को तैयारी करने का निर्देश

जिला मुख्यालय में कैबिनेट मंत्री फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

संवाददाता। रांची

राज्य के कैबिनेट कोऑर्डिनेशन डिपार्टमेंट ने सभी जिलों के डीसी को स्वतंत्रता दिवस के लिए आवश्यक तैयारी करने का निर्देश दिया है. इसकी वजह यह है कैबिनेट मंत्री अपने जिले में झंडा फहराएंगे. मुख्य कार्यक्रम रांची के मोरहाबादी और दुमका में होगा.

कौन मंत्री कहां फहराएंगे झंडा

- चंपाई सोरेन : सरायकेला-खरसांवा
- डॉ रामेश्वर उरांव : लोहरदगा
- सत्यानंद भोक्ता : चतरा
- बैद्यनाथ राम : लातेहार
- दीपक बिरूआ : पश्चिम सिंहभूम
- बन्ना गुप्ता : पूर्वी सिंहभूम
- डॉ इरफान अंसारी : जामताड़ा
- मिथिलेश ठाकुर : गढ़वा
- हफीजुल हसन : देवघर
- बेबी देवी : बोकारो
- दीपिक पांडेय सिंह : गोड्डा

सेवा प्रदान करने वाले अफसरों को 75 हजार प्रति माह मिलेगा मानदेय

अब पांच विभागों में वरिष्ठ कॉरपोरेट अफसर देंगे सेवाएं

प्रमुख संवाददाता। रांची

अब राज्य सरकार के पांच विभागों में वरिष्ठ कॉरपोरेट अफसर अपनी सेवाएं देंगे. इन विभागों में वित्त विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के साथ अब उद्योग विभाग को भी शामिल किया गया है. इसके लिए मेसर्स नज्ज लाइफस्किल्स फाउंडेशन पांच वरिष्ठ कॉर्पोरेट अफसरों को सेवाएं प्रदान करने के लिए मनोनयन करेगी. पहले 18 महीनों तक कार्य करने वाले अध्येताओं का चयन एमओयू पर हस्ताक्षर के छह महीने के अन्दर कर लिया जाएगा. ये कॉरपोरेट अफसर राज्य के विकासात्मक योजनाओं के निर्माण एवं निष्पादन में सहयोग करेंगे. इस संस्था का उद्देश्य स्थाई और व्यापक रूप से गरीबी उन्मूलन करना भी है.

पांच कॉरपोरेट अफसरों को होगा चयन : इसके लिए पांच कॉरपोरेट अफसरों का चयन किया जाएगा. इन्हें मुख्य सचिव कार्यालय, प्रधान सचिव या सचिव वित्त विभाग, प्रधान सचिव या सचिव, ग्रानीण विकास विभाग, प्रधान सचिव या सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, प्रधान सचिव , सचिव, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और प्रधान सचिव या सचिव उद्योग विभाग के कार्यालयों में पदस्थापित किया जाएगा.

अध्येताओं के कार्य अवधि को 18-18 महीने में किया जाएगा विभाजित : अध्येताओं के कार्य अवधि को 18-18 महीने के दो हिस्सों में विभाजित किया जाएगा. पहले 18 महीने तक कार्य करने वाले अध्येताओं का चयन इस संकल्प के जारी होने की तिथि से तीन महीने के अंदर कर लिया जाएगा. अगले 18 महीने के लिए कार्य के लिए अध्येताओं का चयन पहले के समाप्ति से पूर्व कर लिया जाएगा. प्रत्येक अध्येता (अधिकतम पांच) को झारखंड सरकार द्वारा मानदेय के रूप में 75000 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा. अध्येताओं एवं संबंधित व्यक्तियों को स्थानीय एवं नागरवाहय यात्रा के लिए खर्च सरकार के नियमों के अनुसार उपलब्ध कराया जाएगा.

खास बातें

- वित्त, कृषि, उद्योग, ग्रामीण विकास पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग शामिल
- वित्त विभाग ने संशोधन के साथ जारी किया संकल्प

सामुदायिक वन अधिकार पट्टा में रोड़ा अटकाने वाले डीएफओ हटाए गए

- डीएलसी की बैठक खुद डीएफओ ने तैयार किया था अलग मिनट्स

रांची। वन अधिकार पट्टा देने के मामले में वन विभाग के जो अधिकारी रोड़े अटका रहे हैं. उन पर विभाग की ओर से कार्रवाई भी शुरू की गई है. रविवार को वन विभाग के 6 अफसरों का तबादला किया गया. इसमें सिमडेगा के डीएफओ रोशन कुमार भी हैं. रोशन कुमार को सिमडेगा से हटाते हुए सरकार ने कोडरमा भेज दिया है. लगातार न्यूज और शुभम संदेश ने सामुदायिक वन अधिकार पट्टा में डीएफओ का रोड़ा शीर्षक से 8 अगस्त को खबर प्रकाशित की थी. जिसमें वन अधिकार पट्टा देने के लिए जिला स्तरीय कमेटी (डीएलसी) में हुए पूरी घटनाक्रम को प्रकाशित किया था. इसके बाद सरकार ने उनका तबादला कर दिया.

क्या हुआ था बैठक में : सीएफआरआर और सीएफआर की 41 दावों की स्वीकृति के लिए उपायुक्त सहित सभी सदस्य तो तैयार हो गये, लेकिन डीएफओ रोशन कुमार ने अड़ंगा लगा दिया. वे बार-बार कहने लगे कि लोगों को सामुदायिक वन अधिकार पट्टा दे सकते हैं, लेकिन सीएफआरआर नहीं दे सकते. इससे तो पूरा जंगल ही उजड़ जाएगा, इसका प्रभाव 20 साल बाद देखने को मिलेगा. उन्होंने कहा था कि हम लोगों को वनों पर अधिकार नहीं दे सकते, क्योंकि जिन्हें पट्टा मिलेगा, तो वे जंगल को उजाड़ देंगे, वे लोग वनों का वैज्ञानिक प्रबंध नहीं जानते हैं. डीएफओ की अड़ंगेबाजी का मामला यहीं नहीं रुका. उन्होंने दबंगई दिखाते हुए डीएलसी का अगले मिनट तैयार कराकर कुछ अधिकारियों से हस्ताक्षर भी करा लिया. जब वरीय अधिकारियों को मामले की जानकारी मिली, तो इसमें हस्ताक्षेप किया. यह पूरा मामला तूल न पकड़े इसलिए सरकार ने एक्शन लेते हुए डीएफओ सिमडेगा को कोडरमा भेज दिया है.

शिवराज और हिमंता 16 की बैठक में होंगे शामिल

रांची। झारखंड में होनेवाले विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश भाजपा एक-एक रणनीति पर तरीके से काम कर रही है. 16 अगस्त को भाजपा के मंडल अध्यक्षों की बैठक होगी, जिसमें भाजपा के फायर ब्रांड नेता सह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा शामिल होंगे. दोनों फायर ब्रांड नेता मंडल अध्यक्षों को चुनाव जीतने के टिप्स भी देंगे. भाजपा सूत्रों के अनुसार मंडल अध्यक्षों की बैठक विधानसभा चुनाव के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण होगी.

वार्ता विफल, हड़ताल पर अड़े रहे जुडको के कर्मी

रांची। जुडको के पदाधिकारियों-कर्मचारियों की हड़ताल लगातार छठे दिन भी जारी रही. हड़ताल के कारण शहरी विकास की योजनाओं की गति धीमी हो गई है. जुडको कर्मी वेतन और मानदेय में बढ़ोत्तरी को लेकर हड़ताल पर हैं. हड़ताल के कारण फाइलों की रफ्तार भी धीमी हो गई है. सोमवार को जुडको के पदाधिकारियों व कर्मियों ने नगर विकास मंत्री हफीजुल अंसारी से मुलाकात कर अपनी मांगों से अवगत कराया. मुलाकात के बाद जुडको के कर्मियों ने बताया कि मंत्री की ओर से कोई संतोषजनक आश्वासन नहीं मिला.

इन योजनाओं का काम प्रभावित : कांटाटोली फ्लाईओवर, रांची शहर में रविंद्र भवन (टाउन हॉल) और ट्रांसपोर्ट नगर योजना
-हजारीबाग और देवघर सेप्टेज का उद्घाटन सितंबर में होना है, पर काम आगे नहीं बढ़ पा रहा.
- गुमला- सिमडेगा नगर परिषद में फिस्कल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का काम 31 अगस्त तक पूरा करना है.

कोर्ट की खबरें

आईएएस मंजूनाथ भजंत्री को राहत

संवाददाता। रांची

देवघर के तत्कालीन डीसी और राज्य के आईएएस अधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सोमवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने उनके खिलाफ सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दर्ज करवाई गई प्राथमिकी को रद्द कर दिया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय द्विवेदी की कोर्ट में आईएएस मंजूनाथ भजंत्री की याचिका पर सुनवाई हुई. उनकी ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा और अजय शाह ने पक्ष रखा. बता दें कि वर्ष 2022 में फ्लाइट टेकऑफ पर विवाद के बाद सांसद निशिकांत दुबे ने देवघर डीसी के खिलाफ दिल्ली में जीरो एफआईआर दर्ज करवाई थी.

मुंडा, बाबूलाल व संजय सेठ को राहत बरकरार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, संजय सेठ और दुल्लू महतो समेत दो दर्जन से ज्यादा भाजपा नेताओं की राहत बरकरार रखी है. सोमवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए एक बार फिर समय मांगा, जिस पर नाराजगी जई व अंतिम मौका देते हुए अगली सुनवाई के लिए 14 अगस्त की तिथि तय की है. पिछले वर्ष सचिवालय घेराव कार्यक्रम में हुए उपद्रव के बाद तीन पूर्व सीएम, सांसद समेत 41 लोगों के खिलाफ धुर्वा थाने में केस हुआ था.

जज उत्तम आनंद के हत्यारों की बेल पर अंतिम सुनवाई आज

रांची। धनबाद के दिवंगत जज उत्तम आनंद हत्याकांड के दोषियों लखन वर्मा और राहुल वर्मा की क्रिमिनल अपील पर झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को अंतिम सुनवाई होगी. सोमवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप श्रीवास्तव की डबल बेंच में दोनों दोषियों की याचिका पर आंशिक सुनवाई हुई. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता सब्यसाची ने बहस की. उत्तम आनंद की हत्या मामले में धनबाद सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने ऑटोचालक लखन वर्मा और उसके सहयोगी राहुल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है.

गांजा तस्कर इम्तियाज को 10 साल की सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने गांजा तस्कर इम्तियाज अंसारी को दोषी करार देते हुए 10 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही कोर्ट ने इम्तियाज पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माने की राशि जमा नहीं करने की तो दोषी को नौ महीने की अतिरिक्त सजा काटनी पड़ेगी. रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त 5 की कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है. इम्तियाज को वर्ष 2021 में 26 किलो गांजा के साथ रेलवे पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया था. उसकी गिरफ्तारी 24 नवंबर 2021 को की गई थी.

भरे जा रहे लोकायुक्त व अन्य महत्वपूर्ण पद

रांची। हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की ओर से सूचना आयोग में नियुक्ति को लेकर दायर पीआईएल पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि लोकायुक्त समेत अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया जारी है. इस पर अदालत ने सरकार को एफिडेविट के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में इस जनहित याचिका पर सुनवाई हुई. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार ने पक्ष रखा. छह सितंबर को इस याचिका पर अब सुनवाई होगी.

भगवान भगत व सुनील को सुप्रीम कोर्ट से बेल

रांची। साहिबगंज जिला में अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी भगवान भगत और सुनील यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. शीर्ष अदालत ने दोनों आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जमानत की सुविधा प्रदान कर दी है. शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस अगस्टिन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई की. इससे पहले रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट के दोनों आरोपियों को बेल देने से इंकार कर चुका था.

झारखंड में वोटरों की संख्या में 2.32 लाख का इजाफा

सितंबर में आएगी सीईसी की टीम

- लोकसभा चुनाव के बाद 24 जुलाई तक के बीच में हुआ है इजाफा
- 25 जून से 24 जुलाई तक चला था विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधानसभा क्षेत्र बरहेट में सिर्फ 131 मतदाता बढ़े
- स्पीकर रवींद्र नाथ महतो के विधानसभा क्षेत्र नाला में भी 131 मतदाता बढ़े

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट शुरू हो गई है. सितंबर के पहले सप्ताह में भारत निर्वाचन आयोग की टीम झारखंड दौरे पर आएगी. इस दौरान निर्वाचन आयोग की टीम जिलावार समीक्षा भी करेगी. जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र सहित चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ ही झारखंड में भी चुनाव की घोषणा की जा सकती है. सोमवार को झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने स्टेटिस्टिकल बुक ऑफ लोकसभा इलेक्शन 2024 भी जारी किया. इसमें कई अहम आंकड़े भी शामिल किए गए हैं.

चार महीने में 2.32 लाख वोटर बढ़े : झारखंड में पिछले चार महीने यानी लोकसभा चुनाव के समय की मतदाता सूची और 25 जुलाई तक चले विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम तक में दो लाख 31 हजार 921 मतदाताओं की संख्या में इजाफा हुआ है. लोकसभा चुनाव के समय झारखंड में कुल वोटर की संख्या दो करोड़ 56 लाख 73 हजार 706 थी, लेकिन 25 जून से 25 जुलाई तक चले विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के बाद मतदाताओं की संख्या बढ़कर दो करोड़ 59 लाख पांच हजार 627 हो गई है.

सबसे अधिक किस विधानसभा क्षेत्र में बढ़े वोटर

रांची	-	4583
कांके	-	4092
धनबाद	-	3567
हजारीबाग	-	3545
मांडर	-	2996

सबसे कम किस विधानसभा में मतदाता बढ़े

लिट्टीपाड़ा	-	15
घाटशिला	-	76
विशुनपुर	-	82
बरहेट	-	131
नाला	-	131

होमगार्ड के जवानों को मिलेंगे रोज 1088 रुपये

- गृह विभाग का आदेश जारी

रांची। झारखंड के होमगार्ड जवानों को पुलिसकर्मियों के बराबर दैनिक मानदेय मिलेगा. अभी उन्हें रोजाना 500 रुपये मिलते हैं, लेकिन बढ़ोतरी के बाद रोज 1088 रुपये मिलेंगे. इसे लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्वीकृति दे दी गई है. गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह आदेश संकल्प की निर्गत तिथि से प्रभावित होगा. इससे पहले गृह विभाग के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंजूरी दे दी थी. गौरतलब है कि होमगार्ड के जवान लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे. मामले को लेकर होमगार्ड एसोसिएशन 2017 में हाईकोर्ट गया था, जहां उनके पक्ष में फैसला आया था. लेकिन सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गयी और वहां भी होमगार्ड जवानों के पक्ष में ही फैसला आया था.

वीडियो कॉल पर बात करते तस्वीरें आईं सामने : अमन साहू गिरोह का सदस्य है सुनील मीणा

सुनील मीणा का लॉरेंस बिश्नोई से सीधा संपर्क

संवाददाता। रांची

अमन साहू गैंग का सुनील मीणा, जिसको गिरफ्तार करना झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है, उस सुनील मीणा की गुजरात के साबरमती जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथ वीडियो कॉल पर बातचीत करते हुए एक तस्वीरें सामने आई है. इसमें लॉरेंस बिश्नोई वीडियो कॉल के माध्यम से सुनील मीणा से बात करते हुए नजर आ रहा है. सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले घडसाना के नयी मंडी का रहने वाला है. इस तस्वीर की लगातार न्यूज कोई पुष्टि नहीं करता है.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है सुनील मीणा : सुनील मीणा लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है. वर्क वीजा पर भारत से मलेशिया गया सुनील मीणा कुआलालम्पुर में रहने

वीडियो कॉल की तस्वीर.

के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और संपत नेहरा के जरिए लॉरेंस के संपर्क में आया. वह मलेशिया से ही अपराध की दुनिया में अपने जड़े जमाने लगा. वह लॉरेंस बिश्नोई के इशारे पर राजस्थान और पंजाब के कई जिलों में हत्या, रंगदारी वसूली, फायरिंग जैसी घटनाओं को अंजाम दिलाने लगा था.

राजस्थान के पेट्रोल पंप संचालक से 5 करोड़ की रंगदारी मांगी थी : राजस्थान के तत्कालीन राहत एवं आपदा प्रबंधन मंत्री व कांग्रेस विधायक गोविंद राम मेघवाल से रंगदारी मांगकर सुनील मीणा सबसे पहले चर्चा में आया था. लॉरेंस के इशारे पर ही सुनील मीणा ने राजस्थान के एक पेट्रोल पंप संचालक से पांच करोड़ की रंगदारी मांगी थी. रंगदारी देने से इनकार करने पर उसने ही उस पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिलाया था. इस घटना के बाद राजस्थान पुलिस ने सुनील मीणा के खिलाफ डोजियर तैयार कर उसके लिए रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए पत्राचार किया था.

अमन साहू गिरोह के सुनील मीणा

सुनील मीणा लॉरेंस गैंग के अलावा झारखंड के डॉन अमन साहू के राइट हैंड माने जाने वाले मयंक सिंह से जुड़ा और अमन साहू गैंग के लिए आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलाने लगा. अमन साहू गैंग के इशारे पर सुनील मीणा ने ही झारखंड में कोल ट्रांसपोर्ट कर रही छत्तीसगढ़ की आरकेटीसी कंपनी के कोरबा स्थित ऑफिस में अधिकारियों पर फायरिंग करायी थी. इसी कंपनी के डायरेक्टर सुशील सिंघल की हत्या की नीयत से उसने रायपुर स्थित उनके हेड ऑफिस पर फायरिंग करवायी थी. इसके अलावा सुनील मीणा के द्वारा झारखंड में कई आपराधिक घटनाओं का अंजाम दिलवाया गया.

शुभारंभ 16 अगस्त से 26 सितंबर तक इलेक्शन क्विज का रजिस्ट्रेशन होगा

सैल्यूट टू बीएलओ व इलेक्शन क्विज लॉन्च

संवाददाता। रांची

निर्वाचन आयोग द्वारा सैल्यूट टू बीएलओ और इलेक्शन क्विज कार्यक्रम लॉन्च किया गया. सोमवार को निर्वाचन भवन में कार्यक्रम का पोस्टर लॉन्च किया गया. मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार, ओएसडी गीता चौबे, इंडिया स्टेट के आरके ठकराल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार मौजूद थे. कार्यक्रम के दौरान लोकसभा चुनाव की सांख्यिकीय रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि युवाओं को चुनाव के प्रति मोटिवेट करने के लिए क्विज का आयोजन किया जा रहा है. इसका रजिस्ट्रेशन 16 अगस्त से 26 सितंबर तक होगा.

क्विज के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा : 29 सितंबर को ऑनलाइन क्विज परीक्षा होगी. इसके बाद 5 अक्टूबर को सभी जिलों के विजेता प्रतिभागियों की ऑफलाइन क्विज प्रतियोगिता राजधानी रांची में होगी, जिसमें विजेता को प्रथम पुरस्कार 50,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 30,000 रुपये और तृतीय पुरस्कार 20,000 रुपये दिए जायेंगे. वहीं प्रत्येक जिला के विजेता को 10,000 रुपये दिए जायेंगे. इसमें झारखंड का कोई भी वोटर भाग ले सकता है, केवल निर्वाचन से संबंधित व्यक्ति को छोड़ कर.

झारखंड में सैल्यूट टू बीएलओ और इलेक्शन क्विज कार्यक्रम किया गया लॉन्च

बीएलओ को किया जाएगा सम्मानित

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि झारखंड निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा. इसके लिए सैल्यूट टू बीएलओ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. सीईओ ने बताया कि राज्य में 29562 बीएलओ हैं और चुनाव कराने में इनकी अहम भूमिका होती है. फील्ड में रहने वाले बीएलओ को सम्मानित करने के पीछे उन्हें मोटिवेट करना है. उन्होंने बताया हर विधानसभा क्षेत्र से तीन बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा. साथ ही कहा कि कुछ बीएलओ को राज्यपाल से भी सम्मानित कराया जाएगा.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 13 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 126 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

निजी दौरे पर सीएम हेमंत हैदराबाद गए

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन निजी दौरे पर रविवार को हैदराबाद के लिए रवाना हुए. वे 14 अगस्त की सुबह वापस रांची लौट आएंगे. 15 अगस्त को मुख्यमंत्री को रांची के मोरहाबादी मैदान में झंडोत्तोलन करना है, जहां वे कई नई योजनाओं की घोषणा भी करेंगे.

विस चुनाव तैयारी पर आज खड़गे करेंगे बैठक

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में महासचिव, प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष की बैठक मंगलवार को होगी. दिल्ली स्थित एआईसीसी कार्यालय में सुबह 10.30 से बैठक शुरू होगी. इसमें झारखंड प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी शामिल होंगे. इसके बाद झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गिरीश चोड़नकार, सदस्य पूनम पासवान और प्रकाश जोशी के साथ मीर एवं ठाकुर हर विधानसभा पर विस्तारपूर्वक चर्चा करेंगे. प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने जानकारी दी.

वज्रपात से दो महिलाओं की मौत, एक गंभीर

मेदिनीनगर। पलामू जिले के लेसलीगंज थाना क्षेत्र के पहाड़ी कला में वज्रपात से एक महिला की घटना स्थल पर मौत हो गई, जबकी दूसरी महिला की हालत गंभीर है. परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेसलीगंज लेकर गये, जहां से चिकित्सकों ने एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर कर दिया है. वहीं, लेसलीगंज थाना क्षेत्र के कमलपुर में भी वज्रपाज की घटना हुई. यहां महिलाएं खेत में धनरोपनी कर रहीं थीं. इसी क्रम में वज्रपात हो गया, जिससे एक महिला की मौके पर ही मौत हो गयी. दोनों घटना सोमवार की शाम करीब पांच बजे की बतायी जा रही है.

माइनिंग व इंफ्रास्ट्रक्चर शो 20 सितंबर से रांची में

रांची। आगामी 20, 21 और 22 सितंबर 2024 को धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में झारखंड माइनिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर शो का आयोजन किया जा रहा है. यह आयोजन लघु उद्योग भारती और ओलंपिया के संयुक्त तत्वावधान में होगा. शो के उद्घाटन के लिए सोमवार को लघु उद्योग भारती का प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा राज्य मंत्री सह सह रांची सांसद संजय सेठ को आमंत्रित किया. प्रतिनिधिमंडल में लघु उद्योग भारती झारखंड प्रांत के अध्यक्ष विजय छापरिया, सचिव प्रकाश हेतमसरिया, सचिव सत्य प्रकाश पांडेय, अजय दाधीच, महिला विंग की सचिव नीतू सिंह आदि मौजूद थे.

हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रॉड से हमला कर हत्या, पुलिस-प्रशासनिक महकमे में हड़कंप

अस्पताल में हवलदार की हत्या कर उम्र कैद का सजायाफ्ता कैदी फरार

- कैदी शाहिद अंसारी ने हवलदार चौहान हेंब्रम की हत्या कर दी
- वारदात सीसीटीवी में कैद, सिर्फ एक गार्ड के भरोसे था खूंखार

संवाददाता। हजारीबाग

एसबीएमसीएच में जांच करते पुलिस-प्रशासन के आलाधिकारी.

हवलदार चौहान हेंब्रम (फाइल फोटो)

कैदी शाहिद अंसारी (फाइल फोटो)

शेख भिखारी मेडिकल अस्पताल में सोमवार की सुबह कैदी ने सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी की हत्या कर दी. जानकारी के मुताबिक, रेप व हत्या के दोष में उम्रकैद के सजायाफ्ता कैदी मो शाहिद अंसारी का अस्पताल में इलाज चल रहा था. उसने सुरक्षा में तैनात हवलदार चौहान हेंब्रम के ऊपर लोहे के रॉड से हमला कर उनकी जान ले ली. वारदात को अंजाम देने के बाद शाहिद अस्पताल से फरार हो गया.

इस घटना की सूचना मिलने के बाद पूरे पुलिस-प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया. डीसी नैंसी सहाय, एसपी अरविंद कुमार सिंह, सदर एसडीपीओ कुमार शिवाशीष समेत कई पुलिस अधिकारी एसबीएमसीएच पहुंचे. पूरे मामले की तहकीकात की जा रही है. लगभग दो घंटे तक एसपी मेडिकल कॉलेज परिसर में उपस्थित रहे. हालांकि, घटना को लेकर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी किसी तरह का बयान देने से बचते रहे. बता दें कि उम्र कैद की सजा काट रहे शाहिद अंसारी को धनबाद सेंट्रल जेल से हजारीबाग सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया था.

सीसीटीवी में अस्पताल से निकलते दिख रहा है कैदी : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एसपी अरविंद कुमार सिंह ने सीसीटीवी कैमरे में कैद फुटेज को खंगाला. सीसीटीवी के फुटेज में स्पष्ट देखा गया है कि कैदी शाहिद अंसारी घटना को अंजाम देकर दिन के 10:40 बजे अस्पताल परिसर से बाहर निकल रहा है. उस दौरान कोई भी सुरक्षाकर्मी बाहर नहीं था. इस मामले की जांच में फॉरेंसिक टीम की भी मदद ली जा रही है. फरार हत्यारोपी कैदी की गिरफ्तारी के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है.

14 दिनों से मेडिकल कॉलेज में चल रहा था इलाज : पुलिसकर्मी की हत्या कर फरार होने वाला सजायाफ्ता कैदी था. एसबीएमसीएच में पिछले 14 दिनों से उसका इलाज चल रहा था. जानकारी के अनुसार, शाहिद के शरीर के दाहिना हिस्से में झुनझुनी की शिकायत थी. उसने एम्स में इलाज करने के लिए न्यायालय में आवेदन दिया था. लेकिन, उसका आवेदन अस्वीकार करते हुए उसे इलाज के लिए हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया था. वहीं, अस्पताल में जिला बल के हवलदार चौहान हेंब्रम सुरक्षा में तैनात थे.

हत्या के दोष में उम्र कैद की सजा काट रहा था शाहिद : फरार सजयाफ्ता कैदी शाहिद अंसारी के ऊपर धनबाद में दो मामला दर्ज था. सुदामडीह थाना दर्ज कांड संख्या 40/17 के तहत धारा 341, 323, 354, 356 डी, 306, दुष्कर्म समेत पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज था. वहीं पाथरडीह थाना में कांड संख्या 40/ 18 के तहत धारा 302 ,201, 382 के तहत मामला दर्ज था.

रात में एक पुलिसकर्मी के भरोसे रहता है कैदी वार्ड

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल से इलाजरत कैदी के फरार होने का यह कोई पहला मामला नहीं है. पहले भी यहां से कई कैदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो चुके हैं. वर्तमान में मेडिकल कॉलेज में होमगार्ड के 30 जवान तैनात हैं. इसके अलावा निजी सुरक्षा गार्ड की भी तैनाती है. हालांकि, रात के समय महज एक पुलिसकर्मी की बदौलत कैदी वार्ड रहता है. वहीं कैदी वार्ड के बाहर भी सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं. एक मुख्य दरवाजा है, जिससे डॉक्टर, मरीज सभी का आना-जाना होता है. इसलिए, घटना को अंजाम देने के बाद सजायाफ्ता कैदी शाहिद अंसारी आसानी से फरार हो गया. ऐसे में अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा हो रहे हैं.

गिरिडीह में बैंक मित्र से लूट के बाद अपराधियों ने गोली मारी

नर्सिंग होम में बैंक मित्र विश्वनाथ यादव का हाल जानते विधायक विनोद कुमार.

गिरिडीह। जिले के सरिया थाना क्षेत्र के औरवाटांड में लूटपाट के दौरान सोमवार की दोपहर बैंक मित्र को अपराधियों ने गोली मार दी. बैंक मित्र विश्वनाथ यादव को बाएं हाथ में गोली लगी है. उसे सरिया के एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया.

चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया. जानकारी के मुताबिक, विश्वनाथ यादव बैंक ऑफ इंडिया का बैंक मित्र है और केशवारी में उसका ग्राहक सेवा केंद्र है. वह बैंक से रुपये की निकासी कर अपने सेंटर पर लौट रहा था. इसी क्रम में बाइक सवार दो अपराधियों ने लूटपाट के दौरान उसे गोली मार दी. अपराधियों ने उसके पास से 2.89 लाख रुपये लूट लिए. इधर, बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह भी नर्सिंग होम पहुंचे. उन्होंने घायल का हाल जाना. विधायक ने एसपी दीपक शर्मा से फोन पर बात कर अपराध पर नकेल कसने को कहा है.

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता विभाग ने तेज की प्रकिया

अब ग्रीन कार्ड से 25 लाख लोगों को मिलेगा अनाज

- झारखंड में एनएफएसए से 2.64 करोड़ और ग्रीन कार्ड से 16.39 करोड़ लाभुकों को मिल रहा अनाज

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राज्य के 20 लाख लोगों की जगह अब 25 लाख लोगों को ग्रीन कार्ड के माध्यम से अनाज देने का निर्णय राज्य सरकार ने किया है. इसको लेकर खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के प्रस्ताव तैयार किया है. इसको मूर्त रूप देने के लिए विभागीय प्रकिया तेज कर दी गयी है. इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली राज्य की जनता की मदद करना है.

वर्तमान में ग्रीन कार्ड के माध्यम से राज्य के पांच लाख 28 हजार 126 परिवारों को योजना का लाभ दिया जा रहा है. इससे 16 लाख 39 हजार 997 लोग लाभान्वित हो रहे हैं. लाभुकों की संख्या बढ़ाने के निर्णय से राज्य के वैसे परिवारों को फायदा होगा, जो ग्रीन कार्ड बनवाने के पात्र होंगे. वैसे परिवार जिनका प्राथमिकता वाले घरेलू (पीएचएच) और गरीब परिवारों के लिए अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) का राशन कार्ड नहीं बना है, उन्हें अब इसका लाभ मिलेगा. इस योजना के माध्यम से राज्य सरकार गरीब परिवारों तक मदद पहुंचाने का प्रयास कर रही है, ताकि अनाज के बिना कोई भी भूखा न रहे.

झारखंड के 2.64 करोड़ लोगों को मिल रहा रहा अनाज

देश में पात्रता के आधार पर विभिन्न प्रकार के राशन कार्ड जारी किए जाते हैं. एनएफएसए के तहत पीएचएच और एएवाई राशन कार्ड के माध्यम से झारखंड के दो करोड़ 64 लाख 25 हजार 385 लोगों को अनाज मिल रहा है. केंद्र सरकार ने 2013 में खाद्य सुरक्षा अधिनियम बनाया था. इस योजना से देश की 75 प्रतिशत ग्रामीण आबादी और 50 प्रतिशत शहरी आबादी को अच्छादित करने का प्रावधान किया था. झारखंड में इस अधिनियम के तहत 86.48 प्रतिशत ग्रामीण और 60.20 शहरी आबादी को पीएचएच और एएवाई राशन कार्ड के माध्यम से अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है.

राज्य में 15 सितंबर 2020 को शुरू की गयी थी योजना

झारखंड सरकार द्वारा 15 सितंबर 2020 को राज्य खाद्य सुरक्षा योजना शुरू की गई थी. इस योजना का मकसद है कि वैसे गरीब परिवार जो अनाज खरीदने में अक्षम हैं, उन्हें कम दाम पर राशन उपलब्ध कराना है. योजना के तहत लाभार्थियों को एक रुपए की दर से ग्रीन कार्ड लाभुक के परिवार के प्रति सदस्य के हिसाब से पांच किलो चावल या गेंहू दिया जाता है.

गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हुई खाद्य सुरक्षा योजना

झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए वरदान है. इस योजना के जरिये राज्य सरकार गरीबों को अत्यधिक लाभ पहुंचाने का प्रयास करती है. इसमें राशन कार्डधारी गरीब परिवारों को एक रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्रति यूनिट पांच किलो राशन दिया जाता है. एक बार राशन कार्ड के लिए आवेदन करने के बाद संबंधित लाभुक अपना नाम ग्रीन कार्ड सूची में देख सकते हैं.

बाबा बैद्यनाथ मंदिर में दो लाख श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया

सावन की चौथी सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ मंदिर में उमड़े श्रद्धालु.

देवघर। सावन महीने की चौथी सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही. शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु रविवार देर रात से ही लाइन में खड़े थे. बाबा के दर्शन के लिए आठ किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई थी. विशेष पूजा-अर्चना के बाद सुबह चार बजे से अरधा सिस्टम के माध्यम से जलार्पण शुरू हो गया था. श्रद्धालओं की लंबी कतार को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे. सावन की चौथी सोमवारी के अवसर पर दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा मंदिर में जलाभिषेक किया.

गिरिडीह में पांच पिकअप वैन में लदे 35 पशु बरामद किये

संवाददाता। गिरिडीह

गो तस्करी के खिलाफ गिरिडीह पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच पिकअप वैन में लोड 35 पशु को बरामद किया है. पुलिस की टीम ने निमियाघाट थाना क्षेत्र के जीटी रोड स्थित ओवरब्रिज के पास बिहार से बंगाल की ओर जा रहे पांच पिकअप वैन को पकड़ा, जिनमें कुल 35 पशु लदे थे. सभी पशुओं को कसाई खाना ले जाया जा रहा था. गोवंशीय पशु की तस्करी करने के आरोप में पिकअप वाहन के चालक/मालिक के आलावा पशु की तस्करी कराने वाले स्थानीय तस्कर संतोष साव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

चतरा में 10 लाख के नक्सली के घर की कुर्की

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

- पुलिस ने पिछले माह इनामी माओवादी मनोहर गंझू के घर पर इश्तेहार चस्पा किया था

बालूमाथ के टेमराबर गांव में 10 लाख के इनामी माओवादी मनोहर गंझू के घर पर चतरा जिला पुलिस ने कुर्की जब्ती की है. इससे पूर्व चतरा पुलिस ने पिछले माह उसके घर पर इश्तेहार चस्पा किया था और न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करने की बात कही गई थी. न्यायालय के आदेश का पालन नहीं करने पर माओवादी मनोहर गंझू के घर का कुर्की जब्ती की कार्रवाई की गयी है.

पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे सनोज चौधरी ने कहा कि मनोहर गंझू पर 10 लाख रुपये का इनाम है और वह कई कांडों में वांछित है. चतरा जिला के कुंदा थाना में दर्ज कांड संख्या 03/2021 में न्यायालय के आदेश पर कुर्की जब्ती की कार्रवाई की गयी है. उन्होंने कहा कि मनोहर गंझू के पास अभी भी मौका है. वह सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुर्नवास नीति के तहत आत्मसमर्पण कर सुखी जीवन बीता सकता है. इस कार्रवाई में बालूमाथ थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय, एएसआई मो शमीम खान आदि मौजूद थे.

मछली पकड़ने के जाल में फंसा डिवाइस लगा गिद्ध

कोनार डैम से बरामद गिद्ध और इनसेट में गिद्ध के ऊपर लगा डिवाइस.

संवाददाता। विष्णुगढ़/हजारीबाग

- वन विभाग की टीम ने संरक्षण में लिया, जांच जारी
- गिद्ध के पैर में मौजूद स्टील रिंग में ढाका लिखा है

कोनार डैम में मछुआरे के जाल में सोमवार को एक गिद्ध फंस गया. गिद्ध की पीठ पर एक डिवाइस लगा हुआ है और उसके पैर में एक स्टील का रिंग है. रिंग में ढाका लिखा हुआ है. गिद्ध के जाल में फंसने के बाद मछुआरों ने डीवीसी के कर्मी गोपाल प्रसाद को इसकी सूचना दी. बाद में सूचना पाकर विष्णुगढ़ के अंचल अधिकारी नित्यानंद दास और पुलिस भी पहुंची. फिर वन विभाग को सूचना दी गयी.

वन विभाग के अधिकारी गिद्ध को हजारीबाग ले गए. गिद्ध थका दिख रहा था. जाल से निकालने के बाद गिद्ध ने उड़ने का प्रयास किया, मगर कुछ ही दूर जाने के बाद डैम में गिर गया. फिर नाव से जाकर उसे पानी से बाहर निकाला गया. फिलहाल गिद्ध वन विभाग के संरक्षण में है. वहां उसकी चिकित्सीय जांच की जाएगी. साथ ही उसपर लगे डिवाइस की भी जांच होगी. रिंग में ढाका लिखा देख मामले को बांग्लादेश से जोड़कर देखा जा रहा है. यह गिद्ध इस इलाके में पाए जाने वालों गिद्धों से अलग है. इसका रंग काला और सफेद है. बरहाल डिवाइस की जांच के बाद ही कुछ खुलासा हो सकता है.

आपदा | अचानक बाढ़ आने पर फंस गये चरवाहे, कुछ लोगों ने तैर कर नदी पार की, सौ बकरियां लापता

बलबल नदी में बही दो महिलाओं का शव बरामद, किशोर लापता

- युवक ने जान जोखिम में डाल पिता व चाचा को बचाया
- रविवार की देर शाम बलबल नदी में आ गयी थी बाढ़

आशीष टैगोर। लातेहार

बालूमाथ थाना क्षेत्र के मारंगलोइया पंचायत के बलबल नदी में रविवार की देर शाम दो महिला व एक किशोर पानी के तेज बहाव मे वह गये. सभी जंगल से बकरियां चरा कर लौट रहे थे. घटना की सूचना पाकर आसपास के ग्रामीण एवं बालूमाथ पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर पूरी रात लापता लोगो को खोजने का प्रयास करते रहे. सोमवार की सुबह घटना स्थल से लगभग आठ किलोमीटर दूर महुआ टोला ग्राम के समीप नदी से फूलो मसोमात (50) व पिपरवार थाना क्षेत्र के एक नदी से बसंती देवी (50) का शव बरामद किया गया.

वहीं, विवेक उरांव (12) अभी भी लापता है. नदी के तेज बहाव में सोमे उरांव एवं बालेश्वर उरांव भी डूबने लगे थे. सोमे उरांव का पुत्र संजीत उरांव अपनी जान जोखिम में डाल कर नदी में कूद गया और पिता सोमे उरांव व चाचा बालेश्वर उरांव को बचा लिया. थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय ने बताया कि पुलिस ने बताया कि विवेक उरांव को खोजने का प्रयास कर रही है. घटना के बाद से दोनों मृतका एवं लापता किशोर के परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है.

बकरियां चरा कर लौट रहे थे ग्रामीण : बकरियां चरा कर लौट रही हीरो देवी, झालो देवी, सुनीता देवी व शकुंती देवी ने बताया कि बिशनपुर ग्राम से सभी लोग बलबल जंगल बकरी चराने गये थे. लौटने के समय नदी में पानी कम था. इस कारण बलबल गांव के सोमे उरांव, सुनील उरांव ,बालेश्वर उरांव, विनोद उरांव ,लालमन उरांव, बसंती देवी, फूलो मसोमात, विवेक उरांव अपनी-अपनी बकरियों को ले कर नदी को पार करने लगे. इसी दौरान नदी में पानी का बहाव तेज हो गया और सभी लोग नदी के बीच में बालू के एक टीले के ऊपर चढ़ गये. लेकिन पानी टीले से ऊपर जाने लगा. इसी बीच तीन लोग पानी की तेज धार में बह गए.

जुमार नदी में डूबे छात्र का शव बरामद

रांची। हॉस्टल से भागकर दोस्तों के साथ घूमने गये छात्र के जुमार नदी में डूबने के बाद दूसरे दिन सोमवार को एनडीआरएफ की टीम ने शव बरामद कर लिया है. छात्र पीयूष कुमार सिंह बूटी मोड़ स्थित मनन विद्या स्कूल में पढ़ता था. शनिवार की देर रात वह जुमार नदी डूब गया था.

रविवार की सुबह से शाम तक एनडीआरएफ की टीम ने नदी में तालाशी अभियान चलाया था, पर उसका शव बरामद नहीं हो सका था. इसके बाद सोमवार को फिर से तलाशी अभियान चलाया गया और एनडीआरएफ ने छात्र का शव बरामद कर लिया. पीयूष कुमार सिंह मनन विद्या स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था. वह मूल रूप से गया जिले का रहने वाला था. पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया.

पीयूष कुमार (फाइल फोटो).

बाउंड्री वाल फांद कर दोस्तों के साथ निकला था पीयूष

स्कूल के हॉस्टल से चार-पांच छात्र बाउंड्री वाल फांद कर शनिवार की देर रात घूमने जाने के लिए निकले थे. लेकिन स्कूल के पीछे वाले रास्ते से सड़क तक पहुंचने के लिए नदी को पार करना था. नदी पार करने के क्रम में ही एक छात्र पीयूष कुमार सिंह डूब गया था.

ब्रीफ खबरें

पाटन में आज निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा

मेदिनीनगर। पाटन-छतरपुर विधायक पुष्पा देवी के नेतृत्व में मंगलवार को पाटन में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी. तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि विधायक पुष्पा देवी के अलावा पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार, भाजपा पलामू जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, पलामू भाजयुमो अध्यक्ष विपुल गुप्ता शामिल रहेंगे. उक्त जानकारी पाटन भाजयुमो मंडल अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने दी है. तिरंगा अभियान पाटन छतरपुर विस क्षेत्र की तिरंगा यात्रा सिक्की अमानत पुल से शुरू होगी और पाटन तक जाएगी. उन्होंने भाजपा के सभी मंच मोर्चा के नेता व कार्यकर्ताओं से अपनी-अपनी मोटरसाइकिल के साथ ससमय सिक्की अमानत पुल के पास पहुंचने की अपील की है.

सड़क निर्माण के लिए ग्रामीण कार्य विभाग ने किया सर्वे

धुरकी। प्रखंड मुख्यालय स्थित अल्पसंख्यक बहुल्य मुख्य बस्ती तक जाने के लिए सड़क निर्माण के लिए ग्रामीण कार्य विभाग गढ़वा के कनिय अभियंता संजीव कुमार ने धुरकी में पीडब्ल्यूडी पथ (गुलशन चौक) से मस्जिद होते दिलवर मियां के घर से नदी तक पथ निर्माण के लिए सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है. बता दें कि गत एक सप्ताह पूर्व कांग्रेस के गढ़वा जिलाध्यक्ष ओबैदुल्लाह हक अंसारी ने राज्य के ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री इरफान अंसारी से मिलकर धुरकी मुख्य बस्ती तक जाने के लिए सड़क निर्माण के लिए मंत्री को आवेदन सौंपकर सड़क निर्माण के लिए मांग किया था.

जिला कार्यालय में होगा ध्वजारोहण

मेदिनीनगर। स्वतंत्रता दिवस पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के पलामू जिला कार्यालय, (रेड़मा ओवर ब्रिज के पास, वीर सैनिक शिव जी सिंह के आवासीय परिसर) में 11 बजे ध्वजा रोहन होगा. इस संबंध में परिषद के अध्यक्ष दामोदर मिश्र व महासचिव दिनेश गुप्ता ने बताया गया कि उसी दिन स्वतंत्रता दिवस समारोह समाप्ति के बाद हाल ही में संपन्न कारगिल विजय दिवस समारोह के बारे में समीक्षा बैठक की जाएगी. समीक्षा बैठक में कोषाध्यक्ष दयाशंकर शर्मा द्वारा आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया जाएगा.

आंधी में पेड़ गिरने से आवागमन बाधित हुआ

मेदिनीनगर। सोमवार की शाम में आई तेज आंधी में मेदिनीनगर के सुदना गायत्री मंदिर रोड में उदय सिंह पेट्रोल पंप के पीछे वाली गली में एक शीशम का पेड़ जड़ से गिर गया . पेड़ के गिरने से एक घर क्षतिग्रस्त हो गया है . पेड़ का एक हिस्सा गली के सड़क पर आ गिरा है जिससे आवागमन भी बाधित हो गया है. मुहल्ला वासियों ने नगर निगम प्रशासन से अपील की है कि गिरा हुआ पेड़ रास्ते से शीघ्र हटवाया जाए ताकि रास्ता चालू हो सके .

दिव्यांग बच्चों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन

विश्रामपुर (पलामू): समाजसेवी शिक्षा के तहत विश्रामपुर प्रखंड संसाधन केंद्र में सरकारी स्कूल के दिव्यांग बच्चों के बीच कई तरह के प्रतियोगिता आयोजित की गई.जिसमें दिव्यांग बच्चों ने अपना कला प्रदर्शित किया.पेंटिंग,आर्ट व क्राफ्ट में तो बच्चों ने पेंटिंग चार्ट पर एक से बढ़कर एक पेंटिंग उकेरी.प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सतीश कुमार तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों के बीच पुरस्कारों का वितरण जल्द ही किया जायेगा.प्रखंड रिसोर्स प्रभारी प्रशांत कुमार चौबे ने बताया कि प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभाओं को जिला और प्रदेश स्तर के प्रतियोगिता में चयनित कर भेजा जायेगा. मौके पर कई लोग मौजूद थे.

2019 में पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रधानाध्यापिका अनिता भेंगरा के कार्यों की तारीफ की थी

एक शिक्षिका की सोच ने विद्यालय की तस्वीर ही बदल दी

कुमार राज । सतबरवा (पलामू)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुलसुलमा.

सरकारी विद्यालय के बारे में आज लोगों के दिलों दिमाग में एक ही बात बैठ कर रह गया है कि यहां पढ़ाई के नाम पर शिक्षक सिर्फ समय काटते हैं , पर अगर ऐसा आप सोचते हैं, तो एक बार उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुलसुलमा पहुंच कर ,इसके पठन-पाठन, विद्यालय के रखरखाव देखें , आपकी सोच सचमुच निश्चित रूप से बदल जाएगी. कहा जाता है कि जब हिम्मत और जज्बा हो तो कठोर पत्थरों पर भी हरियाली उगाई जा सकती है,उक्त बातों को चरितार्थ कर दिखाया है विद्यालय के प्रधानाध्यापिका श्रीमती अनिता भेंगरा ने, श्रीमती भेंगरा उक्त विद्यालय में करीब 20 वर्षो से अधिक समय से सेवाएं दे रही है, इससे पहले श्रीमती भेंगरा पलामू के प्रसिद्ध सेक्रेड हर्ट स्कूल में सेवाएं दे चुकी है, जब उन्होंने दुलसुलमा विद्यालय जॉइन किया तो पाया कि गांव आदिवासी बहुल है, शिक्षा का घोर अभाव है .

श्रीमती भेंगरा ने बताया कि मैंने मन मष्तिष्क में बिठा लिया कि इस विद्यालय को सेक्रेड हर्ट के तर्ज पर विकसित करुंगी, धीरे धीरे उन्होंने आसपास के बच्चों को विद्यालय से जोड़ना शुरू कर दिया . पहली प्राथमिकता के रूप में स्वास्थ्य और सफाई को रखा ,उन्होंने अपने शिक्षक साथियो की सहायता से योजनाबद्ध तरीके से काम की शुरुवात की, विद्यालय में शिक्षको की संख्या घटती गयी, लेकिन उनके हौसले बढ़ते गए, अनिल कुमार गुप्ता जहाँ सेवानिवृत्त हो गए वहीअर्पण कुमार गुप्ता का चयन दूसरे विद्यालय में हो गया और तत्कालीन प्रधानाध्यापक मृत्युंजय पाठक का स्थानांतरण हो गया और विद्यालय की बागडोर श्रीमती भेंगरा के हाथों में आ गयी,लेकिन उनका इरादा दृढ़ था,उन्होंने अपने विद्यालय को सेक्रेड हर्ट जैसा बनाने की दृढ़ इच्छा पाल रखी थी, उन्होंने विद्यार्थियों की एक टीम तैयार की उनको इंग्लिश प्रेयर,इंट्रोडक्शन, ग्रुप सांग,एकल गान, कन्वर्सेशन,पेंटिंग इत्यादि सिखाया, उनसे सहयोग लेकर निचले क्लास के बच्चों को पढ़ाने में मदद ली क्योंकि विद्यालय में उनके अलावे केवल 2 पारा शिक्षक महावीर सिंह, नितू कुमारी और 1 सहायक शिक्षिका तपेशवरी कुमारी है, उन्होंने स्कूल में फूल, पौधो, का जाल बिछाया, नल, बिजली, शौचालय, पुस्तकालय, को विकसित किया,विकलांग बच्चों के लिए अलग शौचालय,बच्चियों के लिए भष्मीकरन जैसे नवीन प्रयोग किये, उनकी इच्छा प्रसिद्धि की नहीं थी. उस विद्यालय में जायेंगे तो आपको रंग, बिरंगे सैकड़ो किस्म के फूल पौधे देखकर आपको ऐसा एहसास होगा जैसे कि आप रॉक गार्डन में आ गए है, यह विद्यालय लोगो के लिए चर्चा का केंद्र बन गया है. लोग सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि आखिर उन्होंने इतने सीमित निधि,कम संसाधन से ऐसे काम कैसे किये पर उनके इरादे बुलंद हैं.

जिला समन्वय समिति की बैठक संपन्न, बने 1408 खोजी दल

घर-घर जाकर होगी कुष्ठ मरीजों की खोज

कुष्ठ रोगी खोज अभियान को लेकर बैठक करते डीसी.

संवाददाता । गढ़वा

डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की ओर से कुष्ठ रोगी खोज अभियान 2024 अंतर्गत जिला समन्वय समिति की बैठक की गई. बैठक में सीएस डॉ अशोक कुमार ने बताया कि जिले में 28 अगस्त से 13 सितंबर तक कुष्ठ रोगी खोज अभियान का संचालन किया जाएगा. जिसमें जिले के सभी प्रखंडों के संपूर्ण आबादी का शत प्रतिशत कुष्ठ रोग से संबंधित शारीरिक जांच किया जाएगा. इसके लिए पूरे जिले में 1408 खोजी दल बनाए गए हैं. जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ कौशल सहगल ने बताया कि कुष्ठ रोग बहुत ही धीरे फैलने वाली संक्रामक बीमारी है, जिसका समय से इलाज न करने पर शरीर में विकलांगता की समस्या आ जाती है. आंख और हाथ बुरी तरह प्रभावित हो जाते हैं. बताया कि पूरे जिले में यह अभियान चलाया जाना है, जिसमें स्वास्थ्य सहिया और एक पुरुष कार्यकर्ता द्वारा प्रत्येक घर के लोगों की शारीरिक जांच की जाएगी तथा लोगों को कुष्ठ रोग तथा इसके रोकथाम व समुचित इलाज की जानकारी से भी अवगत कराया जाएगा. उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत जिले के लगभग 1684520 लोगों की कुष्ठ रोग से संबंधित स्क्रीनिंग के लिए 1408 खोजी दल का गठन किया गया है, जो अपने-अपने आवंटित क्षेत्र के सभी घरों में जाकर रोगियों को चिन्हित करते हुए कुष्ठ रोग एवं इसके उन्मूलन का संदेश देंगे. साथ ही चिन्हित रोगियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपुष्टि के लिए भेजी जाएगी, जहां पर चिकित्सकों के द्वारा उन लोगों का जांच किया जाएगा और रोग की संपुष्टि होने पर समुचित इलाज प्रारंभ किया जाएगा.

डीसी श्री जमुआर ने कहा कि कुष्ठ रोगी खोज अभियान के सफल आयोजन के लिए सभी प्रखंडों में समन्वय समिति की बैठक आवश्यक रूप से करना सुनिश्चित करें. खोजी दल के सदस्यों को प्रशिक्षण सामग्रियों का वितरण स्क्रीनिंग एवं अन्य कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया. मौके पर जिला कुष्ठ समन्वयक डॉ भारत भूषण, फिजियोथैरेपिस्ट अभिषेक सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक समरेश सिंह, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी, चिकित्सा पदाधिकारी आदि उपस्थित थे.

दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में एक की मौत, चार घायल

- ट्रक की चपेट में आये बाइक सवार की मौत

संवाददाता । चंदवा (लातेहार)

दो अलग- अलग सड़क दुर्घटना में एक की मौत हो गयी और चार लोग घायल हो गये. पहली घटना रांची-चतरा मुख्य मार्ग पर दामोदर के पास हुई. यहां एक ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया. बाइक पर सवार दिनेश्वर यादव की मौत मौके पर ही हो गयी. जबकि उसका पुत्र व पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गये.बताया जाता है कि दिनेश्वर यादव और उसका पुत्र छोटू कुमार यादव अपनी बेटी रिंकी देवी को लेने चंदवा के रक्सी गांव आये थे. वापस चतरा जाने के क्रम में दामोदर गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रही दस चक्का ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया.पुत्र व पुत्री की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रिम्स रेफर कर दिया गया है.खबर लिखे जाने तक मुआवजे को लेकर शव के साथ दामोदर स्थित सड़क जाम किए जाने की सूचना थी. दूसरी घटना चंदवा-महुआमिलान मैक्लुस्कीगंज सड़क पर एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गई.दुर्घटना में चालक गौरव दास, हरियाणा तथा उप चालक गुरप्रीत सिंह, हरियाणा गंभीर रूप से घायल हो गए. दुर्घटना में एक व्यक्ति चालक सीट पर घंटो फंसा रहा. घटना स्थल पर चंदवा पुलिस पहुंचकर क्रेन की मदद से सीट पर फंसे व्यक्ति की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद निकाला.एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया. डॉ कंचन बाड़ा व ड्रेसर मनीष और अन्य के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया. दुर्घटनाग्रस्त ट्रक पर रेल ट्रैक का लोहा लदा हुआ था.

मेदिनीनगर : स्नातक की खाली सीट पर नामांकन नहीं लेने पर अभाविप ने जोरदार विरोध जताया

मेदिनीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक नितीश दुबे की अध्यक्षता में परिषद कार्यकर्ताओं ने गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय में स्नातक के सभी विभागों में नामांकन की सीटें खाली होने के बावजूद नामांकन नहीं लेने पर प्राचार्य कक्ष में जोरदार विरोध जताया. परिषद कार्यकर्ताओं ने विरोध के बीच खाली सीटो को भरने के लिए दो दिनों का अतिरिक्त समय दिया. परिषद के नगर सह मंत्री कौशल मिश्रा ने कहा कि वर्तमान प्राचार्य के ढुलमुल रवैया के कारण कई छात्र नामांकन से वंचित रह गए इसका जिम्मेवार सिर्फ और सिर्फ महाविद्यालय प्रशासन हैं,वर्तमान प्राचार्य के आने के बाद से गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय की स्थिति दिन प्रतिदिन और दैनिए होती दिख रही है. प्राचार्य अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाए अन्यथा विश्वविद्यालय प्रशासन से प्राचार्य को हम सभी हटाने की मांग करेंगे. मौके पर परिषद के राष्ट्रीय प्रादेशिक विश्वविद्यालय सहसंयोजक विनीत पांडे, नगर मंत्री विपिन यादव, सह मंत्री राहुल कुमार चेरो, कार्यालय मंत्री उत्कर्ष तिवारी, राहुल कुमार दीक्षित, राजन कश्यप, विभब कूमार, प्रिया दुबे आदि उपस्थित थे.

निर्धारित लक्ष्य के अनुसार करें राजस्व की वसूली : उपायुक्त

पदाधिकारियों के साथ बैठक करतीं उपायुक्त गरिमा सिंह.

संवाददाता । लातेहार

उपायुक्त गरिमा सिंह ने निर्धारित लक्ष्य के अनुसार राजस्व की वसूली करने का निर्देश दिया है. उन्होने राजस्व संग्रहण में धीमी गति वाले विभागों को सुधारात्मक प्रगति लाने एवं शेष समय में लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया. उपायुक्त सोमवार को समाहरणालय सभागार में राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक कर रही थी. इससे पूर्व उन्होने पूर्व की बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की. जिले में राजस्व संग्रहण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध अब तक किए गए राजस्व संग्रहण की विभागवार समीक्षा की और शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया.

उपायुक्त ने परिवहन, उत्पाद, खनन, नगर पंचायत, विद्युत व मत्स्य विभाग की अब तक किये गये राजस्व संग्रहण की समीक्षा की. बैठक में भू-लगान, निबंधन, दाखिल-खारिज और भूमि-सीमांकन की समीक्षा की. एक माह में मात्र दो ऑनलाइन निबंधन करने पर उन्होने बालुमाथ अंचलाधिकारी को स्पष्टीकरण करते हुए कार्यों में प्रगति नहीं लाने पर कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी दी प्रखंड महुआडांड़ को स्पष्टीकरण करते हुए म्यूटेशन की पंजी अपडेट करने का निर्देश दिया गया.

अनुसचिवीय कर्मचारी व मनरेगा कर्मचारी संघ का हड़ताल जारी

संवाददाता । लातेहार

मांगों को लेकर धरना देते अनुसचिवीय कर्मचारी .

अनुसचिवीय कर्मचारी (समाहरणालय संवर्ग) और मनरेगा कर्मचारी संघ की हड़ताल जारी है. सोमवार को भी दोनों संघों के कर्मचारी समाहरणालय के समक्ष धरना पर बैठे रहे.लगातार हो रही बारिश भी उनके हौसलों को कम नहीं पा रही है. बारिश में भी टेंट लगा कर कर्मी हड़ताल में डटे हैं. बता दें कि अनुसचिवीय कर्मचारी संघ अपने नौ सूत्री मांगो को ले कर पिछले 22 जुलाई से ही हड़ताल में हैं. संघ, लातेहार के अध्यक्ष सुरजा कुजूर ने बताया कि सरकार कर्मचारियों की मांगों पर कोई विचार नहीं कर रही है. बाध्य हो कर कर्मचारी हड़ताल में हैं. उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह सरकार का ह्रदय परिवर्तन के लिए कई कार्यक्रम किये गये. एक अगस्त को सरना स्थल पर जा कर प्रार्थना की गयी. जबकि दो अगस्त को मस्जिद में, तीन अगस्त को चर्च व गिरजाघर में, पांच अगस्त को मंदिर में, छह अगस्त को गुरुद्वारा जा कर सरकार के ह्रदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना की गयी. लेकिन सरकार पर इसका कोई असर नहीं पड़ा. सात अगस्त को हड़ताली कर्मचारियों ने झारखंड सरकार के ह्रदय परिवर्तन के लिए हवन कार्यक्रम भी किया. उन्होंने कहा कि सरकार इस बार कर्मचारी आर या पार की मूड में हैं. सचिव मनोज पासवान, कोषाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सच्चिदानंद कुमार, संरक्षक गोवर्धन राम, देवनाथ उरांव, आशीष कुमार, बृजकिशोर तिवारी, जयकुमार सिंह, विजय कुमार रजक, महेंद्र सिंह, पंकज शाहदेव, अशोक पासवान, अखिलेश टोप्पो, रामनरेश राम, पुष्पेंद्र पांडेय, अनिमेष कुमार समेत संघ के सभी कर्मी मौजूद थे. वहीं दूसरी ओर मनरेगा कर्मचारी संघ भी पिछले 22 जुलाई से आंदोलनरत हैं. संघ के अध्यक्ष मो मेराजुल हक ने कहा कि सरकार उनकी मांगों पर कोई विचार नहीं कर रही है.अगर मांगों को पूरा नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जायेगा.

न्यूज अपडेट

तीसरे दिन भी काला बिल्ला लगा कर कार्य किया

लिपिक कर्मी काला बिल्ला लगा कर काम पर पहुंचे.

लातेहार। जिले के सहकारिता,कृषि और पशुपालन विभाग में कार्यरत लिपिक कर्मचारी अपने 11 सूत्री मांगो को ले कर तीसरे दिन सोमवार को भी काला बिल्ला लगा कर कार्य किया. पिछले शनिवार से लिपिक कर्मी अपनी मांगों को ले कर काला बिल्ला लगा कर कार्य कर रहे हैं. लातेहार कृषि विभाग के लिपिक कर्मचारी अरुण कुमार ने बताया कि झारखंड राज्य कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग लिपिक संघर्ष संघ के आह्वान पर 12 अगस्त तक काला बिल्ला लगाकर कर्मी कार्य करेंगे.उन्होंने बताया कि 11 सूत्री मांगों को लेकर कर्मी आंदोलनरत है. कहा कि अगर संघ की मांगों को पूरा नहीं किया जाता तो अनिश्चितकालीन हड़ताल भी किया जाएगा.

विकास व पर्यावरण संरक्षण में संतुलन आवश्यक

लिपिक कर्मी काला बिल्ला लगा कर काम पर पहुंचे.

लातेहार। उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह ने कहा कि विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है. उन्होने कहा कि हमारा उदेश्य सामाजिक व आर्थिक विकास और पयार्वरणीय लक्ष्यों को समान रूप से प्राथमिकता देना है. डीसीसी सोमवार को समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त के निर्दश पर टास्क फोर्स-सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन (झारखंड सरकार), सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) एवं यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे. लातेहार दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है.

सरईडीह शिव मंदिर से निकाली गई जल यात्रा

बरवाडीह (लातेहार)। सावन के चौथे सोमवारी के मौके पर प्रखंड के धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विख्यात सरइडीह शिव मंदिर से जल यात्रा निकाली गई. इसमें सैकड़ो की संख्या मे श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह व जिप सदस्य संतोषी शेखर ने भाग लिया. इससे पूर्व विधायक रामचंद्र सिंह और जिला परिषद की सदस्य संतोषी शेखर ने मंदिर परिसर में पूजा अर्चना की. मौके पर मंदिर के नव गठित कमिटी के अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता समेत अन्य पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया. मौजूद लोगो को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सरइडीह मंदिर को हम सभी मिलकर आगे लेकर जायेगे और आने वाले दिन मे यह मंदिर पर्यटन स्थल के रूप मे भी जाना जाएगा.

चंदवा में स्वतंत्रता दिवस मनाने को लेकर बैठक

चंदवा (लातेहार)। स्वतंत्रता दिवस मनाने को लेकर सोमवार को प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी. स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए उपस्थित गणमान्य लोगों से विचार विमर्श किया. सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों पर पूर्व निर्धारित समय पर ही झंडोतोलन करने का निर्णय लिया गया. उच्च विद्यालय के स्टेडियम में विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा. बैठक में अचंलाधिकारी जयशंकर पाठक,डॉ तरूण, जोश लकड़ा, उप प्रमुख अश्विनी मिश्र, पूर्व प्रमुख नवाहीर लकड़ा, बीस सूत्री उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, कांग्रेसी नेता रामयश पाठक, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष असगर खान व रितेश समेत कई लोग मौजूद थे.

पांकी में विकास की गति होगी और तेज: डॉ मेहता

मेदिनीनगर। पांकी विधायक डा. कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने सोमवार को नीलाम्बर पीताम्बरपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मौर्या फार्म हाउस से 68 योजनाओं का किया आनलाइन शिलान्यास किया. विधायक डा. मेहता ने सभी योजनाओं का शिलान्यास शिलापट्ट अनावरण, विधिवत पूजा अर्चना व नारियल फोड़कर किया. मौके पर विधायक डा. मेहता ने कहा कि सभी 68 योजनाओं की लागत 3.5 करोड़ है और सभी निर्धारित समय पर पूरी होगी. डॉ. मेहता ने कहा कि बहुत जल्द चुनाव की घोषणा होनेवाली हैं.

दूसरी बार नगर अध्यक्ष बनने पर किया सम्मानित

विश्रामपुर (पलामू)। भाजपा नेता बबन राम को लगातार दूसरी बार पार्टी का विश्रामपुर नगर अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं ने खुशी ब्यक्त की है.इसके अलावा कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें सम्मानित किया.वरीय भाजपा नेता शिवबंश मिश्रा ने सोमवार को नवनियुक्त नगर अध्यक्ष बबन राम को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया.श्री मिश्रा ने कहा कि बबन राम के कार्यकाल में संगठन और मजबूत हुआ है.बबन राम ने कहा कि यह सम्मान उन्हें और बेहतर करने की प्रेरणा देगा.मौके पर रामानंद तिवारी,संतोष राम सहित कई लोग मौजूद थे.

समीक्षा झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से संबंधित हुई बैठक

15 अगस्त तक लक्ष्य पूरा करने का निर्देश : डीसी

संवाददाता । चतरा

बैठक में शामिल डीसी व जिले के बीडीओ और सीओ.

समाहरणालय सभा कक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की गई. जिसमें पंचायतों से प्राप्त आवेदनों की बिन्दुवार समीक्षा की गई. उपायुक्त ने कहा शिविर के माध्यम से जो भी ऑफलाईन आवेदन प्राप्त हुए है उसके दस्तावेज संरक्षित रखने को कहा गया. जिससे आवेदिकाओं का ऑनलाईन के समय किसी भी प्रकार की समस्या न हो. उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा 15 अगस्त 2024 तक प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप आवेदिकाओं का आवेदन स्वीकृत करना सुनिश्चित करेंगे. साथ ही कहा पंचायत स्तर पर आयोजित शिविर का भी अपने स्तर से मॉनिटरिंग करेंगे. वहीं कम फार्म कलेक्ट करने वाले प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यशैली में सुधार लाते हुए लक्ष्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया. आगे कहा पंचायत जनसंख्या के हिसाब से पात्रता रखनेवाली 21 से 50 वर्ष की शत प्रतिशत बहनों को इस योजना का लाभ मिले यह सुनिश्चित करें. साथ ही आवेदन के प्रक्रियाओं में आनेवाली समस्या के बारें में एक एक कर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी से जानकारी ली गई एवं कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए.

उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त पवन कुमार मण्डल, अनुमण्डल पदाधिकारी चतरा सुरेन्द्र उरांव, अनुमण्डल पदाधिकारी सिमरिया सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सन्नी राज, जिला परिवहन पदाधिकारी इंद्र कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे.

चौथे सोमवार को श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

संवाददाता । लातेहार

श्रावण माह की चौथी सोमवारी को शहरी समेत ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न शिवालयों में भक्तों का तांता लगा रहा.अहले सुबह से ही विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया एवं अपने व परिवार के सुख शांति की कामना की. शहर के बाजारटांड़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर में प्रातः से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी थी. यहां प्रातः चार बजे से ही पूजा अर्चना प्रारंभ हो गयी थी. पुजारी मनोज दास शर्मा के सानिध्य में पूजा अर्चना संपन्न करायी गयी. सोमेश्वर शिव मंदिर डुरूआ, सोमेश्वर शिव मंदिर लघु सिंचाई विभाग, जुबली चौक, बिजली आफिस व मंडल कारा स्थित शिव मंदिरों मे काफी संख्या में श्रद्धालुओं

ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया. मनिकाः सोमवारी को कई श्रद्धालुओं ने औरंगा नदी एवं दुमुहान स्थित नदी से कांवरों में जल भर कर दुमुहान एवं मानिकडीह स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया. इसमें महिलाओं की संख्या खासी थी. महिलाओं ने पूरे रास्ते में बोल बम के जयघोष किये. उधर, महुआडांड़ प्रतिनिधि के अनुसार प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न शिव मंदिर एवं टांगीनाथ मंदिर में सुबह से भक्तों की लंबी कतार लगी थी.

बरवाडीहः पहाड़ी शिव मंदिर में श्रद्धालुओं का लगा तांता

बरवाडीह। सावन के चौथे सोमवार को पहाड़ी शिव मंदिर एवं बरवाडीह बाजार स्थित पंचमुखी शिव मंदिर में लोगों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया. सुबह आरती के बाद दर्शन शुरू हुए. सात बजे तक शिव भक्तों की कतार मंदिर प्रांगण के बाहर पहुंच गई. छिपादोहर शिव मंदिर, लाभर शिव मंदिर में भी बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक के लिए भक्तों का तांता लगा रहा.

ब्रीफ खबरें

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स की मासिक बैठक संपन्न

गुमला। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स की मासिक बैठक चेंबर के अध्यक्ष दामोदर कसेरा की अध्यक्षता में चेंबर कार्यालय में संपन्न हुई. बैठक में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई .. बैठक में निर्णय लिया गया की ध्वजारोहण प्रातः 8:40 में बस स्टैंड में होटल सिद्धि विनायक स्थित चैंबर कार्यालय में संपन्न होगा. गुमला चेंबर के द्वारा पौधरोपण करने का निर्णय लिया गया. पौधरोपण के लिए चार जगह चिन्हित किए गए हैं, बैठक में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष विनोद केसरी, मोहम्मद सब्बू, हिमांशु केसरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह, अभिजीत जायसवाल रॉकी, बबलू वर्मा आदि शामिल थे.

मंत्रोच्चार के साथ हुआ ट्रांसफॉर्मर का उदघाटन

सिमडेगा। केरसई प्रखंड के केरसई में पिछले 10 दिनों से ट्रांसफार्मर खराब था. उपभोक्तओं के के सूचना देने पर भाजपा नेता श्रद्धानन्द बेसरा के प्रयास से केरसई में आज 200केवीए ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा दिया गया. ट्रांसफार्मर चार्जिंग के बाद प.अजय कु झा द्वारा मंत्रोच्चार कर पूजा कर के भाजपा नेता श्रद्धानन्द बेसरा द्वारा नारियल फोड़ कर ट्रांसफार्मर का उदघाटन किया गया,मौके पर विधायक प्रतिनिधि शशि प्रसाद, रवि गुप्ता ,दीपनारायण दास, गौतम कुमार, जयंत कुमार, सुरेश प्रसाद, कृष्ण प्रसाद आदि मौजूद थे.

शहीद स्मारक स्थल की साफ- सफाई हुई

कैरो/लोहरदगा। कैरो प्रखंड में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत प्रखंड मुख्यालय स्थित स्वतंत्रता सेनानी स्व ननका साव के प्रतिमा की साफ-सफाई कर माल्यार्पण किया गया. भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र महतो एवं जिला मंत्री कैलाश महतो की संयुक्त उपस्थिति आयोजित कार्ययक्रम में कार्यकर्ताओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया. एड़ादोन स्थित कारगिल शहीद विश्राम टाना भगत के समाधि स्थल को भी साफ-सफाई कर वीर शहीद को नमन किया गया. अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की सरकार जब से केंद्र में आई है. शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को सर्वोच्च स्थान देने का काम किया है.

गुमला में भक्तों में खीर भोग वितरित

गुमला। लायंस क्लब ऑफ गुमला ग्रेटर के तत्वावधान में श्री बुढ़वा महादेव मंदिर में चतुर्थ सोमवारी पर खीर का भोग बाबा पर लगाकर मं श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया गया. मौके पर लायंस क्लब ऑफ गुमला ग्रेटर के अध्यक्ष राजेश लोहानी ने कहा की क्लब का उदेश्य ही मानव सेवा कर दूसरों को सुख की अनुभूति करवाना है. मंदिर में खीर प्रसाद का वितरण किया गया. लगभग 2000 श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया. मौके पर अध्यक्ष राजेश लोहानी, सहित अमित महेश्वरी, दीपक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल,महेश प्रसाद, शिवम् जायसवाल साहित अन्य कई लायन मेंबर्स उपस्थित थे.

राज्य सरकारों ने ओबीसी को सिर्फ छला है: प्रसाद

विश्रामपुर (पलामू)। ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद उर्फ बी.डी. प्रसाद के नेतृत्व में विश्रामपुर विस क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है.जनसंवाद के माध्यम से पिछड़े समाज के लोगों को राजनीतिक,शैक्षणिक,सामाजिक व आरक्षण जैसे विभिन्न मुद्दों पर एकजुट और जागरूक किया जा रहा है.सरकारी और गैरसरकारी सेक्टरों में जनसंख्या के आधार पर भागीदारी सुनिश्चित करने का मांग भी उठाया जा रहा है.

कांग्रेस में शामिल होने के बाद दिलीप टोप्पो पहुंचे लोहरदगा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया गर्मजोशी से स्वागत

भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चल कर करेंगे काम : दिलीप टोप्पो

संवाददाता । लोहरदगा

कांग्रेस नेता दिलीप टोप्पो का स्वागत करते कार्यकर्ता.

जिले के पूर्व उपायुक्त दिलीप कुमार टोप्पो कांग्रेस पार्टी का दामन थामने के बाद पहली मरतबा सोमवार को लोहरदगा पहुंचे. यहां पर शंख नदी के समीप कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ फूलमाला पहनाकर स्वागत किया. तत्पश्चात कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो ने शंख नदी के समीप पर स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. यहां से अपने काफिला को आगे बढ़ाते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के यहां पहुंचे. लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की मजबूती हेतु बैठक कर रणनीति तैयार किया. मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो ने कहा कि सर्वांगीण विकास करना हमारा मूल उद्देश्य है. उन्होंने कहा कि लोहरदगा जिला की जनता का शुरू से ही आशीर्वाद प्राप्त है इसे भविष्य में भी बरकरार रखने का प्रयास रहेगा. कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो ने कहा कि राज्य में गठबंधन सरकार विकास की राह को धार दिया है, इससे भाजपाइयों की रातों की नींद उड़ गई है. यही वजह है कि अनाप-की जनता को दिग्भ्रमित करने का नापाक कोशिश किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी हत्थगंडे को झारखंड प्रदेश की जनता समझ चुकी है निश्चित रूप से आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सफाया झारखंड में होना तय है. मौके पर शमशेर आलम, बीरेंद्र उरांव, ताजुद्दीन अंसारी, चंदन कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे.

नुकसान का दिलाया जाएगा उचित मुआवजा : पूर्व उपायुक्त

संवाददाता । कुडू/लोहरदगा

जिले के कुड़ प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात जारी है. यहां पर जगह-जगह पर हाथियों के झुंड ने गरीबों के आशियाने और फसलों को काफी नुकसान पहुंचा रही है. वन विभाग के अथक प्रयासों के बाद भी हाथियों के झुंड क्षेत्र से अपने संरक्षित स्थान को जाने में अभी तक टस से मस नहीं किया है, जिससे लोगों में दिन ब दिन बेचैनी बढ़ता ही जा रहा है. बता दें कि लोहरदगा जिला अंतर्गत कुड़ प्रखंड क्षेत्र के ग्राम टीको तीतर टोली में गजराजों का बीते रात्रि आगमन होने से लोगों में खौफ पैदा हो गया. यहां पर हाथियों के इस झुंड ने गरीब लीपि उरांव के घर को तोड़ दिया और कई बोरा चावल को निकाल कर खा गया. इधर इसकी सूचना मिलते ही लोहरदगा के पूर्व उपायुक्त कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो एवं आदिवासी छात्र संघ के लोहरदगा जिलाध्यक्ष अवधेश उरांव के द्वारा संयुक्त रूप से पीड़ित परिवार के यहां पहुंचे और विस्तृत जानकारी लेकर पीड़ित परिवार को यथाशीघ्र मदद करने की बात कही. इस बीच कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो ने तत्काल वन विभाग के अधिकारियों से बात कर भुक्तभोगी परिवार वाले को हाथियों द्वारा किए गए नुकसान पर मुआवजा दिए जाने की बात रखी. इसपर वन विभाग के अधिकारियों ने कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो को सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिया. साथ ही उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि हाथियों के झुंड जिस क्षेत्र में प्रवेश करते हैं उन इलाकों को चिह्नित कर सुरक्षा का इंतजाम किया जाय. ताकि लोग पहले से सतर्क हो सकें. वहीं आदिवासी छात्र संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश उरांव ने भी पीड़ित परिवार एवं ग्रामीणों की सुरक्षा हेतु वन विभाग से हाथी भगाव दल की मांग की है.इस दौरान आदिवासी छात्र संघ कुडू के प्रखंड अध्यक्ष अमित उरांव, विनोद भगत, आनंद यादव, मदन यादव आदि मौजूद रहे.

खास बातें

- हाथियों के झुंड ने फिर से कुडू में उत्पात मचाया
- दिलीप टोप्पो और एसीएस जिलाध्यक्ष ने लिया जायजा

मंत्री ने गांवों में जनसंवाद कर सुनी ग्रामीणों की समस्या, किया निदान

साढ़े चार वर्षों में विकास कार्यों का गढ़वा ने रिकार्ड बनाया : मिथिलेश

संवाददाता । गढ़वा

ग्रामीणों को संबोधित करते मंत्री मिथिलेश ठाकुर .

गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सोमवार को गढ़वा प्रखंड को विभिन्न गांवों में जनसंवाद आयोजित कर ग्रामीणों की समस्या सुनी. मंत्री ने मौके पर ही कई समस्याओं का निदान किया. जबकि शेष समस्याओं का निदान यथा शीघ्र करने की बात कही.

इस दौरान मंत्री गढ़वा प्रखंड अंतर्गत पिपरा पंचायत के बरवा टोला में शब्बीर आलम खां व हाजी रऊफ के घर के समीप, ग्राम पिपरा में मदरसा के समीप, बना मोड़ के समीप, लापो में बुधन खां के घर के समीप, ग्राम बाएं में शिव मंदिर के समीप, गांगी खुर्द बर पेड़ के समीप, गांगी कला में देवी धाम के समीप, गरनाहा में कविता देवी के घर के समीप आयोजित जन संवाद में ग्रामीणों से मिले.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि झारखंड राज्य बनने के बाद से पहली बार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में पूरे राज्य में चौतरफा गढ़वा ने विकास का कीर्तिमान स्थापित किया है. उसके बाद से लगातार दिन-रात एक करके मैं गढ़वा के विकास में लगा हुआ हूं. तब आज गढ़वा के कोने-कोने में विकास की किरण दिखाई पड़ रही है. मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा चौबे, हुसैन अली, संजय कांस्यकार, सलीम जाफर, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय, अंसार खां, राजेंद्र पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

खास बातें

- मंत्री ने मौके पर ही कई समस्याओं का निदान किया
- शेष समस्याओं का निदान यथाशीघ्र कराया जाएगा

से अब तक गढ़वा के इतिहास में जो विकास कार्य नहीं हो सका था वह अब हो रहा है.

काफी विषम परिस्थितियों के

20 करोड़ रुपये की लागत से होगा तीन सड़कों का निर्माण

गढ़वा। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के तीन प्रखंडों में लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से तीन सड़कों का निर्माण किया जाएगा. ग्रामीण कार्य विभाग झारखंड सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है. मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जिले के मेराल , रंका एवं रमकंडा प्रखंड में साढ़े सोलह किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा. जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि मेराल प्रखंड में पीडब्ल्यूडी पथ अरंगी से उत्क्रमित मध्य विद्यालय अरंगी, उच्च विद्यालय एवं पंचायत भवन होते हुए अरंगी सीमा तक छः करोड़ 84 लाख 60 हजार 800 रुपए की लागत से 6.3 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा. रमकंडा प्रखंड में चोरवा सेमर से उदयपुर पंचायत भवन तक आठ करोड़ 40 लाख 51 हजार 900 रुपए की लागत से 6.3 किमी तथा रंका प्रखंड में चुटिया बलीगढ़ पीएमजीएसवाई रोड से पंचायत भवन तक चार करोड़ 83 लाख 37 हजार 700 रुपए की लागत से 3.8 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा.

सीएम हेमंत सोरेन से मिले झामुमो नेता इसरार अहमद

लोहरदगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 49वें जन्मदिन पर बधाई देने पहुंचे झारखंड आंदोलनकारी नेता सह झामुमो के लोहरदगा जिला बुद्धिजीवी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष इसरार अहमद ने सीएम हेमंत सोरेन से शिष्टाचार भेंट कर लोहरदगा जिला के वर्तमान गतिविधियों से अवगत कराया. इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करने के पश्चात झामुमो नेता इसरार अहमद ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन को लोहरदगा जिला में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को व्यापक रूप से धरातल पर उतारने हेतु अपील किया. इसपर सीएम हेमंत सोरेन के द्वारा झामुमो नेता इसरार अहमद को सकारात्मक जवाब दिया गया. उन्होंने बताया कि लोहरदगा जिला में मुख्यमंत्री मंइया सम्मान योजना के तहत शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक लोगों में उत्साह दिखाई दिए जाने की बात बताई गई. उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन की ओर से लोहरदगा जिला में मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना को शत-प्रतिशत लाभ महिलाओं को दिलाए जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सराहनीय कार्य को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के महिलाओं में जबरदस्त उत्साह देखी जा रही है. इस बीच झामुमो नेता इसरार अहमद ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में धरातल पर उतारी गई .

न्यूज अपडेट

पढ़ाई के साथ स्वस्थ्य रहने के लिए खेल भी जरूरी

कुडू/लोहरदगा। आदिवासी छात्र संघ के लोहरदगा जिलाध्यक्ष अवधेश उरांव ने आदिवासी बालक छात्रावास 1, 3 और 2 लोहरदगा में छात्रों के बीच फुटबॉल का वितरण किया. इस बीच छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज खेल से जुड़कर युवा अपना जिंदगी संवार रहे हैं. उन्होंने कहा कि सरकार भी युवाओं को खेल के माध्यम से रोजगार हेतु अनेक योजना ला रही है. अवधेश उरांव ने कहा कि युवाओं को नाशापन से दूर रहकर पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी ध्यान देना चाहिए, जिससे हम स्वास्थ्य भी रह पाएंगे. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु हमेशा कृतसंकल्पित रहेंगे.

उपायुक्त ने की शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा

सिमडेगा। उपायुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में हुई.बैठक में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण एवं मध्याह्न भोजन से संबंधित आने वाली समस्याओं के निराकरण के निदेश दिए गए. उपायुक्त ने सभी छूटे हुए रसोइयों का आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्देश दिए. विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच को सशक्त एवं सुचारू रूप से चलाने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया गया. एसएमएस पोर्टल पर शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने, सभी विद्यालयों में पुस्तक वितरण का ई विद्यावाहिनी पोर्टल पर 100 प्रतिशत अपलोड करने,सी डब्लू एस एन जांच में चिन्हित बच्चों को उपकरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया. विद्यालयों में पौधरोपण की समीक्षा की गई.

कार्यालय अधीक्षक का निधन, शोकसभा आयोजित

लोहरदगा। जिला आपूर्ति कार्यालय के कार्यालय अधीक्षक सुनील कुमार सिन्हा का बीते शनिवार नई दिल्ली में उपचार के क्रम में आकस्मिक निधन हो गया. इसको लेकर आज उपायुक्त कार्यालय परिसर लोहरदगा में शोक स्वरूप उपायुक्त वाघमारे प्रसाद कृष्ण समेत जिला के वरीय पदाधिकारियों व समाहरणालय कर्मियों द्वारा दो मिनट का मौन रखा गया. स्वर्गीय सुनील कुमार सिन्हा वर्ष 1989 में समाहरणालय संवर्ग सहायक के रूप में योगदान देने के बाद से लगातार जिला के सभी महत्वपूर्ण विभागों का काम पूरी तत्परता और लगन के साथ सभालते रहे थे. वर्तमान में वे जिला नजारत, आपूर्ति एवं जिला परिवहन शाखा जैसे महत्वपूर्ण कार्यालयों में पदस्थापित रहे थे. वे कर्त्तव्यनिष्ठ, अनुशासित, मृदुभाषी एवं व्यवहारकुशल कर्मी थे.

विद्यालयों में स्क्रैच कोडिंग कक्षाओं की शुरुआत हुई

गुमला: जिले के चयनित विद्यालयों में आज स्क्रेच कोडिंग कक्षाओं का शुभारंभ सोमवार को किया गया . इस अवसर पर जिले के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गुमला में आज स्क्रेच कोडिंग की कक्षाओं की शुरुआत वार्डन रोहिणी कुमारी प्रसाद एवं अन्य शिक्षिकाओं के द्वारा आईसीटी लैब में फीता काटकर करते हुए विद्यालय की आईसीटी अनुदेशक प्रियंका कुमारी द्वारा चयनित छात्राओं को वीडियो एनिमेशन हेतु कोडिंग की जानकारी दी गई . ज्ञात हो कि जिले के बच्चों को स्क्रेच कोडिंग सिखाने के उद्देश्य से विद्यालयों का चयन कर बच्चों की क्रिएटिविटी के विकास के लिए कार्य किए जा रहे हैं . कक्षा आठ, नौ तथा ग्यारह के छात्र छात्राओं के साथ गत वर्ष भी उपायुक्त ने स्क्रेच कोडिंग की कक्षाएं आयोजित कराई गई थी तथा इस वर्ष भी इसकी शुरुआत कराई जा रही है .

सत्यवती और नेहा को स्टूडेंट ऑफ द ईयर का खिताब

कुडू लोहरदगा। अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन टिको कुरू लोहरदगा के बीएड और डी एल एड सत्र 2022.24 के प्रशिक्षुओं हेतु वार्षिकोत्सव सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अविराम के सचिव इंद्रजीत भारती रहे. जिनका पारंपरिक स्वागत,बुकेऔर बैच प्रदान कर किया गया. मुख्य अतिथि इंद्रजीत भारती ने दीप प्रज्वलन पुष्पचर्न किया गया.सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अविराम शिक्षण संस्था की गरिमा और संस्कृति ने राम आयेंगे पर अंजली समूह,विद्या समूह द्वारा संथाली नृत्य,योग नृत्य अंकिता समूह, नेवी और साथियों ने सवार लूं,लाइक बर्ड एंजॉय पर तन्वी समूह द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई,अवाड्र्स में साठ से ऊपर पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिह्न और पौधे प्रदान किए गए. जिसमें स्टूडेंट ऑफ द ईयर सत्यवती और नेहा रही,बेस्ट डांसर सुसाना और अंजलि को,बेस्ट एंकर का अवार्ड समीकरण को बेस्ट इन एनएसएस का अवार्ड संतोष, करन, जसीमा, सत्यवती को मिला.

अखिलेश्वर धाम सहित शिवालयों में उमड़ी भीड़

अखिलेश्वर धाम में पूजा -अर्चना करने को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़.

संवाददाता । भंडरा/लोहरदगा

पवित्र सावन माह के चौथे सोमवारी को लेकर ऐतिहासिक व प्रसिद्ध अखिलेश्वर धाम, चट्टी स्थित महादानी शिव मंदिर, कसपुर के कारू मठ, बेल डीपा, ओखर डीपा, नकटी महादेव, देशवाली सहित विभिन्न शिवालयों में भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया. इस अवसर पर लोगों ने भगवान भोलेनाथ की आराधना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की. अखिलेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की लंबी कतार ही शिव के साधकों की भारी भीड़ को दर्शा रही थी. श्रद्धालुओं की भीड़ अहले सुबह से ही उमड़ने लगी. मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ से पूरा मंदिर भरा दिखाई दिया. श्रावण मास के चौथे सोमवारी को श्रद्धालुओं की भीड़ स्थानीय शिवालयों में देखी गई. शिवभक्त ओम नमः शिवाय का जाप करते हुए हाथ में जल, बेलपत्र, फूल व दूध लेकर भगवान शिव को अर्पित करने को ले लालायित नजर आए. शिव भक्तों ने कतारबद्ध होकर शिव अराधना करते हुए भगवान शिव का जलाभिषेक किया.

चहुंओर सुबह से ही गेरुआ वस्त्र पहने श्रद्धालु व भक्त बोल बम का नारा है बाबा एक सहारा है, ओम नमः शिवाय, बोलो बम, हर-हर महादेव का नारा लगाते हुए स्थानीय शिवालयों में जाते नजर आए.

एसएस स्पोर्ट्स संघ ने बच्चों को दिया कराटे का प्रशिक्षण

लोहरदगा। एसएस स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन और लोहरदगा जिला कराटे संघ के संयुक्त तत्वावधान में कराटे प्रशिक्षण सह ग्रेडिंग परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 40 छात्राओं ने हिस्सा लिया. प्रशिक्षण शिविर में रेंसी श्रवण साहू ब्लैक बेल्ट छठ वीं डॉन (जापान) तथा सेंसाई सुर्यावती साहू ब्लैक बेल्ट तृतीय डॉन (इंडिया)के देखरेख में संपन्न हुआ. रेंसी साहू ने सभी कराटेकार छात्राओं को किहोन, काता और कुमिते का बारीकी से प्रशिक्षण दिया . जिसमें सेल्फ डिफेंस हेतु चाकू से प्रहार से बचने के लिए विभिन्न तरह के तकनीक बताए तथा क्लिप, क्लरचर ,चूड़ी, लॉकेट, पेन इत्यादि से सेल्फ डिफेंस का तकनीक सीखाया. बेल्ट ग्रेडिंग लिया गया . ऑरेंज से ग्रीन बेल्ट रितु कुमारी, पुष्पा कुमारी, रुना कुमारी ,चांदनी कुमारी ,तन्नू कुमारी तथा यलो से ऑरेंज बेल्ट रुक्तिमा कुजूर, कलावती कुमारी, रूपा कुमारी, संजना कुजूर तथा व्हाइट से येलो बेल्ट प्रियांशी कुमारी, चांदनी कुमारी, अनिका मुंडा, प्रियंका उरांव, निशा रानी, उराव, सरस्वती कुमारी ,दीपिका उराव और अतदीपा कुमारी है.

सत्यानंद भोगता ने नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए

नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र देते मंत्री.

संवाददाता । चतरा

राज्य के कैबिनेट मंत्री सत्यानंद भोगता आज चतरा सदर प्रखंड के ग्राम पकरिया स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक आवासीय विद्यालय में आयोजित "नियुक्ति पत्र वितरण समारोह" में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत दीप जलाकर की गई. मंत्री श्री भोगता ने अपने कर कमलों से नवनियुक्त शिक्षकों/शिक्षकेतर कर्मचारियों के बीच नियुक्ति पत्र वितरित किया. इसके बाद मंत्री श्री भोगता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सबसे पहले सभी नवनियुक्त शिक्षकों को बधाई दी और कहा कि शिक्षक हमारे समाज और राष्ट्र के बेहतर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. समाज में इनका अलग ही सम्मान होता है. वे हम सभी को जीवन में महान कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं. देश के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों का योगदान सबसे अधिक होता है. उक्त कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा,रश्मि प्रकाश, मंत्री प्रतिनिधि भोला प्रसाद गुप्ता, मंत्री प्रतिनिधि चंद्रिका यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

स्वतंत्रता दिवस चतरा में स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री सत्यानंद भोगता होंगे

डीसी और एसपी ने फाइनल रिहर्सल का लिया जायजा

- चतरा स्टेडियम में मंत्री सुबह 09 :05 बजे फहराएंगे तिरंगा

संवाददाता । चतरा

फाइनल रिहर्सल में शामिल उपायुक्त और आरक्षी अधीक्षक.

उपायुक्त रमेश घोलप ने मुख्य आयोजन स्थल जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में स्वतंत्रता दिवस के फुल ड्रेस रिहर्सल जायजा लिया. रिहर्सल कार्यक्रम में सबसे पहले उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक चतरा के आगमन पर परेड की सलामी दी गयी. परेड निरीक्षण के बाद परेड में शामिल प्लाटून क्रमशः सीआरपीएफ, आईआरबी, दो प्लाटून जिला पुलिस बल पुरुष, जिला पुलिस बल महिला एवं होम गार्ड द्वारा समीक्षा परेड का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने झंडोत्तोलन किया और झंडे को सलामी दी. उपायुक्त ने फुल ड्रेस रिहर्सल कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों, परेड में शामिल प्लाटून, बैंड पार्टी, स्कूली बच्चों एवं अन्य को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम बधाई दी. उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील की। मालूम हो कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंत्री, उद्योग, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार सत्यानंद भोक्ता मुख्य कार्यक्रम स्थल जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम चतरा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे. ध्वजारोहण का कार्यक्रम मुख्यतः इस प्रकार है। डीसी गोपनीय शाखा में 07:30 बजे, समाहरणालय में 08:00 बजे, शहीद स्मारक (फांसी तालाब) में 08:15 बजे प्रतिमा पर माल्यार्पण, 08:25 बजे बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण, 08:25 बजे रेड क्रॉस में ध्वजारोहण 08:30 बजे. मुख्य कार्यक्रम स्थल जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 08:50 बजे पुलिस अधीक्षक का आगमन एवं परेड की सलामी, 08:55 बजे उपायुक्त का अगमन एंव परेड की सलामी। मुख्य अतिथि मंत्री, उद्योग, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार 08:57 बजे आगमन, 08:58 बजे गार्ड ऑफ ऑनर, 08:59 बजे परेड निरीक्षण, 09:05 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। मुख्य अतिथि का संबोधन 09:07 बजे, परेड विसर्जन 09:30 बजे होगी। मौके पर उप विकास आयुक्त पवन कुमार मंडल, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिषेक बड़ाईक, जिला योजना पदाधिकारी मन्नू कुमार, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित समेत अन्य उपस्थित थे.

शिक्षक कार्यों का ससमय निष्पादन करना सुनिश्चित करें : चंद्रमौलेश्वर

संवाददाता । लोहरदगा

शिक्षकों को जिम्मेदारियों के प्रति दिशा-निर्देश देतीं डीएसई .

जिले के सभी शिक्षकों को उन्हें उनकी जिम्मेदारियों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने हेतु डीएसई दास सुनंदा चंद्र मौलेश्वर ने शिक्षकों के समक्ष विचार रखते हुए कहा कि शिक्षकों के बीच कुछ प्रश्न होते हैं उसे गोष्टी में जरूर साझा करना चाहिए. इन्होंने विद्यालय में चल रहे बच्चों से जुड़े गतिविधियों को बच्चों से ही कराने का सुझाव दिया. इंपेक्ट प्रोग्राम के तहत लो कॉस्ट नो कॉस्ट के फार्मूला को अभिभावकों के बीच जानकारी देने की भी बात कही. नवाचार प्रोग्राम करने का सुझाव दिया उक्त बातें मध्य विद्यालय लोहरदगा परिसर स्थित सभा कक्ष में डीएसई दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर ने शिक्षकों की गुरूगोष्ठी में कहा. बीईईओ राम जीवन नायक ने प्रयास, प्रोजेक्ट रेल, ई विद्यावहिनी आदि कार्यों में तेजी लाने की अपील किया. शिक्षक शैलेंद्र कुमार सुमन ने एक शिक्षिकीय विद्यालयों में शिक्षकों की कमी की ओर ध्यान आकृष्ट कराया. मौके पर बीपीओ मंजू देवी, कोऑर्डिनेटर पवन कुमार, सिनी साझा के तरुण कुमार, सीमा शर्मा, पूर्णकाम अनंत शर्मा, समेत सभी विद्यालय के प्रधान शिक्षक उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 15 अगस्त तक पंचायत भवनों में चलेगा शिविर

अब तक 70,500 आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री

संवाददाता। रामगढ़

उपायुक्त के निर्देश पर पूरे जिले में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है.

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ प्रत्येक योग्य लाभुक को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देश पर पूरे जिले में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है. इसी क्रम में सोमवार को जिले में उक्त योजना के तहत लाभुकों को लाभ राशि हस्तानांतरित करने को लेकर परीक्षण किया गया, जो सफल रहा. इस दौरान एक लाभुक के खाते में योजना के तहत 1000 रुपये का पीएमएफएस किया गया. बता दें कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत अब तक जिले में 70,500 आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री की जा चुकी है. वहीं विभिन्न स्तरों पर आवेदनों को तीव्र गति से निष्पादित कर अनुमोदन देने का कार्य किया जा रहा है. 21-50 वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में प्रत्येक माह 1000 रुपये प्रदान करने के उद्देश्य से लाई गई झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेने हेतु योग्य लाभुक अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर अथवा आंगनबाड़ी सेविकाओं व सहायिकाओं के माध्यम से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं. 15 अगस्त तक पंचायत भवनों में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी आवेदन पत्रों की ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित की जा रही है.

ओबीसी मोर्चा की प्रदेश सचिव ने लाभुकों को मंईया सम्मान योजना को लेकर किया जागरूक

कांग्रेस नेत्री ने किया शिविरों का निरीक्षण

संवाददाता। हजारीबाग

मंईयां सम्मान योजना को लेकर महिलाओं को जागरूक करतीं कांग्रेस ओबीसी मोर्चा की प्रदेश सचिव रेणु कुमारी.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ सभी माता बहनों को मिले इसको लेकर कांग्रेस ओबीसी मोर्चा की प्रदेश सचिव रेणु कुमारी ने सोमवार को कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र का सघन दौरा किया और आयोजित विशेष शिविरों में पहुंचकर लाभुकों को योजना के संबंध में जागरूक करते हुए फार्म उपलब्ध कराया.

उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा 21 से 50 आयु वर्ग की बहनों एवं माताओं को, जिन्हें अन्य किसी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलता हो, उन्हें झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना से जोड़ना है. साथ ही पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर खर्च करने के उद्देश्य से प्रति माह एक हजार रुपये सम्मान राशि के रूप में उपलब्ध कराना है. इस दौरान उन्होंने झारखंड सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी लोगों को देते हुए बताया कि झारखंड सरकार लगातार जनहित में कई जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं ताकि अंतिम पायदान तक के व्यक्ति तक इन योजनाओं का लाभ सुलभ रूप से मिल सके. इस मौके पर कटकमसांडी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सरयू यादव, सूरज कुमार कुशवाहा, डांड़ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि इरशाद आलम, पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मी देवी, शाहपुर मुखिया शंभू यादव, ढोठवा मुखिया जयप्रकाश केशरी, मनोज सिंह आदि मौजूद रहे.

ब्रीफ खबरें

गिद्धौर में सर्पदंश से बच्चे की हुई मौत

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत बांय गांव में सर्प दंश से एक मासूम बच्चे की मौत हो गयी. मृतक संतोष रवि दास का पुत्र शिवन कुमार है. परिजनों ने बताया कि घर के समीप पीसीसी पथ के समीप खेल रहा था. तभी अचानक सर्प ने डंस लिया. जिसे इलाज के लिए ले जा रहे थे, कि रास्ते में ही मौत हो गईग्. मौत की खबर सुन गांव में मातम पसर गया. जबकि परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है. वही सूचना पर पुलिस शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया.

पंचायत स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता शुरू

मयूरहंड(चतरा)। शहीदों के याद में सोमवार को मयूरहंड प्रखंड के कदगावांकला पंचायत सचिवालय खेल मैदान में पंचायत स्तरीय प्रतिभा खोज फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया. टूर्नामेंट का शुभारंभ जिप सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, शिक्षक बिनय कुमार सिंह, एलईसी अभिकर्ता श्याम सुंदर सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फुटबॉल कीक मारकर किया. उद्घाटन मैच कदगावांकला पंचायत के शिक्षक बनाम जनप्रतिनिधि के बीच खेला गया. प्रतियोगिता में कदगावांकला पंचायत के विभिन्न गांवों के खिलाड़ियों ने भाग लिया. मैच का आयोजन कदगांवाकला पंचायत के मुखिया अशोक कुमार भुईयां व कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा की गई है. प्रतियोगिता का समापन पंद्रह अगस्त को किया जाना है. उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा.

आस्था : कटकमसांडी प्रखंड के डांड के शिव मंदिर में हुआ कार्यक्रम

भक्तों ने कलश यात्रा निकाल कर किया शिव का रुद्राभिषेक

संवाददाता। कटकमसांडी

कलश यात्रा में शामिल शिव भक्त.

प्रखंड के डांड शिव मंदिर में सोमवार को कलश यात्रा व रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया. कलश यात्रा में डांड व पिचरी गांव की महिला श्रद्धालु सिर पर कलश लेकर डांड की शिवानी नदी से जल भर कर गाजे-बाजे के साथ शिव मंदिर प्रांगण पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया. कलश यात्रा में अनुप्रिया फाउंडेशन के संस्थापक अनुप्रिया हाथ में पूजन थाली लेकर आगे आगे चल रही थी. मौके पर अनुप्रिया ने कहा कि इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान कराए जाने से आत्मिक सुख की अनुभूति होती है और मानव के अंतर्मन में दैविक ऊर्जा का संचरण होता है. कलश यात्रा व रूद्राभिषेक कार्यक्रम को सफल बनाने में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नर्सिंग प्रजापति, पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मी देवी, रितेश पासवान, महेंद्र यादव, राहुल यादव, अरुण यादव, कृष्णा यादव, सुरेश प्रसाद मेहता, संजू यादव, अर्जुन रविदास, लालमणी राणा, बबलू राणा, सीताराम प्रजापति, पप्पू पासवान, माधुरी ठाकुर, सुरेंद्र यादव, राजेंद्र सिंह, रोहित यादव, चंदन यादव, विष्णु साह, वासुदेव पासवान सहित सैकड़ों भक्तगणों की अहम भूमिका रही. रूद्राभिषेक कार्यक्रम के बाद पूजा समिति डांड द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया. मौके पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया.

हिंदू संगठनों के बैनर तले निकली गई कलश यात्रा

सिमरिया (चतरा)। सिमरिया प्रखंड के शीला में सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल एवं धर्म जागरण समन्वय के बैनर तले भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया. इस आयोजन में पिरी, ईचाक एवं चोपे पंचायत की महिला एवं पुरुष शामिल हुए. स्थानीय नदी घाट से अपने-अपने कलशों में जल भरकर कलश यात्री बिरहु चौक पहुंचे. जुलूस में शामिल लोग जय भोलेनाथ, हर हर महादेवजय, श्री राम, वंदे मातरम, भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अजीत गुप्ता, धर्म जागरण के विभाग संयोजक त्रिभुवन प्रसाद, जिला संयोजक सत्येंद्र मिश्रा, सह संयोजक अमित प्रसाद ने कहा कि समय-समय पर संगठन के द्वारा हिंदू समुदाय में जन जागरण लाने हेतु इस तरह के धार्मिक आयोजन किए जाते रहे हैं. इस तरह के कार्यक्रम से समाज में समन्वय स्थापित करना मुख्य उद्देश्य है. कार्यक्रम के सफल आयोजन में बजरंग दल के विशाल हिंदू, बबलू ठाकुर, रिंकू कुमार, सहदेव प्रसाद, टेकलाल राणा, महेंद्र प्रसाद, बजरंग दल के गुरुदेव जी, सूरज कुमार, करण आदि का अहम योगदान रहा.

चौथी सोमवारी पर माता भद्रकाली मंदिर में उमड़ पड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

इटखोरी(चतरा)। जिले के प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थस्थली इटखोरी स्थित माता भद्रकाली मंदिर में श्रावण मास के चौथे सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. 5 बजे सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही. पवीत्र श्रावण मास के चौथे सोमवारी पर श्रद्धालु माता के दरबार में पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया. इसके बाद श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर परिसर स्थित सहस्त्र शिवलिंग 1008 का जलाभिषेक किया. मालूम हो कि माता भद्रकाली मंदिर में झारखंड बिहार बंगाल समेत अन्य राज्यों से पूजा अर्चना करने पहुंचते हैं श्रद्धालु. मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता शाम तक जारी रहा. वहीं श्रावण के चौथे सोमवारी पर इटखोरी सहित मयूरहंड, गिद्धौर, पत्थलगड़ा, सिमरिया, टंडवा, प्रतापपुर व कुंदा आदि प्रखंड़ों के शिवालयों में भी श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया. इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच काफी उत्साह देखा गया.

सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

मातृ व नवजात मृत्यु को शून्य करने की पहल

संवाददाता। रामगढ़

उन्मुखीकरण कार्यशाला में उपस्थित अधिकारी व अन्य.

सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में सोमवार को सिविल सर्जन डॉ महलक्ष्मी प्रसाद एवं डॉ उदयशंकर श्रीवास्तव जेनरल सर्जन, सदर अस्पताल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय 'सुमन' (सुरक्षित मातृत्व आश्वासन) कार्यक्रम से संबंधित एक-दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सक, एएनएम, स्टाफ नर्स सहित 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया. सारे प्रतिभागी वैसे स्वास्थ्य केंद्र से आए हैं जहां प्रसव की व्यवस्था है. प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सारे प्रतिभागियों को प्रसव विधि में दक्ष बनाना है, जिससे एक संवेदनशील स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का निर्माण किया जा सके तथा गरिमापूर्ण और सम्मान के साथ सेवाएं प्रदान कर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से मातृ एवं नवजात शिशु मृत्यु को शून्य किया जा सके या पूर्णरूपेण इसे समाप्त किया जा सके. उक्त प्रशिक्षण में प्रशिक्षक के रूप में डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी कंसल्टेंट मनीषा टोप्पो, एचएम इन चार्ज राजेश कुमार, सदर अस्पताल एवं डीपीएमयू कोऑर्डिनेटर विमल केशरी ने प्रशिक्षण दिया.

जिप सदस्य प्रतिनिधि ने बच्चों के बीच किया फुटबॉल का वितरण

बच्चों के बीच फुटबॉल का वितरण करते जिप सदस्य प्रतिनिधि

संवाददाता। बरकट्ठा

विधानसभा क्षेत्र के इचाक, बरकट्ठा, चलकुशा एवं जयनगर प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांवों में जिला परिषद सदस्य चंद्रकांत पांडेय ने भ्रमण कर बच्चों के बीच फुटबॉल का वितरण किया. मौके पर पूर्व उप मुखिया सुरेश कुमार पांडेय, रिंकू कुमार, सुनील कुमार, कृष्णा राणा, मुकेश यादव, संजय साव, राहुल दास, दीपक यादव, पप्पू पासवान, धीरज पासवान, वकील अंसारी, आनंद कुमार, अशोक ठाकुर, मुकेश सिंह एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

प्रखंडस्तरीय प्रतियोगिता का किया गया शुभारंभ

मयूरहंड(चतरा)। तीन दिवसीय खेलो झारखंड प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को मयूरहंड प्रखंड मुख्यालय स्थित स्वामी विवेका नंद उच्च विद्यालय स्टेडियम में की गई. प्रतियोगिता का शुभारंभ बीडीओ मनीष कुमार, थाना प्रभारी अमीत कुमार, जिप सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, विधायक प्रतिनिधि अनिल कुमार सिंह ने संयुक्त रुप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फुटबॉल को कीक मारकर किया. खेलो झारखंड प्रतियोगिता में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्रों ने भाग लिया. इस प्रतियोगिता में फुटबॉल, लंबी कूद, दौड के अलावा अन्य खेल का आयोजन किया जाएगा. प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले टीम को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल की जाएगी.

शिक्षक की हैवानियत आयी सामने

घर में घुसकर शिष्या से की छेड़छाड़, पुलिस के हवाले

संवाददाता। हजारीबाग

खास बातें

- हजारीबाग जिले की विष्णुगढ़ में हुई शर्मनाक घटना
- घटना के समय पीड़ित लड़की घर में अकेली थी

जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में करगालो के जीवन ज्योति निजी स्कूल के संचालक प्रकाश साव द्वारा स्कूल की पूर्व छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सोमवार को थाना पहुंचा. आरोप है कि आरोपी ने छात्रा के घर में घुसकर छेड़छाड़ की. बताया गया है कि पहले स्कूल संचालक ने उसे कई बार फोन किया, मगर लड़की ने जानबूझकर फोन रिसीव नहीं किया. फिर व्हाट्सएप मैसेज किया. लड़की को उसकी नीयत पर संदेह हो गया और उसने घर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया. आरोपी के लौटने के बाद उसने निश्चिंत होकर दरवाजा खोल दिया. शिक्षक पर हैवानियत का भूत सवार था. इसीलिए वह दुबारा उसके घर पहुंच गया. इससे पहले लड़की ने बगल के अपने चाचा को फोन पर मामले की जानकारी दे दी. आरोपी के दोबारा पहुंचते ही उसे पकड़ने की कोशिश की गई, मगर उसने बचने के लिए एक कुएं में छलांग लगा दी. बाद में पकड़कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया. थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी हो रही थी. घटना के समय लड़की घर में अकेली थी. घर के बाकी लोग देवघर गए थे.

खेलो विधानसभा फुटबॉल टूर्नामेंट समापन, लिटिल बूट एफसी बना बालिका वर्ग का विजेता

जिनगा की टीम ने जीता बालक वर्ग का खिताब

संवाददाता। हजारीबाग

फुटबॉल टूर्नामेंट की विजेता टीमें ट्रॉफी के साथ और आयोजन कमिटी के सदस्य.

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के सौजन्य से आयोजित खेलो विधानसभा हजारीबाग फुटबॉल टूर्नामेंट का सोमवार को कर्जन ग्राउंड में समापन हुआ. टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कटकमसांडी प्रखंड से खुटरा, बन्हा, दारू प्रखंड से जिनगा एवं सदर प्रखंड या नगर से मटवारी पहुंची थी.

पहला सेमीफाइनल मटवारी एफसी बनाम खुटरा के बीच खेला गया, जिसमें मटवारी एफसी की टीम ने 1-0 से विजय प्राप्त कर फाइनल में प्रवेश किया. दूसरे सेमीफाइनल में जिंनगा दारू की टीम ने बन्हा को 1-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया. फाइनल में जिंनगा दारू की टीम 1-0 से जीत दर्ज कर बालक समूह का खिताब जीता. वहीं बालिका समूह के फाइनल में लिटिल बूट एफसी की टीम ने आवासीय विद्यालय एफसी को 1-0 से हराकर जीत परचम लहराया. निर्णायक की भूमिका में वकील कुमार, अशोक कुमार, मुन्ना गुप्ता, शशि शर्मा, विकास कुमार, ललित उरांव, शशि कुमार दास, अनुज भारती, बब्लू कुमार, जीतेंद्र कुमार, बिक्कू कुमार, गौरव कुमार, पवन राम एवं कार्तिक राम का सराहनीय योगदान रहा. बालिका समूह से मैन ऑफ द मैच लिटिल बूट एफसी की दुर्गी सोरेन तथा मैन ऑफ द सीरीज आवासीय विद्यालय एफसी की पूर्निमा कुमार को दिया गया. वहीं बालक समूह में जिनंगा के विकास कुमार तथा मैन ऑफ द सीरीज मटवारी टीम से राजदीप राज को दिया गया. मौके पर कुंवर मनोज सिंह, विजय कुमार, अजय कुमार साहू, सदर मंडल अध्यक्ष रंधीर पांडेय, भाजपा अनुसुचित मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल वाल्मीकि, किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री मनमीत अकेला, प्रोफेसर मनीष कुमार, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रेणुका साहू, जिला उपाध्यक्ष भानुमति, स्पोर्ट्स एशोसिएशन के अध्यक्ष आलोक कुमार, सचिव कौलेश्वर गोप, सुरजीत सिंह, राम बाबू प्रसाद, पवन गुप्ता, अजय पांडे आदि मौजूद रहे.

पुलिस के हत्थे चढ़ा अपहरण का आरोपी, भेजा गया जेल

संवाददाता। गिद्धौर(चतरा)

गिरफ्तार युवक व जानकारी देते थानेदार

पुलिस ने गिद्धौर थाना क्षेत्र से नाबालिग के अपहरण करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया. गिरफ्तार आरोपी सदर थाना क्षेत्र के डहुरी गांव निवासी गोपाल यादव का पुत्र प्रेम यादव उर्फ प्रेम कुमार है. पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी मुंबई से किया है. थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि युवक के विरुद्ध गिद्धौर थाने में नाबालिग के अपहरण करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. जिसके आलोक में पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय के निर्देश पर सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन अभियुक्त प्रेम यादव को मुंबई से गिरफ्तार करने के उपरांत सोमवार को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया गया. वहीं नाबालिग को सकुशल बरामद करते हुए न्यायालय में बयान कराने व स्वास्थ्य जांच के उपरांत जिले के बाल कल्याण समिति के समक्ष सुरक्षीत पुर्नवास हेतम प्रस्तुत किया गया. छापेमारी टीम में पुलिस अवर निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता, सहायक अवर निरीक्षक रंजय कुमार सिंह, तकनीकी शाखा एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

सरोकार | बीजीआर कंपनी के जीएम बोले- हमारा काम सिर्फ कोयले का खनन करना नहीं

334 छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग व नोट बुक का वितरण

संवाददाता। केरेडारी

कार्यक्रम के दौरान बीजीआर कंपनी के अधिकारी व अन्य.

एनटीपीसी की केरेडारी कोयला खनन परियोजना में कोयला खनन का कार्य कर रही बीजीआर मानिइंग एंड इंफ्रा कम्पनी वा रोटरी क्लब हैदराबाद द्वारा सीएसआर मद से परियोजना से विस्थापित तरहेसा गांव स्थित नव सृजत प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत 334 छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग व नोट बुक का वितरण सोमवार को जीएम श्रीनिवास रॉव, वा रोटरी क्लब प्रबंधक बाला कोटि रेड्डी, विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका कपूर देवी, मुखिया सकीबा खातून आदि द्वारा किया गया.

इस अवसर पर छात्र - छात्राओं को संबोधित करते हुए बीजीआर कम्पनी के जीएम निवास राव ने कहा कि हमारा काम सिर्फ कोयले का खनन करना ही नहीं, बल्कि परियोजना से प्रभावित क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना भी है. इसी के तहत आज यह स्कूल बैग व नोट बुक का वितरण किया जा रहा है. आने वाले समय में एक सेमिनार का आयोजन भी किया जायेगा, जिसका सीधा लाभ स्थानीय भू रैयतों को मिलेगा. विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका कपूर देवी ने कहा कि कम्पनी का यह कदम अत्यंत सराहनीय है और कम्पनी से आगे भी सहयोग की अपेक्षा है.

उन्होंने विद्यालय में सुंदरीकरण की समस्या के विषय में भी जीएम को अवगत कराया. जीएम ने जल्द से जल्द इसके समाधान का आश्वासन दिया. मौके पर बीजीआर से त्यागराजन, फैज अहमद, रामशास्त्री, विजय तिवारी, प्रवीण झा, जबकि विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका कपूर देवी, शिक्षकों में अब्दुल्ल जनान अंसारी, मो. मुस्ताक, किलयास अहमद, मो हासिम, कार्तिक कुमार महतो, बालेश्वर कुमार, नवलकिशोर ओझा, खेदू राम आदि मौजूद थे.

खास बातें

- प्रभारी प्रधानाध्यापिका ने कंपनी की पहल को सराहा
- जीएम ने स्कूल का सुंदरीकरण कराने का दिया आश्वासन

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में तुलसी जयंती मनाई गई

तुलसीदास ने समाज को नई दिशा दी : डॉ. गुप्ता

संवाददाता। हजारीबाग

तुलसी जयंती कार्यक्रम के दौरान विचार व्यक्त करते वक्ता.

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सोमवार को डॉ. केके गुप्ता की अध्यक्षता में गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई गई.अध्यक्षीय सम्भाषण में डॉ. गुप्ता ने 'तुलसीदास की रचनाओं की प्रासंगिकता' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि तुलसीदास ने अपने समय के समाज को एक नई दिशा दी. उन्होंने रामराज्य की अवधारणा प्रस्तुत की, जो एक आदर्श शासन प्रणाली का प्रतीक है, जिसमें न्याय, धर्म और नैतिकता सर्वोपरि हैं.

उन्होंने जातिवाद, अंधविश्वास और समाज में फैली अन्य कुरीतियों का कड़ा विरोध किया. समारोह में वरीय प्राध्यापक डॉ. केदार सिंह ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास अद्वितीय कवित्व प्रवीणता के परिचायक हैं. वहीं डॉ सुबोध सिंह ने कहा कि वे जनभाषा के रचनाकार हैं. शिक्षक राजू राम ने तुलसीदास को जनचेतना का कवि कहते हुए कहा कि उनके विचार और शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी उनके समय में थीं. शोधार्थियों के साथ-साथ विभाग के छात्र-छात्राओं भी अपने-अपने विचार प्रकट किए. उत्साहपूर्वक और श्रद्धा पूर्वक तुलसीदास जयंती को मनाया गया. मंच का संचालन शोधार्थी अनुपम कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी श्वेता कुमारी ने किया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष सुख का स्वामी चंद्रमा नीच का है. विवाद से बचें. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. दुष्टजनों से बचकर रहें. दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. लाल फूल माता दुर्गा को अर्पण करें.

वृष बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ रहेगा. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है. प्रसन्नता रहेगी. इतर का दान करें.

मिथुन मौसमी बीमारियों से बचें. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. वाणी पर नियंत्रण रखें. चिंता तथा तनाव बने रहेंगे. नौकरी में कार्यभार रहेगा. आपके कार्य के प्रभाव से व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क शिक्षा में लापरवाही नुकसान देगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नया कार्य करने का मन बनेगा. निवेश शुभ रहेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. अच्छे सच्चे मित्र मिलेंगे.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. चोट व रोग से बाधा की आशंका है. अन्न दान करें.

कन्या कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं. कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी. किसी विवाद में विजय प्राप्त हो सकती है. व्यापार में नए काम मिल सकते हैं. किसी नए कार्य का चिंता रहेगी. दुष्टजनों से बचकर रहें.

तुला मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी रखें. शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. चिंता रहेगी.

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी. विवाद का हल हो सकता है. जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु समय शुभ है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी. किसी से विवाद की आशंका है. मानहानि हो सकती है, सावधान रहें.

मकर दिन खुशनुमा होगा. किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा.

कुंभ किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है. भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. लापरवाही न करें. किसी दुःखद समाचार मिलने की आशंका है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

मीन चंद्रमा मानसिक शांति देगा. धर्म में मन लगेगा. शारीरिक कष्ट की आशंका है. प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी. कारोबार अच्छा चलेगा. अपने इष्ट देवता का पूजन करें.

आजादी का उत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन

कार्यक्रम का उदघाटन करते अतिथिगण.

रांची। रांची के होटवार स्थित राज्य संग्रहालय के सभागार में आजादी का उत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया. इसका उद्घाटन नगर के वरीय रंगकर्मियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित करके किया. इस त्रि-दिवसीय राज्य स्तरीय नाटक, लोक गीत तथा नृत्य प्रतियोगिता में राज्य भर के दो दर्जन से अधिक कला दल भाग ले रहे हैं. अभी तक मेदिनीनगर, हजारीबाग, गिरिडीह, रांची जिलों के कुल नौ दलों की प्रस्तुति हो चुकी है.

मिरचईया फॉल के पास ट्रक ख़राब आवागमन बाधित, लोग परेशान

ट्रक को सड़क से हटाने में जुटे पुलिसकर्मी.

गारू(लातेहार)। महुआड़ाड़-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर गारू थाना क्षेत्र के मिर्चईया जंगल में सोमवार की सुबह दस बजे से ही एक भारी ट्रक (बीआर- 45जी :7683) सड़क के बीच में खड़ी है. रास्ते में फसें यात्रियों नें बताया कि चालक वाहन खड़ा कर फरार हो गया है. बताते चलें कि पीटीआर के तहत वन क्षेत्र में सिंगल सड़क ही बनाया गया है. इस कारण वाहनों के खराब होने की स्थिति में आवागमन बाधित हो जाता है. प्रत्यक्षदर्शीयों नें बताया कि चढ़ाई चढ़ते समय ट्रक खराब हो गया. काफी प्रयास के बाद जब वह नहीं स्टार्ट हुआ तो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया. घंटे दो घंटे बाद दोनों तरफ वाहनों का कतार लग गया,

सिसई व बिशुनपुर सीट पर दावेदारी को लेकर कांग्रेस- झामुमो आमने-सामने

- दोनों दलों के नेता-कार्यकर्ताओं के बीच राजनीतिक वाकयुद्ध

संवाददाता। सिसई

कांग्रेसियों द्वारा सिसई और बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र को कांग्रेसी उम्मीदवार के लिए सीट मांगे जाने के बाद अब कांग्रेसी और झामुमो के कार्यकर्ताओं के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया है. इस संबंध में झामुमो के सिसई प्रखंड कमेटी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेसियों द्वारा लोकसभा चुनाव में झामुमो के द्वारा गठबंधन धर्म के पालन नहीं करने के आरोप को बेबुनियाद व बेतुका है. इस पर कांग्रेस जिला कमेटी सहित कांग्रेसी नेताओं का झामुमो कार्यकर्ताओं ने पुरजोर विरोध किया. झामुमो प्रखंड कमिटी व कार्यकर्ताओं ने कहा कि पुर्व कांग्रेस विधायक बैरागी उरांव, रमेश कुमार चीनी द्वारा झामुमो कार्यकर्ताओं पर लोकसभा चुनाव में गठबंधन धर्म का पालन नही करने और कांग्रेस के अपने बलबूते लोहरदगा संसदीय सीट जीतने का दावा मिथ्या और गठबंधन विरोधी है. जिन लोगों द्वारा ऐसा आरोप लगाया जा रहा है, वो सभी स्वयं लोकसभा चुनाव में कभी कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार प्रसार करने नहीं निकले, ये जग जाहिर है.

वहीं दूसरी ओर सिसई के लोकप्रिय झामुमो विधायक जिग्गा सुसारन होरो पूरे विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक बूथ स्तर पर झामुमो के दस-दस कार्यकर्ताओं की टीम बनाकर दिन रात एक कर गठबंधन प्रत्याशी सुखदेव भगत को जिताने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया. गठबंधन में जिस भी दल को प्रत्याशी के रूप में टिकट मिलगा, झामुमो उसका समर्थन करेगा. वहीं झामुमो ने हमेशा गठबंधन हित काम किया है. लोकसभा चुनाव में विशुनपुर के झामुमो विधायक चमरा लिंडा के निर्दलीय प्रत्याशी लड़ने का निर्णय पर झामुमो ने उन्हें पार्टी से निष्कासित करते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान के लिए पुरी ताकत झोंक दी और गठबंधन प्रत्याशी को भारी मतों से विजय दिलाया है. जबकि चुनाव के दौरान क्षेत्र में कांग्रेस के कई स्थानीय व जिला स्तर के नेता- कार्यकर्ता प्रचार प्रसार में नही नजर आएं. लोकसभा चुनाव में गठबंधन सांसद प्रत्याशी सुखदेव भगत चुनाव के दौरान स्वयं देख चुके हैं कि झामुमो के एक एक कार्यकर्ता उनकी जीत के लिए कितनी जी-तोड़ मेहनत की है.

जिस तरह से लगातार झामुमो गठबंधन धर्म का पालन कर रहा है, कांग्रेस भी गठबंधन धर्म का पालन करे. लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभी दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्र में प्रत्याशी मांगने का अधिकार है, किंतु गठबंधन में साथ रहकर दूसरे दल के लोकप्रिय व वर्तमान विधायक व झामुमो कार्यकर्ताओं पर बेतुका बयानबाजी करना अनुचित है. झामुमो विधायक की कार्यशैली व बढ़ती लोकप्रियता से हताश-निराश होकर कुछ एक कांग्रेसी नेताओं द्वारा इस तरह का बयान दिया जा रहा है. कांग्रेस पार्टी से हमारी मांग है की ऐसे नेताओं के बयान का खंडन करे और गठबंधन नियम का पालन नही करने पर इनके ऊपर कार्रवाई करें. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जिला उपाध्यक्ष शशिकांत साहु, प्रखंड अध्यक्ष रवि उरांव, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश उरांव, सचिव छक्कन लाल राय, महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष विजय लक्ष्मी कुमारी, दलित मोर्चा अध्यक्ष सुजीत बैठा, जाकीर अंसारी, निरंजन लकड़ा, गौरीनाथ भगत, वासुदेव उरांव, दुर्गेश्वर तिर्की, रमेश उरांव, धनीराम उरांव, कृष्णा उरांव, राजेश उरांव, सुकरु भगत, धनीराम बड़ाईक सहित कई झामुमो कार्यकर्त्ता व पदाधिकारी मौजूद थे.

सेबी जैसी स्वतंत्र संस्था को उपयोग अपने व्यापारिक मित्र-घराने को बचाने के लिए किया गया

मोदी एंड कंपनी के घोटाले की गाड़ी की रफ्तार थम नहीं रही : कांग्रेस

विशेष संवाददाता। रांची

सोनल शांति उर्फ

मोदी जी एंड कंपनी के घोटाले की रेलगाड़ी की रफ्तार नहीं थम रही है. घोटाले की लंबी श्रृंखला खड़ी करने वाली मोदी सरकार लगातार स्वतंत्र संस्थाओं का उपयोग अपने मित्र व्यापारिक घराने को बचाने में कर रही है. उक्त बयान जारी कर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि हिडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार जिस तरह से भी सेबी जैसी संस्था की साख दांव पर लग गई है. उससे देश के निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता. आखिर ऐसी कौन सी स्थिति है कि अडाणी ग्रुप के खिलाफ सेबी की चल रही जांच अभी पूरी नहीं हुई है और उनके नए-नए कारनामे सामने आ रहे हैं. सेबी प्रमुख का इस मामले में सीधा नाम आना देश के लोगों के बीच संशय को जन्म दे रहा है. प्रधानमंत्री की चुप्पी और भाजपा नेताओं द्वारा सेबी प्रमुख का बचाव भाजपा को भी संदेहास्पद वित्तीय अनियमिताओं के घेरे में ला रहा है, जिसकी जांच संयुक्त संसदीय समिति से करानी चाहिए.

अडानी महाघोटाले की जांच कराने से क्यों डर रही है सरकार : उन्होंने कहा कि अडानी महा घोटाले की जांच आखिर क्यों नहीं कराई जा रही है. केंद्र की मोदी सरकार आखिर क्यों इतनी बेबस है की जांच कराने से डर रही है. देश के आम निवेशकों की बजाय देश के चंद उद्योगपतियों को बचाने का प्रपंच आखिर किसके इशारे पर रचा जा रहा है, अगर इसकी जांच होती है तो देश की सत्ता पर काबिज कई सफेदपोश भाजपा नेताओं के चेहरे सामने आएंगे.

किसी और के सिर फोड़ा जा रहा है ठीकरा : देश के करोड़ों ईमानदार निवेशकों के नुकसान का जिम्मेदार कौन होगा प्रधानमंत्री मोदी, सेबी प्रमुख या किसी और के सिर पर इसका ठीकरा फोड़ा जाएगा, जनता यह जानना चाहती है. निर्लजता की हद तो यह है कि इतने बड़े मामले के सामने आने के बाद भी सेबी प्रमुख का इस्तीफा न दिया जाना यह दर्शाता है कि सैया भये कोतवाल तो अब डर काहे का. यह आशंका है कि पिछले 10 साल में केंद्र के उच्च पदों पर नियुक्ति रेगुलेटर सहित संवैधानिक संस्थाओं में दखलअंदाजी में अडाणी कंपनी का हाथ हो सकता है शायद इसलिए अडाणी महा घोटाले की जांच जेपीसी से नहीं कराई जा रही है.

हिंडनबर्ग के आरोपों की जांच के लिए जेपीसी गठित करे मोदी सरकार : डॉ. अजय कुमार

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

डॉ. अजय कुमार

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच पर लगाए गए आरोपों के मद्देनजर पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने कहा है कि अडाणी समूह द्वारा किए गए कथित घोटाले की संपूर्ण जांच के लिए मोदी सरकार को अविलंब एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करनी चाहिए. जिसकी मांग राहुल गांधी ने 17वीं लोकसभा में उठाई थी. लेकिन भ्रष्टाचारियों और घोटालेबाजों का पोषण करने वाली मोदी सरकार ने राहुल गांधी की आवाज को संसद में दबाने का काम किया था. यहां तक की राहुल गांधी की संसद की सदस्यता को भी समाप्त करने का कुत्सित प्रयास किया गया था. लेकिन देश की शीर्ष अदालत से राहुल गांधी को न्याय मिला. यह देश की सबसे भ्रष्ट और बेशर्म सरकार है.

उल्लेखनीय है कि लगभग 18 महीने बाद एक बार फिर हिंडनबर्ग नामक जिन्न ने अपने रिपोर्टस् में आरोप लगाया है कि सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच और उनके पति के पास कथित अडानी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी. शॉर्ट-सेलर ने (मामले से पर्दा उठाने वाले) व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा, सेबी की वर्तमान प्रमुख माधवी बुच और उनके पति के पास अडाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए दोनों अस्पष्ट ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी. कथित तौर पर समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी के बड़े भाई विनोद अडाणी अस्पष्ट ऑफशोर बरमूडा और मॉरीशस फंडों को नियंत्रित करते थे. हिंडनबर्ग का आरोप है कि इन फंड का इस्तेमाल धन की हेराफेरी करने और समूह के शेयरों की कीमत बढ़ाने के लिए किया गया था.

पेज एक का शेष

बुच अपनी परामर्श...

उन्होंने दो पन्नों में अपनी बात रखी है. जिसके बाद हिंडेनबर्ग ने उनके पक्ष को टैग करते हुए एक्स पर लिखा है- माधवी बुच ने अपने पक्ष में रिपोर्ट के कई तथ्यों को स्वीकार कर लिए हैं. जिसके बाद कई नए सवाल खड़े हो गए हैं.

स्पष्ट रूप से हितों का टकराव : हिंडनबर्ग ने कहा, सेबी को अडानी मामले से संबंधित निवेश निधियों की जांच करने का काम सौंपा गया था, जिसमें बुच द्वारा व्यक्तिगत रूप से निवेशित निधियां और उसी प्रायोजक द्वारा निवेशित निधियां शामिल हैं जिन्हें हमारी मूल रिपोर्ट में विशेष रूप से उजागर किया गया था. यह स्पष्ट रूप से हितों का एक बड़ा टकराव है. बुच के बयान के अनुसार, दोनों कोषों में निवेश धवल के बचपन के दोस्त अनिल आहूजा की सलाह पर किया गया था. आहूजा की पहचान हिंडनबर्ग ने शनिवार को मॉरीशस स्थित आईपीई प्लस फंड के संस्थापक एवं मुख्य निवेश अधिकारी (सीआईओ) के तौर पर की. वहीं अडानी समूह ने रविवार को अपने बयान में कहा था कि वह (अनिल आहूजा) अडानी पावर (2007-2008) में 3i इन्वेस्टमेंट फंड के नॉमिनी थे और जून 2017 तक नौ साल के तीन कार्यकालों में अडानी एंटरप्राइजेज के निदेशक के रूप में उन्होंने काम किया.

डॉक्टर रेप-मर्डर केस...

घटना के विरोध सोमवार को देशभर के तीन लाख से अधिक रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर रहे. कोलकाता से लेकर दिल्ली एम्स समेत देशभर के सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं प्रभावित रहीं. इमरजेंसी सेवाएं चालू रखी गई थीं. ऑल इंडिया रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) के जनरल सेक्रेटरी डॉ. सर्वेश पांडे ने कहा- हेल्थ सेक्रेटरी से हमने घटना की सीबीआई जांच कराने और डॉक्टर्स की सुरक्षा के लिए सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट बनाने की मांग रखी है. जब तक लिखित आश्वासन नहीं मिलता, हड़ताल जारी रखेंगे. इस बीच, सीएम ममता बनर्जी सोमवार सुबह ट्रेनी डॉक्टर के घर पहुंचीं. यहां उन्होंने कहा- 18 अगस्त तक पुलिस केस सॉल्व नहीं कर पाई, तो जांच सीबीआई को सौंप देंगे. हालांकि, सीबीआई का सक्सेस रेट काफी कम है. केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में भी चलना चाहिए.

मेडिकल के लिए एम्स...

मैनेजमेंट संस्थान
1आईआईएम अहमदाबाद
2- आईआईएम बैंगलोर
3- आईआईएम कोझीकोड
4- आईआईटी दिल्ली
5- आईआईएम कलकत्ता
6- आईआईएम मुंबई
7- आईआईएम लखनऊ
8- आईआईएम इंदौर
9- एक्सएलआईआई, जमशेदपुर
10- आईआईटी बॉम्बे

टॉप स्टेट यूनिवर्सिटी
अन्ना विवि, चेन्नई
जादवपुर विवि, कोलकाता
सावित्रीबाई फुले पुणे विवि, पुणे
कलकत्ता विवि, कोलकाता
पंजाब विवि, चंडीगढ़
उस्मानिया विवि, हैदराबाद
आंध्र विवि, विशाखापत्तनम
भारतियार विवि, कोयंबटूर
केरल विवि, तिरुवनंतपुरम
सीयूएसएटी, कोचीन

शीर्ष लॉ संस्थान
1. नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
2. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
3. नाल्सर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ,
4. नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंस, कोलकाता
5. सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे

आर्किटेक्चर और प्लानिंग शीर्ष संस्थान
1. आईआईटी रुड़की
2. आईआईटी खड़गपुर
3. एनआईटी कालीकट
4. आईआईईएसटी, शिबपुर
5. स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली

इनोवेशन कैटेगरी की सूची
1. आईआईटी बॉम्बे
2. आईआईटी मद्रास
3. आईआईटी हैदराबाद
4. आईआईएससी, बेंगलुरु
5. आईआईटी कानपुर
6. आईआईटी रुड़की
7. आईआईटी दिल्ली
8. आईआईटी मंडी
9. आईआईटी खड़गपुर
10. अन्ना विश्वविद्यालय

शीर्ष शोध संस्थान
आईआईएससी, बेंगलुरु
आईआईटी मद्रास
आईआईटी दिल्ली
आईआईटी बॉम्बे
आईआईटी खड़गपुर

शीर्ष डेंटल कॉलेज
1 . सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंस,
2. मणिपाल कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, मणिपाल
3. मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस, नई दिल्ली

नंगे पैर और नदी में तैर कर जाना पड़ रहा है स्कूल

गठबंधन सरकार में बच्चे भी हुए हताश : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर फिर निशाना साधा है. ट्वीट कर कहा है कि छात्रों को न तो किताबें मिली हैं, न साइकिल मिली है और न ही स्कूल ड्रेस मुहैया कराई जा सकी है. इस गठबंधन सरकार में बच्चे भी हताश हो गए हैं. शैक्षाणिक सत्र शुरू हुए तीन महीने से अधिक समय बीत चुके हैं, लेकिन झारखंड के भविष्य को नंगे पैर स्कूल जाने को विवश किया जा रहा है. एक ओर मुख्यमंत्री के पैर बारिश की वजह से सड़कों तक पर नहीं पड़ते हैं, वहां बच्चों को स्कूल भी तैर कर जाना पड़ रहा है. प्रदेश के 34 लाख बच्चों का भविष्य हेमंत सरकार के छात्र विरोधी रवैये के कारण अधर में अटका हुआ है. केंद्र द्वारा 60% राशि मुहैया कराने के बाद भी हेमंत सरकार नौनिहालों के भविष्य को लेकर असंवेदनशील नजर आ रही है.

आदिवासी भाई-बहनों के हक में की जा रही सेंधमारी : बाबूलाल ने अपने दूसरे ट्वीट में कहा है कि हेमंत सोरेन की सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देकर हमारे आदिवासी भाइयों-बहनों के हक-अधिकार में सेंधमारी कर रही है. हेमंत सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को अवैध रूप से बसाकर आदिवासियों को अल्पसंख्यक बनाने की साजिश रच अपना वोटबैंक बढ़ाने का प्रयास कर रही है.

हेमंत सरकार बनी गरीबों-मजदूरों की जान की दुश्मन

बाबूलाल ने कहा है कि हेमंत सरकार गरीबों और मजदूरों की जान की दुश्मन बन गई है. हुसैनाबाद अनुमंडल में मुख्यमंत्री दाल भात केंद्रों का संचालन पिछले एक वर्ष से बंद पड़ा है. पांच रुपये में मिलने वाला भरपेट भोजन दिहाड़ी मजदूरों को नसीब नहीं हो रहा है. किसी तरह चार महीने तक केंद्र संचालकों ने अपने खर्च से भोजन तो मुहैया कराया, लेकिन अब भोजन मुहैया कराने के लिए संचालकों के पास भी पैसे नहीं बचे हैं, इसके बाद भी हेमंत सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है.इस असंवेदनशील सरकार में गरीबों और मजदूरों को भोजन के लिए भटकना पड़ रहा है, भूखे पेट सोना पड़ रहा है. गरीबों और गरीबी का मजाक बनाती हेमंत सरकार में जनकल्याण के नाम पर सिर्फ अपना कल्याण किया जा रहा है.

जिला अभियंता कार्यालय ने निकाला टेंडर, जिप सदस्यों में नाराजगी

संवाददाता। मझिआंव

जिला परिषद के निधि से कराई जाने वाली उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण एवं कई जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारे जाने के लिए बगैर जिला परिषद सदस्यों की बोर्ड की बैठक में पारित किए जिला अभियंता कार्यालय द्वारा टेंडर निकाल दिया गया. जिसको लेकर जिला परिषद सदस्यों में काफी नाराजगी व्यक्त किया जा रहा है. इस संबंध में सभापति स्वास्थ्य एवं शिक्षा समिति तथा महिला, शिशु एवं सामाजिक कल्याण समिति सह जिला परिषद के जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव अपने पूरे जिला परिषद सदस्यों के साथ एक लिखित आवेदन उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक अभियंता जिला परिषद गढ़वा को एक लिखित आवेदन देकर निकल गई निविदा रद्द करने की मांग किया है.

आवेदन में कहा गया है कि जिला परिषद सदस्यों की बोर्ड की बैठक में बगैर अनुमोदन के संबंधित विभाग कार्यालय द्वारा टेंडर निकाला गया है. उस सभी टेंडर को रद्द करने की मांग किया है और साथ ही कहा गया है. जो भी निविदा प्रकाशित हो उसे बोर्ड के बैठक में नियमानुसार पारित कर ही निकाला जाए. साथ ही क्षेत्र के चर्चित अखबार में उसे निविदा को प्रकाशित किया जाए. ताकि अधिक से अधिक संख्या में संवेदक भाग ले सकें. ताकि अधिक से अधिक सरकार को राजस्व की प्राप्ति हो सके. जिला परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव लिए बगैर एवं पार्षदों की सहमति बिना अवैध तरीके से निविदा निकाली गई है. जो निरस्त करने योग है. उन्होंने कहा कि जारी किए गए टेंडर की संबंधित कार्यालय के मिली भगत से निम्न स्तर के अखबारों में संभवत निविदा को प्रकाशित कर खानापूर्ति की गई है. ताकि अपने मन चाहे संवेदक को टेंडर दिलाया जा सके. जबकि जिले में प्रदेश के चर्चित समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाना चाहिए. उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि संबंधित विभाग के द्वारा भ्रष्टाचार की आशंका जताई जा रही है. इसके अलावे उन्होंने कहा कि इसके पूर्व जल क्रीड़ा एवं साहसिक क्रीडा का संवर्धन कार्य का टेंडर निकाला गया है. वो भी इसी तरह से निकाली गई है. उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर पूर्व एवं वर्तमान में निकाली गई निविदा को रद्द नहीं किया गया तो हम सभी जिला परिषद सदस्य अपनी चटानी एकता का परिचय देते हुए जिला परिषद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर मजबूर हो जाएंगे.

मुख्यमंत्री खेलो झारखंड कार्यक्रम में सिर्फ खानापूर्ति

कुंदा(चतरा)। राज्य सरकार के महत्वकांक्षी कार्यक्रम खेलो झारखंड कार्यक्रम में कुंदा प्रखंड में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती गई है. कार्यक्रम को लेकर सिर्फ खाना पूर्ति की गई है. जनप्रतिनिधियों ने बताया की कार्यक्रम के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई गई. किन्ही को सूचना मिली पर आमंत्रण नहीं, तो किन्ही जनप्रतिनिधी को खेलो झारखंड कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं. वहीं कार्यक्रम में बच्चों को भोजन की व्यवस्था न कर सिर्फ दो समोसे दिए गए.

BEFORE
NOTARY PUBLIC RANCHI
AFFIDAVIT

Vandana Kumari @ Vandana Jha W/o Santosh Kumar Jha R/o KochaToli Khijri, Ranchi P.S. Namkum District Ranchi Jharkhand do hereby solemnly affirm and states as follows :-

1. That I am an Indian Citizen and Resident of above said address.
2. That my date of birth is 03.06.1986.
3. That in the Adhar Card-2678 6462 4939 and Pan Card No AMBPJ6686Q, Bank Account and Voter Card my name is mention **Vandana Jha.**
4. That in my all educational Certificated my name is mention **Vandana Kumari.**
5. That both **Vandana Kumari** and **Vandana Jha** are the name of one and same person.
6. That aforesaid contents are true to the best of my knowledge.

Sworn and signed on this the 09.08.2024 at Ranchi.

Vandana Kumari
Deponent

Affidavit No.: 1422
Date : 09 Aug 2024

63वां राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग में झारखंड की टीम फाइनल में पहुंची

फाइनल मैच में अब बांग्लादेश से होगा मुकाबला

खास बातें

- झारखंड ने हरियाणा की टीम को 4-2 से पराजित किया
- टूर्नामेंट में झारखंड की टीम अभी तक अपराजेय रही है

खेल संवाददाता। रांची

सुब्रतो कप के फाइनल मुकाबले के लिए तैयार झारखंड की बालिका टीम.

63वी राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड ने अपराजित रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया. मंगलवार को दिल्ली के डॉ. आंबेडकर स्टेडियम में झारखंड और बांग्लादेश के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा. सोमवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में झारखंड ने हरियाणा को 4-2 से मात दी. झारखंड कि ओर से क्रांति उरांव, प्रतिभा भोक्ता, ललिता बोयपाई और संजना उरांव ने एक-एक गोल किए. सुब्रतो कप 2024 अंडर 17 बालिका वर्ग प्रतियोगिता में शुरू से ही झारखंड की बेटियों का दमदार प्रदर्शन देखने को मिला. टीम ने पिछले मैचों में दिल्ली को 7-0, गुजरात को 3-0, अरुणाचल प्रदेश को 13-0, त्रिपुरा को 2-0 से मात दी है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी बधाई

झारखंड की बेटियों के दमदार प्रदर्शन पर झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बधाई दी. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर टीम को शुभकामनाएं देते लिखा – शाबाश बच्चों, फाइनल के लिए मेरी शुभकामनायें. सेमीफइनल में झारखंड की टीम के शानदार प्रदर्शन पर राज्य स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के माननीय मंत्री बैद्यनाथ राम, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सह भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के पूर्व निदेशक सुशील कुमार वर्मा समेत खेल कोषांग के सभी पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं और जीत की बधाई दी.

तुबेद कोल खान परियोजना के विस्थापितों के लिए बैठक

समाहरणालय सभागार में बैठक करते डीसी .

संवाददाता। लातेहार

उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में सोमवार काके समाहरणालय सभागार में तुबेद कोयला खान परियोजना के विस्थापितों के लिए गठित पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन समिति की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में कार्यपालक निदेशक (खनन) अमीतांजन नंदी एवं महाप्रबंधक (खनन) अरबिन्द कुमार ठाकुर ने उपायुक्त को बताया कि दामोदर घाटी निगम को भारत सरकार के द्वारा वर्ष 1948 में कानून पारित कर छोटानागपुर क्षेत्र एवं पश्चिम बंगाल के विस्तृत क्षेत्र में दामोदर नदी से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति पर नियंत्रण तथा विद्युत उत्पादन हेतु स्थापित किया गया. उन्होंने दामोदर घाटी निगम के द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं तुबेद कोयला खान के खनन विकास के संबंध में जानकारी दी. आगे उन्होंने बताया कि पूर्व में तुबेद कोयला खान परियोजना के विस्थापितों के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी.

लक्ष्य से पीछे क्यों?

सवाल निष्पक्षता का, एजेंसियों के दुरुपयोग का और आरोप को गंभीरता से लेने का वक्त आ गया है. किसी भी लोकतंत्र की कामयाबी के लिए, सरकारी एजेंसियों की निष्पक्षता एक अनिवार्य तत्व है. आमतौर पर परिपक्व लोकतांत्रिक देश इस तरह के चेक एंड बैलेंस का सिस्टम बनाते हैं कि सरकार एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं कर पाते. भारत को भी इस दिशा में कदम उठाने की जरूरत है. भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उसे इस दिशा में उदाहरण बनना चाहिए. भारत में एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लोकतंत्र की सेहत को प्रभावित करता है. सुप्रीम कोर्ट के संदेश को भी समझने की जरूरत है. सुप्रीम कोर्ट मान रहा है कि ईडी बिना क्वालिटी साक्ष्य के मुकदमे दर्ज कर रही है. उसने आरोपों को साबित करने में ईडी की नाकामी पर भी रोशनी डाली है. तो सवाल उठेगा कि आखिर ईडी के अधिकारी ऐसा क्यों कर रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को जो नसीहतें दीं और इस क्रम में जिन तथ्यों को देश के सामने रखा, उससे इस एजेंसी की कार्य प्रणाली बेनकाब हुई है. तीन जजों की बेंच ने छत्तीसगढ़ के एक मामले की सुनवाई के दौरान ईडी से कहा- 'इस मामले में आप कुछ गवाहों के बयान और हलफनामों का बखान कर रहे हैं. ये जुबानी साक्ष्य हैं. ऐसे जुबानी साक्ष्य पर, भगवान जाने, वह व्यक्ति कल टिका भी रहेगा या नहीं. आपको वैज्ञानिक जांच करनी चाहिए. आपको क्वालिटी अभियोजन और साक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए.'इसी सिलसिले में बेंच ने ध्यान खींचा-'जिन मामलों में आप संतुष्ट हो जाते हैं कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है, उनमें भी आपको उन मुकदमों को कोर्ट में साबित करना होता है. पिछले दस साल में आपने जो पांच हजार मामले दर्ज किए हैं, उनमें सिर्फ 40 में अभियुक्तों को सजा हुई है. इसकी कल्पना कीजिए. सवाल है कि क्या ईडी के अधिकारी सचमुच इस पर सोचेंगे? सुप्रीम कोर्ट भी मान रहा है कि ईडी बिना क्वालिटी साक्ष्य के मुकदमे दर्ज कर रही है. उसने आरोपों को साबित करने में ईडी की नाकामी पर भी रोशनी डाली है. तो सवाल उठेगा कि आखिर ईडी के अधिकारी ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्या वे अपने विवेक से ऐसे मामले दर्ज करते हैं या, जैसा कि आम इल्जाम है, वे सत्ताधारी राजनीतिक दल के इशारे पर काम कर रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणियां उसी रोज कीं, जिस दिन सर्वोच्च न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून पीएमएलए की वैधता के मामले में अपने निर्णय पर पुनर्विचार की याचिका पर सुनवाई की तारीख तय की. सुनवाई इसी महीने के आखिर से शुरू होगी. एक धारणा यह भी है कि ईडी को इस कानून की एक धारा से मनमानी कार्रवाइयां करने का मौका मिला है, जिसके तहत मुकदमा दर्ज होने पर जमानत मिलना लगभग असंभव हो गया है. खुद सुप्रीम कोर्ट ने इस धारा सहित पूरे कानून का वैध ठहराया था. लेकिन उसके इस निर्णय के दुष्प्रभाव अब जग-जाहिर हो चुके हैं. तो क्या कोर्ट इस बारे में सचमुच गंभीर पुनर्विचार करेगा?

> भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उसे इस दिशा में उदाहरण बनना चाहिए. भारत में एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लोकतंत्र की सेहत को प्रभावित करता है. सुप्रीम कोर्ट के संदेश को भी समझने की जरूरत है.

सुभाषित

नारुन्तुदः स्यादार्तोपि न परद्रोहकर्मधीः ।
ययास्योद्विजते वाचा नालोक्यां तामुदीरयेत् ॥

दूसरों से दुःख मिलने पर भी वह शांत रहे, विचार से या कृति से भी वह दूसरों को दुःख न दे, उसके मुख से ऐसी वाणी न निकले, जिससे दूसरे दुःखी हो, सारांश में वह ऐसा कोई काम न करे, जिससे की वह स्वर्ग से वंचित हो.

जनजातीय समुदाय एवं उनकी संस्कृति

जंगल ही इनका जीवन है और जंगली वातावरण को ही इन्होंने आत्मसात किये है और मदमस्त जीवन यापन करने का स्वभाव है. जनजातीय समुदायों की जीवनचर्या उनके धार्मिक, सांस्कृतिक, रीति रिवाज, उनकी पूजा-पद्धति सामाजिक मूल्य एवं सामाजिक अनुशासन समस्त कही न कही प्रकृति एवं मौसम के चक्र के साथ जुड़ा हुआ है. जनजातीय समाज प्रकृति के पूजक हैं, प्रकृति ही उनका परिवेश है, प्रकृति में उनका उद्दीपन भी है, प्रकृति ही आलम्बन है.

• देश-काल

डॉ. कौशलेन्द्र बटोही

भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी सांस्कृतिक विविधता एवं सास्कृतिक घरोहर है. भारतीय समाज में विभिन्न जनजातियों का पाया जाना हमारी सांस्कृतिक घरोहर है. वर्तमान दौर में आधुनिकता विकास की पर्यायवाची है और आधुनिकता का आधार उपभोगवाद है, परन्तु मानव समाज एवं देश के विकास में आदिम जनजातीय एवं उनकी सांस्कृतिक, सामाजिक, परिस्थितियों एवं उनके विकास पर केंद्रित होना समाज की आवश्यकता है. आजादी के पहले एवं आजादी के बाद भारतीय संविधान में भी जनजातीय समुदायों के लिए विशिष्ट स्थान है. अनुच्छेद 340 के तहत भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त कालेलकर आयोग, 1953 ने अनुसूचित जनजातियों को परिभाषित किया है. उनके अनुसार 'वे एक अलग अनन्य अस्तित्व रखते हैं और लोगों की मुख्य धारा में पूरी तरह से आत्मसात् नहीं किए गए हैं. वे किसी भी धर्म के हो सकते हैं.'हालांकि संविधान का अनुच्छेद 366(25) अनुसूचित जनजातियों को परिभाषित करने के लिए प्रक्रिया निर्धारित करता है. भारत में अगर हम भौगोलिक रूप से देखें तो अनुसूचित जनजाति की अधिकांश आबादी पूर्वी, मध्य और पश्चिमी पट्टी में संकेंद्रित है, जो नौ राज्यों– झारखंड, मध्यप्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, आंध्रप्रदेश और पश्चिम बंगाल तक विस्तृत है.

उत्तरपूर्वी क्षेत्र में लगभग 12 प्रतिशत, दक्षिणी क्षेत्र में लगभग 5 प्रतिशत और उत्तरी राज्यों में लगभग तीन प्रतिशत जनजातीय आबादी निवास करती है. अगर इनके आबदी के बहुतायत बसावट पर ध्यान देंगे तो ये राज्य भारत में सबसे ज्यादा हरियाली के क्षेत्रों, जंगलों एवं प्राकृतिक संसाधनों का प्रतिनिधित्व करते हैं. इससे एक तो प्रमुखता से निष्कर्ष पर आ सकते हैं कि जनजातीय समाज प्राकृतिक को आत्मसात किये रहती है और जंगलों में निवास करती है. जंगल ही इनका जीवन है और जंगली वातावरण को ही आत्मसाथ किये है और मदमस्त जीवन यापन करने का स्वभाव है. जनजातीय समुदायों की जीवनचर्या उनके धार्मिक, सांस्कृतिक, रीति रिवाज, उनकी पूजा-पद्धति सामाजिक मूल्य एवं सामाजिक अनुशासन समस्त कही न कही प्रकृति एवं मौसम के चक्र के साथ जुड़ा हुआ है. जनजातीय समाज प्रकृति के पूजक है, प्रकृति ही उनका परिवेश है, प्रकृति में उनका उद्दीपन भी है, प्रकृति ही आलम्बन है. तो क्या हम वर्तमान दौर के बाजारवाद, भौतिकतावादी जीवन पद्धति, वैश्वीकरण के दौर में ग्लोबल वार्मिंग के बचाव के लिए आदिवासी जीवन पद्धति को आत्मसात करते हुए विकास की परिभाषा गढ़ सकते है. यह विकास की एक जन आवधारणा की उत्पत्ति करेगा जो कि प्रकृति के साथ सहचर रहेगा एवं मानव के विकास के साथ प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन भी करेगा. अगर हम इनके पूजा पद्धति पर गौर करते हैं तो पाते हैं कि पूजा प्रत्येक जनजाति अपने अपने परम्परागत विधिविधान के साथ करते हैं और मुख्यत मातृदेवी और पितर देवता के पूजन के साथ-साथ साल वृक्ष, करम वृक्ष, पीपल वृक्ष एवं पहाड की भी पूजा करते है. आदिवासी समुदाय के मन की कल्पना भी बिना प्रकृति के नहीं की जा सकती है एवं समस्त सोच वृक्ष, लता कुंज, पशु-पक्षी, दिन- नक्षत्र, चांद तारे और सूर्य के सान्निध्य में है. आदिवासी समुदायों के नामकरण एवं गोत्र के पीछे भी पूर्णत प्रकृति की कल्पना ही है. जनजातीय समुदायों के जनजीवन का आधार उनकी परंपराएं हैं. समाज, संस्कृति, अनुशासन, मानवीय रूप सबका नियमन का आधार भी प्रकृति है. उसी के छत्र-छाया में व्यक्ति का विकास एवं समाज पुष्पित पल्लवित होते हैं. उनके पर्व त्योवहार भी पूर्णतः प्रकृति एवं मौसम पर आधारित होते हैं. करमा और सरहुल जो कि झारखंड के आदिवासियों के बीच का प्रमुख त्योहार है. करमा पर्व भादो के शुक्लपक्ष के एकादशी को मनाया जाता है और इस पर्व का मूल उद्देश्य अच्छी फसल और अच्छा स्वास्थ्य है. इसमें समस्त समाज पेड़ के पास बैठकर अपने इष्टदेव की पूजा करता है और पूजा पद्धति भी पूर्णतः प्रकृति आधारित होता है. ऐसे ही एक महत्वपूर्ण पर्व है सरहुल और यह वसंतोत्सव के रूप में मनाया जाता है और लोग सामूहिक रूप से सरना पेड के पास पूजा करते हैं. ऐसे ही सोहराई भी जनजातियों में मनाए जाने वाले त्योहार हैं, जो कि लक्ष्मी पूजा की तरह होता है. जनजातीय समुदायों के समस्त त्योहार सामूहिकता का प्रतिबिंब हैं. उनके समस्त मनोरंजन के प्रकार, नृत्य-संगीत, कला जैसे प्रकृति के प्रेरित है. वैसे ही यह सब एकल नहीं होकर सामूहिक रूप से किया जाता है. भारत सरकार ने 1965 में लोक समिति के सिफारिशों के अनुसार जनजातियों को परिभाषित करने का मानदंड बनाया जो कि पांच मानदंड है- आदिम लक्षण, विशिष्ट संस्कृति, भौगोलिक अलगाव, बडे पैमाने पर समुदाय के साथ संपर्क में संकोच और पिछड़ापन. जनजातीय समुदाय और स्वाभाविक रूप से दूसरे समुदायों के संपर्क में आने से संकोच करते हैं और सामूहिकता उनकी पहचान है, ये दोनों ही विस्थापन के बाद संभव नहीं होता है और उनके विलुप्तता में मददगार हो जाता है. जनजातीय समुदायों में भी एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह को भारत सरकार ने वर्गीकृत किया है. जनजातीय समुदायों के विकास के लिए हमें उनके समाज के मूल चरित्र एवं उनके मूल स्थान को समाहित करते हुए उनके सांस्कृतिक प्रतीकों एवं परंपराओं को अक्षुण्ण रखते हुए विकास की योजनाओं को विकसित किया जाए. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

आत्मा का शुद्ध स्वभाव

धन, सम्पत्ति, सुख-सुविधा और कीर्ति प्राप्त करने के बाद भी जीवन में असंतोष की प्यास शेष रह जाती है. कारण कि जीवन में शान्ति नहीं सधती और आत्म का हित शान्ति में स्थित है. आत्मिक दृष्टि से सदाचरण ही शान्ति का एक मात्र उपाय है. धर्माचरण अपने शुद्ध रूप में सदाचरण ही है. धर्म की परिभाषा है 'वत्थुसहावो धम्मो ' अर्थात् वस्तु का 'स्वभाव' ही धर्म है. स्वभाव शब्द में भी बल 'स्व' पर है 'स्व' के भाव को स्वभाव कहते हैं. यदि हमारा स्वभाव ही धर्म है तो प्रश्न उठता है, हमारा स्वभाव क्या है? हम निश दिन झूठ बोलते हैं, कपट करते हैं, येन केन प्रकारेण धन कमाने में ही लगे रहते हैं अथवा आपस में लड़ते रहते हैं, क्या यह हमारा स्वभाव है? हम क्रोध करते हैं, लोभ करते हैं, हिंसा करते हैं, क्या यह हमारा स्वभाव है? वास्तव में यह हमारा स्वभाव नहीं है. क्योंकि प्रायः हम सच बोलते हैं. मात्र लोभ या भयवश झूठ बोलते हैं. यदि हम दिन भर क्रोध करें तो जिंदा नहीं रह सकते. थोडी देर बाद जब क्रोध शान्त हो जाता है, तब हम कहते हैं कि हम सामान्य हो गए. अतः हमारी सामान्य दशा क्रोध नहीं, शान्त रहना है. क्रोध विभाव दशा है और शान्त रहना स्वभाव दशा है. अशान्ति पैदा करने वाले सभी आवेग-आवेश हमारी विभाव दशा है. शान्तचित सदाचार में रत रहना ही हमारा स्वभाव है. और अपने 'स्वभाव' में रहना ही हमारा धर्म है. धर्म की यह भी परिभाषा है ₹यतस्य धार्यती सः धर्मेण ₹ धारण करने योग्य धर्म है. यह भी स्वभाव अपेक्षा से ही है. सदाचार रूप शुद्ध 'स्वभाव' को धारण करना ही धर्म है. इसिलिए यह निर्देश है कि स्वभाव में स्थिर रहो. यही तो धर्म है. और हमारा शाश्वत स्वभाव, सदाचरण ही है. क्योंकि जीवन के लिए लक्षित शान्ति ही है. धर्म की सारी परिभाषाएं उसी एक 'स्वभाव' का सापेक्ष कथन होती है. कोई भी वस्तु अनन्त धर्मात्मक (गुणात्मक) होती है प्रत्येक कथन किसी एक गुण को प्रधान करते हुए कहा जाता है, तब दूसरे सभी गुण गौण रहते हैं. अतः प्रधान गुण की अपेक्षा से कथन होता है, बस एक गुण को प्रधान बताते हुए अन्य गुणों का निषेध नहीं किया जाय तो नययुक्त सत्य कथन होता है. अतः सारी परिभाषाएं विरोधाभासी नहीं बल्कि विशेष गुण की अपेक्षा से होती है. हर कथन सापेक्षता के सिद्धांत से सत्य कथन है, कोई भी नवीन अथवा विरोधाभासी परिभाषा नहीं है.

राजनीतिक ताप को कम करने का समय

• सियासत

जगदीश रत्तनानी

चुनाव खत्म हो चुके हैं और मोदी 3.0 के नाम से अल्पमत सरकार सत्ता में आ गई है. विपक्ष ने केंद्रीय बजट पेश होते ही नई ऊर्जा का संचार कर दिया है जिसमें कांग्रेस के घोषणापत्र से कुछ विचार लिए गए हैं, जैसे लाखों लोगों के सामने रोजगार के ज्वलंत संकट को दूर करने के लिए अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम. लोकतांत्रिक राजनीति में यह एक अच्छा संकेत है. अच्छे विचार हर जगह से आ सकते हैं. सरकार कांग्रेस को श्रेय दे सकती है और बदले में पार्टी से कुछ सद्भावना अर्जित कर सकती है. यह नरेंद्र मोदी की सरकार के लिए नई लोकसभा की नई वास्तविकता को पहचानने और उसका सम्मान करने का समय है और यह समझने का भी कि राजनीति में दीर्घकालिक सफलता और शासन के जटिल मुद्दों के लिए देने और लेने के दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है. इसके लिए पहली शर्त यह है कि कुछ वास्तविक काम करने के लिए राजनीतिक तापमान को कम किया जाए, लेकिन इसकी बजाय सरकार ने राजनीतिक तापमान को और अधिक बढ़ाने में योगदान दिया है. सभी संकेत यही हैं कि चुनावी मौसम की कड़वाहट खत्म नहीं होने वाली है. आपातकाल के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए 25 जून को वार्षिक 'संविधान हत्या दिवस' घोषित करना, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शिवसेना के उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार पर नवीनतम राजनीतिक हमला और प्रसिद्ध कारोबारी मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में प्रधानमंत्री का व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना, वह भी उस वक्त जब बढ़ती संपत्ति और आय की असमानता को स्पष्ट रूप से ध्यान में लाया गया है, ये सभी संकेत देते हैं कि मोदी सरकार के लिए यह मजबूरी 'हमेशा की तरह' है और इस हद तक यह देश तथा उसके लोगों का मजाक उड़ाता है, जिन्होंने स्पष्ट रूप से मौजूदा सरकार को तीसरे कार्यकाल के लिए साफ जनादेश नहीं दिया है. अब मानो भाजपा व सरकार का विचार है कि चुनाव एक दुःस्वप्न सा था. ऐसा लगता है जैसे वह चुनाव परिणामों के दौरान सो गई थी और अब एक नई दुनिया में एक पुराने यथार्थ को जीना चाहती है.वास्तव में सरकार को अपने पिछले कार्यकाल में भारी बहुमत के बावजूद और समझौते करना चाहिए थे. इसके विपरीत घमंड आया और यह अहंकार ही है जो बड़े पैमाने पर राजनीतिक हार का कारण बना. कोई सबक नहीं सीखा गया. वास्तव में वे सीखे भी नहीं जा सकते क्योंकि सीखने की क्षमता उसकई मायनों में यह कहानी भाजपा के आंतरिक खालीपन को दर्शाती है, जो लोकसभा में अपने प्रदर्शन के लिए जवाबदेही तय नहीं कर पाई है और खुद के लिए चिंतन या कठिन सवाल उठाने में असमर्थ हो गई है. प्रधानमंत्री की पार्टी पर जो पकड़ है, वह एक स्तर पर उनके लिए व्यक्तिगत रूप से एक राजनीतिक सफलता है, क्योंकि कौन नेता ऐसी पार्टी को पसंद नहीं करेगा जो नेता से कोई सवाल नहीं पूछती? कुछ आंतरिक आवाजें उभर रही हैं- एक महत्वपूर्ण समूह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काम-काज पर सवाल उठाए हैं और उस राज्य में चुनावी हार के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुकूल नहीं लगने वाली टिप्पणियां की हैं परन्तु यह सभी आंतरिक बेचैनी के अप्रत्यक्ष संकेत हैं. पार्टी में सीधे सवाल और स्पष्ट विश्लेषण गायब हैं. कांग्रेस पर परिवार द्वारा संचालित पार्टी होने के सभी आरोपों के बावजूद भाजपा ने केवल उसी रास्ते पर चलना जारी रखा है जिसकी वह निंदा करना चाहती है और कुछ ही समय में वह मोदी-शाह की सोच की अनिश्चितताओं का शिकार बन गई है. यह पकड़ हमें पार्टी और उसके ताने-बाने के बारे में बहुत कुछ बताती है जितना कि कोई इतिहास का दृष्टांत नहीं बता सकता. यह देखना मुश्किल नहीं है कि दोनों लगातार ध्यान भटका कर ही टिके हुए हैं. इससे अनिवार्य रूप से हमें बोगी-हंटिंग का अंतहीन खेल देखने को मिला है. नीति आयोग की बैठक के साधारण मुद्दे पर विपक्ष के साथ कितनी दूरियां और कड़वाहट है, इसका ताजा उदाहरण देखें- यह 9वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक थी, और पिछले हफ्ते ही मोदी की अध्यक्षता में हुई थी. आयोग की गवर्निंग काउंसिल राज्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और रणनीतियों का साझा दृष्टिकोण विकसित करने का काम करने वाली प्रमुख संस्था है. यह एक ऐसा स्थान है जहां सरकार को कड़ी मेहनत करनी चाहिए थी ताकि सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को सम्मानपूर्वक समायोजित किया जा सके.केंद्रीय बजट द्वारा पैदा की गई दरारें चिंताजनक हैं. एक तरफ बिहार के नीतीश कुमार जैसे सहयोगी ने नीति आयोग की बैठक में भाग नहीं लिया. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> भाजपा का विचार है कि चुनाव एक दुःस्वप्न सा था. ऐसा लगता है जैसे वह चुनाव परिणामों के दौरान सो गई थी और अब एक नई दुनिया में एक पुराने यथार्थ को जीना चाहती है.वास्तव में सरकार को अपने पिछले कार्यकाल में भारी बहुमत के बावजूद और समझौते करना चाहिए थे. इसके विपरीत घमंड आया और यह अहंकार ही है जो बड़े पैमाने पर राजनीतिक हार का कारण बना.

पर्यावरण कब बनेगा नीति निर्माण का हिस्सा

• पर्यावरण

ओ.पी. जोशी

बाढ़-नियंत्रण एवं सिंचाई हेतु आबंटित 11.500 करोड़ रूपये भी कम ही लगते हैं, क्योंकि बाढ़ से हानि काफी अधिक होती है. शहर एवं बाहरी क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण हेतु हरियाली विशेषकर पेड़ बचाना जरूरी है, परंतु पेड़ शहर एवं जंगल दोनों जगह कम हो रहे हैं. शहरों में विकास के नाम पर तो जंगलों में विद्युत, रेल, सडक, बांध एवं खनन कार्य की परियोजनाओं के नाम पर काटे जा रहे हैं.केन्द्रीय वितमंत्री निर्मला सीतारमण में देश का 2024-25 का 48.21 लाख करोड़ रूपयों का बजट पेश किया था. बजट के जो नौ आधार कृषि, कौशल-विकास, मानव-संसाधन विकास, मेन्युफेक्चरिंग सेवाएं, इंफ्रास्ट्रचर, शहरी-विकास, नवाचार शोध व विकास, ऊर्जा-सुरक्षा एवं आर्थिक सुधार बताये गये, उनमें पर्यावरण की समस्याएं एवं सुधार कहीं नजर नहीं आया. 'केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय' को दिया गया 3330.37 करोड़ रूपयों का आबंटन देश के बिगड़े पर्यावरण के हालातों के मद्देनजर काफी कम है.30 लाख से ज्यादा आबादी वाले 14 शहरों को विकास हेतु 11.11 लाख करोड़ रुपए आबंटित किये गए हैं. ये शहर पर्यावरण को महत्व देकर वायु एवं जल प्रदूषण, नियंत्रण, जलस्त्रोतों के संरक्षण, हरियाली विस्तार एवं वर्षा-जल पुनर्भरण पर ध्यान दें तो आदर्श शहर बन सकते हैं. जलस्त्रोत एवं नदियों के विकास के तहत गंगा सफाई हेतु 30033.83 करोड़ रूपये आबंटित किये गए हैं. बजट में पैसे देने से गंगा साफ नहीं होगी, अपितु इसके प्रदूषण के मूलभूत कारणों को जानकर उन्हें समाप्त करने के प्रयास ईमानदारी से करने एवं करवाने होंगे. अभी हाल ही में 'उत्तरप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल' की रिपोर्ट देखकर 'राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण' (एनजीटी) की प्रधान खंडपीठ ने कहा है कि प्रयागराज में ही गंगा का पानी पीने एवं आचमन के योग्य नहीं है.'केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल' के अनुसार अध्ययन की गई 521 नदियों में से 351 प्रदूषित पाई गई. इन नदियों के प्रदूषण-स्तर की गणना कर उस हिसाब से बजट में पैसा दिया जाना था. एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के संदर्भ में सिंचाई के लिए जल एवं भूमि की उर्वरता पर ध्यान देना होगा. प्राकृतिक खेती में यदि प्रदूषित पानी से सिंचाई की गई तो फिर वह कितनी प्राकृतिक रहेगी? 'राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी संस्थान (नीरी),' नागपुर ने दो वर्ष पूर्व अध्ययन कर बताया था कि देश की लगभग 30 प्रतिशत भूमि में उत्पादकता समाप्त हो गई है.बाढ़-नियंत्रण एवं सिंचाई हेतु आबंटित 11.500 करोड़ रूपये भी कम ही लगते हैं, क्योंकि बाढ़ से हानि काफी अधिक होती है. शहर एवं बाहरी क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण हेतु हरियाली विशेषकर पेड़ बचाना जरूरी है, परंतु पेड़ शहर एवं जंगल दोनों जगह कम हो रहे हैं. शहरों में विकास के नाम पर तो जंगलों में विद्युत, रेल, सडक, बांध एवं खनन कार्य की परियोजनाओं के नाम पर काटे जा रहे हैं. मध्यप्रदेश में रतलाम-खंडवा ब्राडगेज रेललाइन तथा उत्तरप्रदेश में कावड़ियों के एक मार्ग हेतु क्रमशः 80 हजार एवं 30 हजार पेड़ काटना प्रस्तावित है.कुछ अन्य कारणों से शहरों एवं जंगलों में पेड़ों की कमी से गर्मी एवं लू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है जिसे वर्ष 2024 में अभी तक महसूस भी किया गया. सिक्किम में लू के दिनों की संख्या दहाई में हो गई है एवं उत्तराखंड की कई नदियां जून में ही उफन गई हैं. हिमालय के पहाड़ी राज्यों में वनों की आग की रोकथाम तथा समावेशी विकास हेतु ज्यादा राशि दी जाना थी.उत्तराखंड में ही नवम्बर 23 से जून 24 तक लगभग 950 आगजनी की घटनाएं हुईं जिससे 4000 हेक्टर के सारे पेड़ जल गए. पर्यटन बढ़ाने के चक्कर में राज्य पहाड़ों की सारी पारिस्थितिक व्यवस्था बिगाड़ चुके हैं जिससे कई स्थानों की हालत जोशीमठ के समान हो गई है. उत्तरप्रदेश सरकार को भी ज्यादा राशि दी जानी थी, क्योंकि वहां की 99.4 प्रतिशत आबादी प्रदूषित हवा में सांस ले रही है. पर्यावरण सुधार के कई कार्य राज्य सरकारों एवं स्थानीय निकायों को करना होता है, परंतु उनकी आर्थिक स्थिति खराब होने से वे भी सही ढंग से नहीं कर पाते हैं. प्रदूषण नियंत्रण का कार्य 'केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल' के साथ राज्य के क्षेत्रीय कार्यालय भी करते हैं. अप्रेल 2024 में 'एनजीटी' को दी गई रिपोर्ट में बताया गया कि प्रदूषण नियंत्रण निकायों में 50 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं. पर्यावरण-प्रदूषण से जुड़े कई अन्य विभागों में भी कई पद खाली हैं. कम बजट एवं खाली पदों की स्थिति में पर्यावरण सुधार एवं प्रदूषण नियंत्रण कैसे संभव होगा? **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> अभी हाल ही में 'उत्तरप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल' की रिपोर्ट देखकर 'राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण' (एनजीटी) की प्रधान खंडपीठ ने कहा है कि प्रयागराज में ही गंगा का पानी पीने एवं आचमन के योग्य नहीं है. 'केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल' के अनुसार अध्ययन की गई 521 नदियों में से 351 प्रदूषित पाई गई.

मीडिया में अन्यत्र

बांग्लादेश में अराजकता का राज

गुरुवार को पेरिस से ढाका पहुंचने के बाद, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख और नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस की जनता से पहली अपील "देश को अराजकता और हिंसा से बचाने" की थी. माइक्रोफाइनेंस के अग्रदूत, अस्सी साल से ऊपर के यूनुस देश की जिम्मेदारी उसके सबसे उथल-पुथल भरे दौर में संभाल रहे हैं. बड़े पैमाने पर हिंसक प्रदर्शनों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की नेता शेख हसीना के इस्तीफा देने और देश छोड़ने के कई दिन बाद भी, 17 करोड़ लोगों के राष्ट्र में घबराहट है क्योंकि हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही. कानून लागू कराने वाले अधिकारी लापता हैं और सरकार की गैरमौजूदगी में नौकरशाही निष्क्रिय हो गयी है. चरमपंथी तबकों ने इस अराजकता का इस्तेमाल हिंदुओं, मुसलमानों के एक अल्पसंख्यक पंथ अहमदिया, और अवामी लीग के पदाधिकारियों को निशाना बनाने के लिए किया है. बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई ऐक्य परिषद के मुताबिक, कई जिलों में अल्पसंख्यकों के मकान और दुकानें लूटी गयी हैं. अवामी लीग के दफ्तरों को तहस-नहस किया गया और पार्टी के दर्जनों पदाधिकारियों और समर्थकों को मार डाला गया. गुरुवार को शपथ लेने वाले यूनुस ने हिंसा की निंदा की और शांति की अपील की. बैंकर से प्रशासक बने यूनुस की सबसे बड़ी चुनौती देश को बर्बादी के कगार से वापस लाने और कानून का राज स्थापित करने की होगी. छात्र प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक विपक्ष के लिए स्वीकार्य व्यक्ति, यूनुस को नियुक्त करके, सेना और बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने भविष्य में सुलह-सफाई का संकेत दिया है. एक ऐसे समय में जब राजनीतिक दलों के बीच बहुत ज्यादा दुश्मनी है, एक 'टेक्नोक्रेट' की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार का गठन पहला व्यावहारिक कदम है. लेकिन यूनुस के पास उनका समर्थन करने के लिए राजनीतिक मशीनरी नहीं है और इसके लिए उन्हें मुख्यधारा के दलों और वैषम्य-विरोधी छात्र आंदोलन पर निर्भर रहना पड़ेगा. उन्हें मध्यम-अवधि की तीन बेहद अहम चुनौतियों का भी सामना करना होगा. पहली, उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि सेना बैरकों में ही रहे. सेना का एक बदनाम अतीत है और 1990 में तानाशाही के खात्मे के लिए शेख हसीना और बीएनपी नेता खालिदा जिया को वर्षों तक जन आंदोलन चलाना पड़ा. दूसरी, यूनुस को बांग्लादेश की राजनीति में कम-से-कम एक अस्थायी शांति लानी होगी. शेख हसीना के पतन ने जमात और बीएनपी को सशक्त बनाया है. बहुसंख्यकवादी इस्लामी समूह जमात का एक खूनी अतीत है, जबकि बीएनपी के सत्ता में रहने के वर्षों को राजनीतिक हिंसा और बदले के लिए जाना जाता है. अंतिम यह कि यूनुस के प्रशासन को जल्द से जल्द स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का मार्ग प्रशस्त करना होगा. **(दैनिक हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

वक्फ/बोर्ड

मशहूर शायर जिगर मुराबादी ने कहा है-वक्फ है सय्याद की इक इक नजर मेरे लिए, हां, मुबारक ये शिकस्त-ए-बाल-ओ पर मेरे लिए. इस शेर की याद इसलिए आयी है कि इन दिनों वक्फ शब्द बहुत अधिक चर्चे में है. कारण केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन करने का मूड में बना लिया है. वक्फ बोर्ड में दो शब्दों का समागम है-पहला वक्फ और दूसरा बोर्ड. वक्फ अरबी भाषा मूल का संज्ञा पुल्लिंग है तो बोर्ड अंग्रेजी भाषा मूल का. सामान्यतः दोनों शब्दों के बीच में कोई सीधा संबंध तो नहीं है, लेकिन इन दोनों शब्दों के समागम से जो शब्द बनता है वह एक पवित्र और कल्याणकारी संस्था का नाम है-वक्फ बोर्ड. शब्दकोशों के अनुसार वक्फ का मतलब खास तौर पर है धर्मार्थ अर्पित वस्तु या संपत्ति, लोक कल्याण के उद्देश्य से दिया गया धन या वस्तु. एक शब्द में वक्फ का मतलब दान है. इस्लाम धर्म के प्रावधान के अनुसार क़ानूनी प्रक्रिया जिसके माध्यम से एक व्यक्ति किसी चीज़ को हमेशा के लिए सदका अर्थात दान कर देता है. अवामी जायदाद, ख़ास ख़ज़ाना, वह जायदाद, रुपया-पैसा जो वारिसों की अनुपस्थिति के कारण बिना वसीयत मरने वाले की जायदाद से वसूल हो और सरकारी ख़ज़ाने में सुरक्षित कर लिया जाए. वक्फ शब्द के और भी कई मायने हैं. जैसे खड़ा होना, ठहरना, अंतराल, ठहराव, सुकून, तल्लीन, किसी काम में व्यस्त, विशेष क़रार. बोर्ड शब्द के भी कई मतलब हैं. वक्फ बोर्ड के साथ वाले बोर्ड का मतलब है तो संस्था है. यानी व्यक्तियों का एक आधिकारिक समूह जो किसी गतिविधि का निर्देशन या पर्यवेक्षण करता है. बोर्ड हम लकड़ी का उस टुकड़े को भी कहते हैं, जो पतला काटा गया हो तथा मोटाई की तुलना में काफी लम्बाई और चौड़ाई वाला हो, किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए लकड़ी या अन्य सामग्री का एक सपाट स्लैब. बुलेटिन बोर्ड, सर्फ़बोर्ड, सर्किट बोर्ड, प्लगबोर्ड, सर्किट बोर्ड स्विचबोर्ड आदि से तो हर कोई परिचित है.

बाजियों में बाजी का नाम पैंतरेबाजी

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

अपने अपने क्षेत्रों की कितनी कितनी ओर कैसी कैसी तो बाजियां हैं. ताश-बाजी, शतरंज-बाज़ी, पतंग-बाज़ी, मुक्के-बाजी, तलवार-बाज़ी, पत्थर-बाज़ी, जुएं बाज़ी, सट्टेबाजी, नशे बाज़ी, इश्क-बाज़ी, यार-बाज़ी, गप्प-बाजी, जुमले-बाज़ी, बयान-बाज़ी, बहाने-बाज़ी, चाल-बाज़ी, दगा-बाज़ी, धोखे-बाज़ी. बाज़ी करतब और तमाशा है; बाज़ी शर्त है और शौक है; बाज़ी दांव-पेंच है; खेल है. खेल खेल में तो लोग हारी बाज़ी जीतने के लिए जान की बाजी तक लगा देते हैं, पर बदकिस्मती देखिए, कभी जीती बाज़ी हार भी जाते हैं. वक्त वक्त की बात है. महाराष्ट्र में बाजी नाम के कई लोग मिल जावेंगे. बाजीराव तो एक जाना-माना नाम है ही. लेकिन ज़रूरी नहीं बाजी नाम का हर आदमी बाजीगर भी हो. नाम में क्या रखा है! हिन्दी सिनेमा में बाजी नाम से एकाधिक फ़िल्में भी तो बनी हैं. सफल रहीं हैं. गाने भी मशहूर हुए हैं. कृपया जल्दबाज़ी न करें. बस मैं अपने विषय, 'पैंतरे-बाजी' पर आ ही रहा हूं. राजनैतिक गलियारों में इन दिनों पैंतरे-बाजी सुर्ख़ियों में है. यों पैतरे-बाज़ी सुर्ख़ियों में तो हमेशा से ही रही है. अखाड़ों में कुश्तियां जीतने के लिए तरह तरह के पैंतरे सिखाए जाते हैं, और जीत के लिए पैंतरे बदलने पड़ते हैं. जूडो-कराटे आदि, में भी कई किस्म के पैंतरे इस्तेमाल किए जाते हैं. जहां भी पक्ष और प्रतिपक्ष आमने सामने होता है, जीत के लिए पैंतरेबाजी के बिना काम नहीं चल सकता. पैंतरा हर क्षेत्र में काम आने वाला एक रुख है, अंदाज़ है; कौशल और तरकीब है. हम जो भी पैंतरा अख्तियार करते हैं, कभी सार्थक हो जाता है तो कभी चूक भी जाता है. हमारे नेता लोग तो पैंतरे बदलने में माहिर हैं. चुनाव के वक्त तो उनकी पैंतरेबाजी देखते ही बनती है. वे झूठ को सच और सच को झूठ करके दिखा देते हैं. सरकारें तक कहती कुछ हैं और पैंतरा बदल कर करती कुछ और ही हैं. राजनैतिक परिदृश्य में पैंतरेबाजी के सर्वश्रेष्ठ नमूने हमें संसद में देखने को मिलते हैं. इधर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दिलचस्प पैंतरेबाजी देखी जा सकती है. पाकिस्तान और चीन तो पैंतरेबाजी में उस्ताद हैं. वे जो भी कहते है बस वही नहीं करते.पाक बात सुलह की करता है और पैतरे आतंकवादी अपनाता है. आतंकवाद को ख़त्म करने का ऐलान करके वह प्रश्रय आतंकवाद को देता है. कश्मीर में शान्ति चाहता है और वहां के नौजवानों को पत्थरबाजी करने के लिए उकसाता है. पत्थरबाज़ी तो कश्मीर का राष्ट्रीय खेल ही होते होते बच गयी. अमेरिका का हमेशा से ही पाकिस्तान के प्रति एक दोस्ताना रवैया रहा है. लेकिन उसने भी आतंकियों के प्रति पाकिस्तान के सहयोगी रवैये से नाराज़ होकर अब अपना पैंतरा बदल दिया है. ट्रंप प्रशासन ने पाक को दी जाने वाली अधिकतर सुरक्षा मदद और सैन्य उपकरणों की आपूर्ति रोक दी है. देखना दिलचस्प होगा कि दोनों तरफ की यह पैंतरे- बाजी क्या रंग लाती है? राजनीति का खेल भी एक अजब खेल है. पैंतरेबाजी के बिना यहां काम नहीं चलता. यहां कोई स्थाई मित्र या स्थाई दुश्मन नहीं होता. पैंतरा बदलते ही आज का दोस्त दुश्मन बन जाता है और दुश्मन दोस्त हो जाता है.

रफ्तार के प्रेमी और धनाढ्य भारतीयों की बदौलत अपने देश के ऑटो बाजार में विदेशी ब्रांड की कई बेशकीमती दिग्गज कारें मजबूती से अपनी पकड़ मार्केट में बनाने में सक्षम साबित हुई हैं. इनमें से ही एक ऑटो मेकर कंपनी लैम्बॉर्गिनी भी शरीक है. इस कंपनी ने भारत में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए लैम्बॉर्गिनी उरुस एसई को हाल ही लॉन्च किया है जो वस्तुत: परफॉरमेंस एसयूवी, उरुस की सक्सेसर है. लेम्बोर्गिनी का दावा है कि उरुस एसई 3.4 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है.

स्पीड के होंगे आप भी कायल

हवा सी इसकी रफ्तार

लैम्बॉर्गिनी उरुस एसई भारतीय बाजार में लॉन्च हो गई है. इस अपडेटेड ऑफ-रोडर कार की खासियत इसका इंजन है. लैम्बॉर्गिनी उरुस एसई में ट्विन-टर्बो 3996 सीसी वी 8 इंजन के साथ प्लग-इन-हाइब्रिड सिस्टम दिया गया है. इसमें 25.9 किलोवाट की बैटरी पैक का इस्तेमाल किया गया है. इसे 8-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है जो 778 बीएचपी की पावर और 800 एनएम का टॉर्क पैदा करता है. इसके अलावा, इतालवी निर्माता का दावा है कि उरुस एसई में अब उरुस एस की तुलना में बेहतर पावर-टू-वेट रेश्यो 3.13 केजी/सीवी है. इस कार को भारत में 4.57 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया है.

टॉप स्पीड

उरुस एसई के लिए, इसका रेव-लिमिटर 6,800 आरवीएम है और यह अपनी पावर को सभी चार पहियों पर फ्रंट में एक इंटीग्रेटेड डिफरेंशियल, बीच में एक हैंग-ऑन डिफरेंशियल और रियर में टॉर्क वेक्टरिंग के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक सेल्फ-लॉकिंग डिफरेंशियल के जरिए भेजता है. यह कार पल भर में हवा से बातें करने लगती है. जी हां, लेम्बोर्गिनी का दावा है कि उरुस एसई 3.4 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेगी. इसकी टॉप स्पीड 312 किमी प्रति घंटा होगी.

पर्यावरण के अनुकूल

लैम्बॉर्गिनी उरुस एसई की एक खासयित इसका पर्यावरण के अनुकूल होना भी बताया जाता है. इस कार में प्योर इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन मिलता है जो इस एसयूवी को अन्य उरुस मॉडलों की तुलना में 80 प्रतिशत तक उत्सर्जन कम करने में सक्षम बनाता है. और उरुस एसई को सिर्फ इलेक्ट्रिक पावर पर 60 किमी की दूरी तय करने में मदद करता है.

शानदार इंटीरियर

एक्सीटीरियर ही नहीं, लैम्बॉर्गिनी उरुस एसई के इंटीरियर डेकोर में भी बेहतर बदलाव नजर आता है. केबिन में रीडिजाइन किए गए एसी वेंट, अपडेटेड मटेरियल, नए पैनल और डैशबोर्ड कवरिंग हैं. इसमें 12.3-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है जिसमें अधिक रिस्पॉन्सिव यूआई है और इसमें एक डेडिकेटेड टेलीमेट्री सिस्टम है.

कीमत और मुकाबला

इस कार को भारत में 4.57 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया है. भारतीय बाजार में नई उरुस एसई का मुकाबला ऑल-इलेक्ट्रिक लोटस इलेट्रे, पोर्श केयेन जीटीएस, एस्टन मार्टिन डीबीएक्स, मासेराती लेवांटे, ऑडी आरएस क्यू एड, बीएमडब्ल्यू एक्सएम जैसी कारों से होगा.

लुक और डिजाइन

लैम्बॉर्गिनी उरुस के डिजाइन से भी यह कार कुछ अलग है, अपडेटेड है. मसलन लैम्बॉर्गिनी उरुस एसई में थोड़ा लंबा बोनट है, जबकि हेडलैंप यूनिट को पतला किया गया है, फिर से डिजाइन किया गया है, और मैट्रिक्स एलईडी टेक्नोलॉजी के साथ रैपअराउंड डीआरएल से लैस किया गया है. बोनट पर नई कैरेक्टर लाइनें हैं. लैम्बॉर्गिनी उरुस एसई के बाबत कंपनी का दावा है कि उसने एरोडायनामिक्स और कूलिंग दक्षता दोनों में सुधार किया है. उरुस एसई नए फ्रंट बंपर, ग्रिल और रियर डिफ्यूजर के साथ आती है. इसमें शार्पर विजुअल मिलते हैं, और एक नई टेल-लैंप ग्रिल है. यह 21-इंच के पहियों पर चलती है जिसमें पिरेली पी जीरोस फिट किए गए हैं.

आ गया कम कीमत में एडवांस फीचर वाला फोन

ओप्पो ने पिछले दिनों अपनी के सीरीज के नए फोन ओप्पो के 12 एक्स फाइव जी को इंडियन मार्केट में लान्च किया है. यह वैसे यूजर्स के लिए पेश किया गया है जो कम कीमत में ऑलराउंडर स्मार्टफोन की ख्वाहिश रखते हैं. आइए इस फोन के फीचर्स, डिजाइन, लुक और कीमत की करें चर्चा...

▪ **डिजाइन**

ओप्पो के12एक्स 5 जी 7.68 एमएम पतला फोन है. बेशक बैटरी बड़ी है, पर वजन मात्र 186 ग्राम है. फोन की ग्रिपिंग अच्छी है. मैट फिनिश डिजाइन है. फोन के बैक पैनल पर सर्कुलर डिजाइन में कैमरा मिलता है जो कि कॉस्मिक फ्लैश लाइट के साथ आता है. कलर ऑप्शन आकर्षक हैं. ब्रीज ब्लू और मिडनाइट वॉयलेट कलर में यह उपलब्ध है.

डिस्प्ले व साउंड

ओप्पो के 12 एक्स 5 जी के साथ 6.687 इंच की डिस्प्ले है जिसका रिफ्रेश रेट 120 हर्ट्ज है. डिस्प्ले की पीक ब्राइटनेस 1000 निट्स है. इसे अमेजन प्राइम वीडियो और एल1 वाइडवाइन का सर्टिफिकेशन प्राप्त है. यानी इसपर आप अमेजन प्राइम वीडियो और नेटफ्लिक्स के एचडी कंटेंट आराम से देख सकते हैं. डिस्प्ले का स्क्रीन टू बॉडी रेशियो 89.9% है. फोन के साथ अल्ट्रा वॉल्यूम मोड भी मिलता है जिसकी मदद से वॉल्यूम को 300% तक बढ़ाया जा सकता है.

▪ **मजबूती जबर्दस्त**

ऑप्पो के 12 एक्स फाइव जी की बॉडी बहुत मजबूत है. 360° डैमेजप्रूफ आर्मर बॉडी वाला यह स्मार्टफोन यदि नीचे पटका भी जाता है तो दुरुस्त रहेगा. फोन के साथ कंपनी का खुद से तैयार एलॉय फ्रेम मिलता है. डिस्प्ले पर भी डबल रेनफोर्स्ड पांड ग्लास लगा हुआ है. फोन में शॉक ऑब्जर्बिंग फोम भी लगा है. इसमें स्पॉन्ज बायोनिक कूशन का इस्तेमाल किया गया है. फोन के साथ बॉक्स में एक्सक्लूसिव हाई वैल्यू एंटी ड्रॉप शिल्ड केस मिलता है जो कि फोन को एक्स्ट्रा प्रोटेक्शन देता है. फोन को मजबूती के लिए मिलिट्री ग्रेड यानी एमआईएल-एसटीडी-81 ओएच का सर्टिफिकेशन मिला है.

▪ **बड़ी बैटरी, सुपरफास्ट चार्जिंग**

ऑप्पो के 12 एक्स फाइव जी में 5100 मेगाहर्ट्ज की दमदार बैटरी दी गई है. स्मार्टफोन के साथ 45 वाट सुपर वू सीटीएम फास्ट चार्जिंग मिलती है जो महज 10 मिनट में ही बैटरी को 30% तक और 74 मिनट में 100% तक चार्ज करती है.

▪ **अनलिमिटेड परफॉरमेंस**

ऑप्पो के 12 एक्स फाइव जी में मीडिया टेक डाइमेनसिटी 6300 फाइव जी प्रोसेसर है. इस प्रोसेसर की खासियत यह है कि स्मार्टफोन कम बैटरी पावर पर भी फरार्टे से चलता है और स्मूद परफॉरमेंस देता है.

▪ **स्टोरेज व कीमत**

ऑप्पो के 12 एक्स फाइव जी में दो स्टोरेज विकल्प मिलते हैं. पहला विकल्प 6 जीबी रैम के साथ 128 जीबी स्टोरेज वाला है. इस स्टोरेज कैपेसिटी वाले फोन की कीमत 12,999 रुपये है, दूसरा विकल्प 8 जीबी रैम के साथ 256 जीबी स्टोरेज का है. इसमें यूएफसी 2.2 स्टोरेज और रैम एक्सपेंशन फीचर भी है जो कि रैम को 8 जीबी तक बढ़ाता है. इसकी कीमत 15,999 रुपये है.

▪ **एआई लिंकबूस्ट फीचर**

कम कीमत में इस फीचर के कारण ओप्पो के 12 एक्स पाऊइव जी बेहद खास हो जाता है. इसे साधारण शब्दों में ऐसे समझिए कि लिफ्ट या बेसमेंट (जहां अक्सर नेटवर्क की समस्या रहती है), वहां भी यह फोन धड़ल्ले से चलेगा. यदि आप इस स्मार्टफोन पर किसी नेविगेशन एप का इस्तेमाल करते हैं तो भी आपको नेटवर्क की समस्या नहीं होगी. इतना ही नहीं एआई लिंकबूस्ट फीचर की मदद से आप हाई स्पीड से डाटा भी शेयर कर सकते हैं.

▪ **डुअल व्यू मोड वाला कैमरा**

डुअल रियर कैमरा सेटअप इस स्मार्टफोन की खासियत है. इसमें प्राइमरी लेंस 32 मेगापिक्सल का है और दूसरा लेंस 2 मेगापिक्सल का है. फ्रंट में सेल्फी के लिए 8 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है. कैमरे के साथ ओप्पो एचडीआर 3.0 का भी सपोर्ट मिलता है. इससे अल्ट्रा क्लियर तस्वीर मिलती है. एआई पोरट्रेट रीटच कैमरे की खासियत है. डुअल व्यू कैमरा मोड इसकी अन्य खासियत है जिससे फ्रंट और रियर दोनों कैमरे से एक साथ फोटो-वीडियो शूट किया जा सकता है.

हार्ड ड्राइव की लाइफ ऐसे कीजिए बेहतर

एसएसडी की तुलना में हार्ड ड्राइव के खराब होने की आशंका अधिक होती है. सवाल है कि हार्ड ड्राइव आखिर क्यों खराब होती है. एक्सपर्ट के मुताबिक फिजिकल डैमेज इसका प्रमुख कारण है. इससे इसके कम्पोनेंट्स खराब हो जाते हैं. इसके अलावा कई बार तापमान या आद्रता की वजह से इसे नुकसान पहुंचता है. आइए आज बात करें इस मसले पर कि हार्ड ड्राइव को कैसे खराब होने से कैसे रोकें और इसके डाटा को कैसे सुरक्षित रखें...

लैपटॉप या एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव को अधिक तापमान में चलाने से ओवरहीटिंग हो सकती है. कम्प्यूटर का कूलिंग सिस्टम, खराब पंखे, एग्जॉस्ट वेंट में धूल और अन्य समस्याओं के कारण भी ओवरहीटिंग हो सकती है. इसलिए अपने लैपटॉप को अच्छी तरह हवादार जगह पर रखें और ऑपरेटिंग तापमान को सुरक्षित सीमा में रखें.

▪ **पावर फ्लक्चुएशन**

वोल्टेज में अचानक वृद्धि भी हार्ड ड्राइव खराब कर सकती है. वोल्टेज में स्पाइक्स आपके कम्प्यूटर के बिजली आपूर्ति इकाई को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिससे हार्ड ड्राइव भी खराब हो सकती है. इसे रोकने के लिए सर्ज प्रोटेक्टर का इस्तेमाल करें.

▪ **नमी**

बरसात के मौसम में या उच्च आर्द्रता वाले क्षेत्रों में हार्ड ड्राइव असर पड़ सकता है. नमी ड्राइव में पहुंचने से शॉर्ट सर्किट हो सकता है, इसलिए जहां कम्प्यूटर या लैपटॉप रखा है, वहां डीह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें.

▪ **मेकेनिकल या इलेक्ट्रॉनिक खराबी**

कई बार मेकेनिकल या इलेक्ट्रॉनिक खराबी से भी प्लैटर खराब हो सकती है. प्लैटर को घुमाने वाली सूपिंडल मोटर भी समय के साथ खराब होने लगती है. रीड-राइट हैड क्रैश हो सकता है और प्लैटर को नुकसान पहुंच सकता है. इन परेशानियों से बचने के लिए हार्ड ड्राइव किसी अच्छी कंपनी का ही खरीदें. हार्ड ड्राइव या लैपटॉप के गिरने से भी इसके कंपोनेंट्स के अलाइनमेंट्स खराब हो सकते हैं. इसलिए इन्हें गिरने से बचाएं.

एसयूवी सेगमेंट की कार लेने की सोच रहे हैं तो थोड़ा ठहरिए. देसी कार निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स से लेकर महिंद्रा जैसी कंपनियां अपनी तीन नई एसयूवी लॉन्च करने के लिए कमर कस चुकी है. महिंद्रा और टाटा की 3 नई एसयूवी ऑटो मार्केट में जल्द ही आने वाली है जिसमें ईवी भी शामिल है.

झारखंड की सड़कों को इन देसी एसयूवी का है इंतजार

एसयूवी सेगमेंट की कारें भारतीय ग्राहकों के बीच इन दिनों बेहद लोकप्रिय हैं और इनकी डिमांड लगातार बढ़ती ही जा रही हैं. आंकड़ों की भाषा में बात करें तो साल 2024 की पहली छमाही में भारत में होने वाली कुल कार बिक्री में अकेले 52 पर्सेंट हिस्सेदारी एसयूवी सेगमेंट की हो गई. अगर बीते महीने हुई ओवरऑल कार बिक्री की बात करें तो इसमें लगातार टाटा पंच और हुंडई क्रेटा टॉप पोजीशन हासिल कर रही है. मार्केट का यह रुझान देसी कार निर्माताओं को भी इस सेगमेंट में गाड़ियां लाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है. आइए आज बात करें हाल फिलहाल में आने आने वाले कुछ देसी कार कंपनियों के एसयूवी और उनके संभावित फीचर्स, पावरट्रेन और कीमत आदि के बारे में ...

महिंद्रा थार रॉक्स

महिंद्रा अपनी पॉपुलर ऑफ-रोडिंग एसयूवी थार का 5-डोर वर्जन 15 अगस्त को लॉन्च करेगी. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अपकमिंग 5-डोर थार में पावरट्रेन के तौर पर 1.5-लीटर डीजल इंजन, 2.2-लीटर डीजल इंजन और 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन दिया जाएगा. जबकि फीचर्स के तौर पर एसयूवी में 10.25 इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ डुअल-पेन सनरूफ भी मौजूद होगा.

टाटा कर्व आईसीई

टाटा कर्व का इलेक्ट्रिक वेरिएंट अभी हाल ही लॉन्च हुई है और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी इसके आईसीई वेरिएंट को 2 सितंबर को लॉन्च करेगी. इस वेरिएंट में पावरट्रेन के तौर पर 1.2-लीटर का पेट्रोल इंजन, 1.2-लीटर का टर्बो जीडीआई पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर का टर्बो डीजल इंजन दिया जाएगा. इसकी कीमत के बारे में कंपनी की ओर से अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है.

महिंद्रा एक्सयूवी थ्रीएक्सओ ईवी

महिंद्रा ने हाल में ही अपनी पॉपुलर एसयूवी एक्सयूवी 300 का अपडेटेड वर्जन 3 एक्सओ लॉन्च किया है जिसके लिए ग्राहकों की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक थी. अब कंपनी महिंद्रा एक्सयूवी थ्रीएक्सओ का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लॉन्च करने के लिए कमर कसी हुई है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अपकमिंग इलेक्ट्रिक एसयूवी ग्राहकों को सिंगल चार्ज पर 350 से 400 किलोमीटर की रेंज ऑफर कर सकती है.

स्वतंत्रता दिवस पर इसरो का उपहार

लॉन्च होगा ईओएस-8 सैटेलाइट मिलेगा आपदाओं का अलर्ट

15 अगस्त को इसरो देशवासियों को उपहार देगा. इसरो ने अपने नए अर्थ ऑब्जरवेशन सैटेलाइट ईओएस-8 की लॉन्चिंग के लिए तैयार है. इसकी लॉन्चिंग एसएसएलवी-डी3 रॉकेट से स्वतंत्रता दिवस के दिन श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से सुबह 9.17 बजे की जाएगी. 175.5 किलोग्राम वजनी यह सैटेलाइट पर्यावरण की मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन और तकनीकी डेमॉन्स्ट्रेशन का काम करेगा.

ईओएस-8 में तीन विशेष स्टेट-ऑफ-द-आर्ट पेलोड हैं- इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रारेड पेलोड, ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड और सिक यूवी डोजीमीटर. इसमें इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रारेड पेलोड दिन और रात में मिड और लॉन्ग वेव की इंफ्रारेड तस्वीरें लेगा. इन तस्वीरों से आपदाओं की जानकारी मिलेगी. जैसे जंगल में आग, ज्वालामुखीय गतिविधियां आदि. ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड के जरिए समुद्री सतह पर हवा का विश्लेषण किया जाएगा. मिट्टी की नमी और बाढ़ का पता किया जाएगा. वहीं सिक यूवी डोजीमीटर से अल्ट्रावायलेट रेडिएशन की जांच की जाएगी. जिससे गगनयान मिशन में मदद मिलेगी.

इस लॉन्चिंग के बाद एसएसएलवी को पूरी तरह से ऑपरेशनल रॉकेट का दर्जा मिल जाएगा. बता दें कि इससे पहले इस रॉकेट के दो उड़ान हो चुके हैं.

एआइ बनाएगा आपके लिए वीडियो

कई लोग अपनी पसंद की स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद आवाज अच्छी न होने पर वॉयस ओवर नहीं कर पाते. अब एआई प्लेटफॉर्म आपकी इसमें मदद करेगा. फिर चाहें स्कूल-कॉलेज के प्रोजेक्ट हों या ऑफिस का प्रजेंटेशन, एआइ प्लेटफॉर्म सिंथिसिया की मदद से अपनी स्क्रिप्ट से आसानी से वीडियो तैयार कर सकते हैं.

इस स्टेप को फॉलो कर तैयार करें वीडियो

1. इसके लिए www.synthesia.io/ पर जाएं.
2. क्रिएट फ्री एआइ वीडियो का ऑप्शन चुनें.
3. इसके बाद आपको स्क्रिप्ट अपलोड करनी होगी.
4. अपने बारे में जानकारी देकर प्राक्रिया को आगे बढ़ाएं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक ने पेरिस को कहा अलविदा, अब लॉस एंजिलिस में मिलेंगे

रंगारंग समारोह के साथ पेरिस ओलंपिक का समापन

भाषा। पेरिस

विशाल स्टेड डी फ्रांस एक कॉन्सर्ट हॉल की तरह लग रहा था, जहां एक रंगारंग समारोह के साथ ओलंपिक खेलों ने चार साल बाद लॉस एंजिलिस में नए जोश और जज्बे के साथ मिलने के वादे के साथ पेरिस को अलविदा कहा. सीन नदी पर लगभग चार घंटे तक चले उद्घाटन समारोह में जहां इस शहर के वास्तुशिल्प और देश की समृद्ध विरासत का प्रदर्शन किया गया था. वही समापन समारोह भी उसी तरह से मंत्रमुग्ध कर देने वाला था. मेगा स्टार टॉम क्रूज़ समेत हॉलीवुड के कई अन्य सितारों की उपस्थिति ने इसे और जीवंत बना दिया. अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा, यह ओलंपिक खेल शुरू से लेकर आखिर तक रोमांच से भरपूर रहे. इन खेलों ने हमें दिखाया कि इंसान कितने बड़े आयोजन करने में सक्षम है. आपने एक दूसरे को गले लगाया, एक दूसरे को पूरा सम्मान दिया. भले ही आपके देश अलग-अलग हों, भले ही उनमें संघर्ष चल रहा हूं लेकिन आपने दिखाया कि इससे भी बेहतर दुनिया है. इसके लिए आपका आभार.

उन्होंने कहा, ओलंपिक खेल शांति पैदा नहीं कर सकते लेकिन यह शांति की संस्कृति पैदा कर सकते हैं जो दुनिया को प्रेरित कर सकती है. हालीवुड स्टार टॉम क्रूज़ की उपस्थिति को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी, लेकिन उन्होंने निराश नहीं किया. वह 'मिशन इंपॉसिबल' के थीम गीत के साथ मैदान पर उतरे. उन्होंने स्टार जिमनास्ट सिमोन बाइल्स से ओलंपिक ध्वज लिया और उसे बाइक पर पेरिस की सड़कों से होते हुए लॉस एंजिलिस के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार मालवाहक विमान तक ले गए. एक साइकिल चालक चार बार के स्वर्ण पदक विजेता माइकल जॉनसन के पास ले गया, जिन्होंने उसे वेनिस बीच पर स्केटबोर्डिंग लीजेंड जैगर ईटन को सौंपा. इससे पहले थॉमस जॉली द्वारा तैयार किए गए दो घंटे के कार्यक्रम की शुरुआत एक संगीतमय गीत के साथ हुई, जिसमें फ्रांसीसी गायक ज़ाहो डी सगाज़न ने मशहूर सूस ले सिएल डे पेरिस गीत गाया. इसके बाद 205 देशों के ध्वजवाहकों ने अपने साथी खिलाड़ियों के साथ स्टेडियम में प्रवेश किया. खिलाड़ी ध्वज लहरा रहे थे और एक दूसरे से मिल रहे थे. कुछ खिलाड़ी इस यादगार समारोह की तस्वीर लेने में व्यस्त थे. ओलंपिक खेल समग्रता और लैंगिक समानता से भी जुड़े हैं और पेरिस ओलंपिक में समापन समारोह के दौरान स्टेडियम के बीच में महिला मैराथन के विजेताओं को पदक वितरण करके इसे प्रदर्शित किया गया. ओलंपिक खेलों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ. महिला मैराथन पेरिस ओलंपिक खेलों की आखिरी प्रतियोगिता थी. आयोजकों ने 45000 स्वयंसेवकों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने इन खेलों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

ध्वनि और रोशनी के अद्भुत मिश्रण ने समारोह में चार चांद लगाए. यह अलौकिक एहसास पैदा करने वाला दृश्य था. इसमें प्रकाश का बहुत अच्छी तरह से उपयोग किया गया था. ओलंपिक खेलों की शुरुआत 1896 में हुई थी और यहां समापन समारोह के दौरान अतीत की यादों को जीवंत करने की कोशिश भी की गई. ओलंपिक के पांच विशाल छल्लों को एक कोरियोग्राफिक बैले के माध्यम से जीवंत किया गया. बाद में आईओसी अध्यक्ष बाक ने जिम्मेदारी संभाली. पृष्ठभूमि में जब ओलंपिक गान बज रहा था तब ओलंपिक ध्वज को नीचे उतारा गया और पेरिस के मेयर ऐनी हिडाल्गो को सौंप दिया गया. हिडाल्गो ने ओलंपिक ध्वज आईओसी अध्यक्ष को सौंपा, जिन्होंने इसे लॉस एंजिल्स के मेयर करेन बास को सौंप दिया.

उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए भारतीय मुक्केबाज

भाषा। नयी दिल्ली

निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन जैसे मौजूदा विश्व चैंपियन खिलाड़ियों के बावजूद भारतीय मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें बिना पदक के वापस लौटना पड़ा. विजेंदर सिंह के बीजिंग ओलंपिक 2008 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय मुक्केबाजों से ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाने लगी थी. इसके चार साल बाद एमसी मैरी कॉम ने लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था. रियो ओलंपिक 2016 में भारतीय मुक्केबाज पदक नहीं जीत पाए लेकिन टोक्यो ओलंपिक में लवलीना कांस्य पदक हासिल करने में सफल रही थी. इस परिदृश्य में उम्मीद की जा रही थी कि भारतीय मुक्केबाज पदक जीतने का सिलसिला जारी रखेंगे लेकिन उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा. खेल के जानकारों का मानना था कि क्वालीफाई करने वाले छह मुक्केबाजों से दो नहीं तो कम से कम एक पदक की उम्मीद की जा सकती है.

दो बार की विश्व चैंपियन जरीन (50 किग्रा), लवलीना (75 किग्रा) और विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता निशांत देव (71 किग्रा) सभी को पोडियम पर पहुंचने का मजबूत दावेदार माना जा रहा था. लेकिन जब वास्तविक प्रतिस्पर्धा की बात आई तो भारतीय खिलाड़ियों में आवश्यक गति की कमी नजर आई. निशांत को अपवाद माना जा सकता है क्योंकि क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद परिणाम के कारण वह पदक से वंचित हो गए. जहां तक जरीन और लवलीना का सवाल है तो वह अपनी मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के सामने संघर्ष करती हुई नजर आई. अमित पंघाल (51 किग्रा) अपनी पिछली फॉर्म को दिखाने में नाकाम रहे. लवलीना, पंघाल और निशांत को पदक सुरक्षित करने के लिए सिर्फ दो जीत की जरूरत थी. लवलीना और जरीन को हालांकि मुश्किल ड्रॉ मिला था, लेकिन वह दोनों मौजूदा विश्व चैंपियन हैं और ऐसे में उनसे इस तरह की चुनौतियों से पार पाने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन इन दोनों मुक्केबाजों ने चीन की अपनी प्रतिद्वंद्वियों के सामने आसानी से घुटने टेक दिए. जरीन को स्वर्ण पदक का दावेदार माना जा रहा था लेकिन वह दूसरे दौर में ही वू यू से हार गईं. लवलीना को चीन की अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी ली कियान से हार का सामना करना पड़ा.

रुबलेव नेशनल बैंक ओपन के फाइनल में

मॉन्ट्रियल। रूस के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव ने बारिश से प्रभावित मैच में माटेओ अर्नाल्डी को सीधे सेटों में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया. इस साल मैड्रिड और हांगकांग में खिताब जीतने वाले 26 वर्षीय रुबलेव ने अर्नाल्डी को 6-4, 6-2 से हराया. फाइनल में उनका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन से होगा. पोपिरिन ने अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा को 7-6 (0), 6-3 से हराया.

अमांडा अनिसिमोवा और जेसिका पेगुला फाइनल में

टोरंटो। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में हवतन आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को पराजित करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना एक और अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से होगा. विश्व रैंकिंग में 132वें नंबर की खिलाड़ी अनिसिमोवा ने नवारो को 6-3, 2-6, 6-2 से हराया. मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त पेगुला ने एक अन्य सेफा में रूस की 14वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर को 6-4, 6-3 से हराया.

बारिश से दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ

- द. अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को आखिरी दिन 298 रन का लक्ष्य दिया था
- बारिश के कारण मैच नहीं हो सका और मुकाबला बराबरी पर छूटा

एजेंसी। पोर्ट ऑफ स्पेन

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच वर्षाबाधित पहला टेस्ट ड्रॉ पर खत्म हुआ. दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को पांचवें और आखिरी दिन 298 रन का लक्ष्य दिया था. मेजबान टीम के लिए एलिक अथानाजे ने 92 रन बनाये. वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 201 रन बनाये. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने बिना किसी नुकसान के 30 रन से आगे खेलना शुरू किया था, तब उसके पास 154 रन की बढ़त थी. उसने तीन विकेट पर 173 के स्कोर पर पारी घोषित की. ट्रिस्टन स्टब्स ने 68 रन बनाये और वह पारी की घोषणा से पहले केमार रोच की आखिरी गेंद पर बोल्ड हुए. बारिश के कारण खेल रोज बाधित हुआ और पहले दिन सिर्फ 15 ओवर फेंके जा सके थे.

रविवार को भी लंच पांच मिनट पहले लेना पड़ा. दोपहर के सत्र की शुरुआत में भी विलंब हुआ. जब दस ओवर के करीब बाकी थे तब वेस्टइंडीज का स्कोर पांच विकेट पर 192 रन था. मेजबान टीम अगले तीन ओवर में तीन रन ही बना सकी. जैसन होल्डर (नाबाद 31) ने छक्का लगाया, जिससे स्कोर पांच विकेट पर 201 रन तक पहुंच गया. इसके बाद कोई नतीजा नहीं निकलते देख ड्रॉ पर सहमति बन गई. दक्षिण अफ्रीका के लिये केशव महाराज ने 26 . 2 ओवर में 88 रन देकर चार विकेट लिये. दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 357 और वेस्टइंडीज ने 233 रन बनाये थे. दूसरा और आखिरी टेस्ट बृहस्पतिवार से गयाना में शुरू होगा.

2012 के लंदन ओलंपिक से लगातार मेडल जीत रहे थे भारतीय शटलर

ओलंपिक में बैडमिंटन से मिली निराशा

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का लंदन ओलंपिक (2012) से शुरू हुआ पदक जीतने का सिलसिला 12 साल के बाद पेरिस ओलंपिक में थम गया, जो इस खेल के प्रशंसकों के लिए किसी निराशा की तरह था. लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंच कर पदक की उम्मीद जगाई थी लेकिन सेमीफाइनल और कांस्य पदक के मुकाबले में अच्छी स्थिति में होने के बावजूद उनकी हार चिंताजनक रही.

रियो (2016) और टोक्यो (2021) में पदक जीतने वाली पीवी सिंधू से पेरिस में हैट्रिक की उम्मीद थी तो वहीं सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को पदक का सबसे बड़ा दावेदार माना गया था. इन खिलाड़ियों के साथ पुरुष एकल में एच एस प्रणय और महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी भी दबाव में बिखर गयी.

ओलंपिक के पेरिस चक्र के दौरान सरकार की तरफ से बैडमिंटन को भी काफी समर्थन मिला, जिसमें 13 राष्ट्रीय शिविर और 81 विदेशी अनुकूलन दौरे शामिल थे. इनका

खर्च टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत किया गया.

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के मिशन ओलंपिक सेल ने बैडमिंटन के लिए 72.03 करोड़ रुपये आवंटित किए, जो भारत की ओलंपिक तैयारियों के लिए 16 खेल में खर्च किए गए लगभग 470 करोड़ रुपये में से दूसरी सबसे बड़ी राशि है. इस बड़े निवेश के बावजूद, पेरिस में नतीजे उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहे, जिससे ओलंपिक प्रतियोगिता में कड़े मुकाबले और मजबूत मानसिकता की अहमियत और बढ़ जाती है.

मानसिकता की यह अहमियत लक्ष्य सेन के मैचों में देखी गयी. सेमीफाइनल में विक्टर एक्सेलसेन और फिर कांस्य पदक के मैच में चीनी ताइपे के ली जी जिया के खिलाफ मजबूत स्थिति को वह भुनाने में नाकाम रहे. इस दौरान सिंधू को 3.13 करोड़ रुपये की मदद मिली लेकिन वह प्री-क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने में नाकाम रही. लक्ष्य के लगातार दो मैचों में हार से उनके कोच और ऑल इंग्लैंड के पूर्व चैम्पियन प्रकाश पादुकोण काफी खफा दिखे. न्होंने कहा, मैं थोड़ा निराश हूं क्योंकि वह इसे पूरा नहीं कर सका. मुझे निराशा है कि हम बैडमिंटन में एक भी पदक नहीं जीत सके. सरकार, साइ और टॉप्स ने अपना काम किया है. अब समय आ गया है कि खिलाड़ी भी कुछ जिम्मेदारी उठायें. विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सात्विक और चिराग की जोड़ी की अप्रत्याशित हार सबसे चौंकाने वाली थी क्योंकि उन्हें स्वर्ण पदक का दावेदार माना जा रहा था. सरकार ने खिलाड़ियों को बड़े पैमाने पर समर्थन दिया था, जिसमें जर्मनी और फ्रांस में सिंधू और लक्ष्य के प्रशिक्षण के लिए क्रमशः 26.60 लाख रुपये और 9.33 लाख रुपये मंजूर किए गए थे.

पिछले दो ओलंपिक की रजत और कांस्य विजेता सिंधू के पास खेलों से पहले प्रशिक्षण के दौरान सारब्रकन में 12 सदस्यीय सहायक टीम थी, लेकिन वह चीन की ही बिंगजियाओ से आगे निकलने में असफल रहीं. सात्विक और चिराग ने इस साल बीडब्ल्यूएफ के चार विश्व टूर फाइनल में दो खिताब जीते थे और 2023 एशियाई खेलों, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों और 2023 एशिया चैंपियनशिप जैसे प्रमुख आयोजनों में कई पदक जीते थे.

शोचनीय — इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प की पत्नी ने किया खुलासा

ग्राहम थोर्प ने अवसाद व चिंता से जूझने के बाद जान गंवाई

भाषा। लंदन

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प पिछले दो वर्षों से अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अवसाद और चिंता से जूझ रहे थे जिसके कारण आखिर में उनकी जान चली गई. थोर्प की पत्नी अमांडा ने यह खुलासा किया है. थोर्प का पांच अगस्त को 55 साल की उम्र में निधन हो गया था. उनके निधन की घोषणा इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने की थी लेकिन इसका कारण नहीं बताया था.

अब उनकी पत्नी ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन को दिए एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि उन्होंने निधन से पहले खुद के साथ एक लंबी मानसिक और शारीरिक लड़ाई लड़ी थी. द टाइम्स ने थोर्प की पत्नी के हवाले से कहा, पत्नी और दो बेटियां होने के बावजूद, जिनसे वह बहुत प्यार करते थे और जो उन्हें दिलो जान से चाहते थे, वह स्वस्थ नहीं हो पाए. उन्होंने कहा, वह हाल के दिनों में काफी अस्वस्थ थे और वास्तव में उन्हें लगता था कि उनके बिना हम बेहतर जिंदगी व्यतीत करेंगे लेकिन उन्होंने अपनी जान गंवा दी और हम बर्बाद हो गए. थोर्प की याद में पिछले शनिवार को फ़र्नहैम क्रिकेट क्लब और चिपस्टेड क्रिकेट क्लब के बीच मैच शुरू होने से पहले एक समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें उनकी पत्नी और बेटियों किटी (22) और एम्मा (19) ने भाग लिया था.

अमांडा ने कहा, ग्राहम पिछले कुछ वर्षों से अवसाद और चिंता से पीड़ित थे. इस कारण उन्होंने मई 2022 में अपनी जान लेने की कोशिश की जिस वजह से उन्हें गहन चिकित्सा कक्ष में कई दिन बिताने पड़े. वह अवसाद और चिंता से ग्रस्त थे जो कभी-कभी बेहद गंभीर हो जाते थे.

खास बातें

- पांच अगस्त को 55 साल की उम्र में थोर्प की मृत्यु हुई थी
- थोर्प के निधन का कारण नहीं बताया गया था

टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड टीम में पांच स्पिनर

- अफगानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ खेलने हैं टेस्ट मैच

भाषा। ऑकलैंड

न्यूजीलैंड ने अगले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ अगले महीने एक टेस्ट और श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में पांच स्पिनरों को जगह दी है. अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट भारत में ग्रेटर नोएडा में नौ से 13 सितंबर तक खेला जायेगा. वहीं श्रीलंका में दो टेस्ट 18 और 26 सितंबर से शुरू होंगे. अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी कप्तान होंगे जबकि टीम में केन विलियमसन, डेवोन कोंवे, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ी भी हैं. कोच गैरी स्टीड ने कहा, उपमहाद्वीप के टेस्ट दौरे के लिए कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं. उमस और गर्मी के अलावा पिचों को देखते हुए तेज गेंदबाजों को बाहर रहना पड़ सकता है. टिम और मैने इस पर बात की है और तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन के लिये भी यह जरूरी है, जिसमें टिम भी शामिल है. स्पिन हरफनमौला मिचेल ब्रासवेल चोट के बाद 18 महीने बाद वापसी कर रहे हैं. उनके साथ मिचेल सेंटनेर, ऐजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स और रविंद्र स्पिन का जिम्मा संभालेंगे.

टीम : टिम साउदी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, मिचेल ब्रासवेल , डेवोन कोंवे, मैट हेनरी, टॉम लाथम, डेरिल मिचेल, विल ओ रूरकी, ऐजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सेंटनेर, बेन सीयर्स, केन विलियमसन, विल यंग .

ब्रीफ खबरें

एयरफोर्स से रिटायर डॉक्टर ने जान दी

पूर्वी चंपारण । पूर्वी चंपारण के रक्सौल में भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत हो चुके डॉक्टर मोहम्मद शाह ने अपनी जान दे दी. उनके कमरे में पंखे से लटकती हुई उनकी लाश मिली है. पुलिस को डॉक्टर की जेब से एक नोट भी मिला है. इसमें उन्होंने जो आरोप लगाया है, वह चौंकाने वाला है. डॉ. शाह ने मरने से पहले लिखा कि बीबी और ससुराल वालों से तंग हैं और अब जीना नहीं चाहते. इधर, घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

जमुई में ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत

जमुई । गिद्धौर जमुई मुख्य राजमार्ग पर गंगरा मोड़ के कर्बला के निकट सड़क दुर्घटना के कारण बंझुलिया गांव निवासी गणपत रावत के 20 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार की मौत हो गई. घटना स्थल पर ग्रामीणों ने शव को मुख्य मार्ग पर रखकर बड़े मुआवजे की मांग करते हुए एक घंटे तक सड़क जाम कर दी. जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के पतसंडा पंचायत अंतर्गत पड़ने वाले बंझुलिया गांव निवासी गणपत रावत के इकलौते पुत्र 20 वर्षीय सचिन कुमार की तेज रफ्तार रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर वाहन के अनियंत्रित होकर पलट जाने के कारण चपेट में आने से मौत हो गई.

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

भागलपुर । भागलपुर में मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई. बता दें कि युवक रेलवे ट्रैक को पार कर रहा था और कान में हेडफोन लगाया था, जिससे उसको ट्रेन की आवाज नहीं सुनाई दी और दुर्घटना का शिकार हो गया. घटना रविवार शाम की बताई जा रही है. मृतक की पहचान रजौना थाना क्षेत्र के कटिया जगदीशपुर निवासी रंजित यादव के 21 वर्षीय पुत्र नवीन कुमार के रूप में की गई है. बता दें कि भागलपुर जिला के मंदारहिल रेलखंड पर पुनसिया हॉल्ट के पास कान में हेडफोन लगाकर एक युवक रेलवे ट्रैक पर कर रहा था.

राजधानी में सोमवार को शिक्षक अभ्यर्थियों ने उग्र प्रदर्शन किया, वे बीपीएससी कार्यालय का घेराव करने के लिए निकले थे

पटना में शिक्षक अभ्यर्थियों का बवाल, छात्र नेता गिरफ्तार, लाठीचार्ज

संवाददाता । पटना

राजधानी में सोमवार को शिक्षक अभ्यर्थियों ने उग्र प्रदर्शन किया. वे बीपीएससी कार्यालय को घेराव के लिए निकले. अभ्यर्थी पटना की सड़कों पर उतर कर भारी बवाल कर रहे थे. शिक्षक अभ्यर्थी छात्र नेता दिपील कुमार के नेतृत्व में बीपीएससी कार्यालय का घेराव करने निकले थे. वहीं पुलिस ने छात्र नेता को गिरफ्तार कर लिया. बीपीएससी कार्यालय के बाहर भारी सुरक्षा बल तैनात है. जानकारी अनुसार बीपीएससी कार्यालय के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती के साथ फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची. बीपीएससी कार्यालय के बाहर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात थे. दरअसल, बीपीएससी टीआरई 3 में 1 कैंडिडेट 1 रिजल्ट की मांग को लेकर छात्र नेता प्रदर्शन कर रहे थे. वहीं पुलिस ने हंगामा कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया. साथ ही छात्र नेता को गिरफ्तार कर ले गई. बताया जा रहा है कि कुछ अभ्यर्थी बीपीएससी कार्यालय के बाहर इकठ्ठा होने लगे थे जिससे पुलिस ने भगाया है.

प्रदर्शन करते छात्र.

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा के सॉल्वर गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

- दो अन्य की तलाश में जुटी पुलिस

संवाददाता । पटना

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा के सॉल्वर गैंग की जांच में मढ़ौरा और नगरा थाना क्षेत्र से तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया. इस संबंध में सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष के दिशा निर्देश में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ राजकिशोर सिंह के नेतृत्व में एसआईटी की टीम ने नगरा थाना क्षेत्र के बन्नी गांव से दो युवक और मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बहुआरापट्टी गांव से एक युवक को हिरासत लेने के बाद पूछताछ कर जेल भेज दिया. एक दिन पूर्व खैरा थाना क्षेत्र के धोबवल गांव से बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के सॉल्वर गैंग के एक सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. गिरफ्तार व्यक्ति धोबवल गांव निवासी बिनोद सिंह बताए गए थे. हालांकि इनके दो अन्य सहयोगी साथी प्रिंस सिंह व सुमन राय की तलाश में है. हालांकि फिलहाल अभी फरार बताए जा रहे हैं.

इलेक्ट्रोनिक्स डिवाइस हुआ बरामद : पुलिस का कहना है कि सारण जिले में सॉल्वर गैंग सक्रिय रूप से कार्य कर रहा हैं. इसी कड़ी में गुप्त सूचना के आधार पर खैरा थाना क्षेत्र के धोबवल गांव से एक दिन पहले बिनोद सिंह को गिरफ्तार किया गया है. लेकिन इसके आलावा तीन दिन पूर्व भगवान बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत सॉल्वर गैंग के तीन सदस्यों को सारण पुलिस ने गिरफ्तार किया था. खैरा थाना क्षेत्र के धोबवल गांव से गिरफ्तार बिनोद सिंह और फरार प्रिंस सिंह के घर से कई अभ्यर्थियों का ओरिजनल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, ब्लैंक चेक, ब्लुटूथ और एक की- पैड मोबाइल को भी पुलिस ने बरामद किया हैं.

अभ्यर्थियों का हस्ताक्षर किया हुआ चेक भी मिला है. जिसको लेकर पूछताछ की गई है. पुलिस का कहना हैं कि दोनों गैंग अलग - अलग है या एक साथ काम किया जा रहा था. वही पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नगरा थाना क्षेत्र के बन्नी गांव और मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बहुआरापट्टी गांव में छापेमारी कर तीन नए युवकों को हिरासत में लिया है जिससे सघन पूछताछ करने के बाद छपरा जेल भेज दिया गया है. नगरा थाना क्षेत्र के बन्नी गांव से हिरासत में लिए युवक का नाम अशोक मिश्रा का पुत्र रजनीश मिश्रा और रणधीर मिश्रा बताया जा रहा है. दोनों रिश्ते में सगे भाई है. जबकि इन लोगो के निशानदेही पर मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बहुआरा पट्टी गांव से एक युवक को गिरफ्तार किया गया है.

जहानाबाद के वाणावर पहाड़ी पर स्थित बाबा सिद्धनाथ मंदिर में भगदड़

आठ की मौत, 30 की हालत गंभीर

संवाददाता । पटना

बिहार में जहानाबाद जिले के वाणावर पहाड़ी पर स्थित बाबा सिद्धनाथ मंदिर में लगभग मध्य रात्रि को मची भगदड़ में आठ लोगों की मौत हो गई. मृतकों में पांच महिला और तीन पुरुष हैं. दर्जनों लोग घायल हो गए हैं. इनमें तीस की हालत गंभीर बताई जा रही है. यह जानकारी पुलिस ने दी. यह मंदिर मखदुमपुर प्रखंड में स्थित है. पुलिस के मुताबिक, इस भगदड़ में सुशीला देवी, पूनम देवी, निशा कुमारी, निशा देवी, राजू कुमार और प्यारे पासवान की जान चली गई. पूनम गया जिले के मोर टेकरी, निशा कुमारी मखदुमपुर थाना क्षेत्र के लडौआ गांव, सुशीला जल बीघा नाडोल, निशा देवी नगर थाना क्षेत्र के एरकी गांव और प्यारे पासवान स्थानीय निवासी है. दो लोगों की अभी पहचान नहीं हो सकी है.

लोगों का कहना है कि सावन का सोमवार होने के कारण श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक थी. श्रद्धालु संकरे गंगा एवं गऊघाट मार्ग से बाबा सिद्धनाथ के दर्शन करने के लिए पहाड़ पर पहुंचे. अचानक मंदिर के पास अफरातफरी मची और लोग इधर-उधर भागने लगे. इस दौरान कई महिलाएं और पुरुष गिर गए. जिन लोगों को गंभीर चोट आई है, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया. लोगों का आरोप है कि लाठीचार्ज की वजह से भगदड़ मची. नगर थाना प्रभारी दिवाकर विश्वकर्मा का कहना है कि कई स्रोत से जानकारी प्राप्त हुई है कि भीड़ नियंत्रण में कई तरह की खामी रही. वरीय अधिकारी इसकी जांच कर रहे हैं. घटना दुखद है. जांच में दोषी पाए गए लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी.

सीएम ने जताया शोक, मृतकों के परिजन को चार लाख देने का दिया निर्देश : पटना । मुख्यमंत्री ने जहानाबाद जिले के मखदुमपुर के वाणावार स्थित सिद्धश्वर मंदिर में हुई भगदड़ में सात लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की है. सीएम ने मृतकों के आश्रितों को अविलंब चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री ने दुख की इस घड़ी में परिजनों को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है. मुख्यमंत्री ने इस हादसे में घायल हुये लोगों के समुचित इलाज कराने का निर्दश दिया है.

बाबा धाम जा रहे कांवरिया की करंट लगने से मौत

किशनगंज । देवघर जा रहे जिले के एक कांवरिया की करंट लगने से मौत हो गई . मृतक की पहचान जिले के बहादुरगंज निवासी 25 वर्षीय भक्त राज के रूप में की गई है . वह अपनी मां रीना देवी के साथ बाबाधाम जा रहा था . घटना के वक्त वो अपने कांवड़ को बस के ऊपर रख रहा था इसी दौरान बस के ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज तार के संपर्क में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई . बनगामा गांव से करीब 62 कांवरियों का जत्था बस से सुल्तानगंज पहुंचा . उसके बाद खाली बस को कच्ची कांवरिया पथ के शाहकुंड मोड के समीप खड़ा किया गया था . सुलतानगंज में गंगा से जल भर कुछ कांवरिया पैदल बाबाधाम की ओर निकल पड़े, जबकि कुछ कांवरिया बस पर चढ़ने के लिए जब शाहकुंड के समीप पहुंचे तो मृतक बस के ऊपर कांवड़ रखने के लिए चढ़ा . इसी दौरान बस के ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई .

जमीन विवाद में गोलीबारी में एक की मौत

संवाददाता । अररिया

अररिया के भरगामा थाना क्षेत्र के पोठिया वार्ड संख्या 2 में रविवार की मध्य रात्रि करीबन डेढ़ बजे जमीन विवाद में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत गोली लगने से हो गई. जबकि एक महिला हाथ में गोली लगने से जख्मी हो गई, जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरगामा में प्राथमिक चिकित्सीय सुविधा के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है. जानकारी के अनुसार पोठिया में रात्रि करीबन डेढ़ बजे 50 से 60 की संख्या में बदमाशों ने स्व.शिवनंदन यादव के पुत्र परमानंद यादव के घर गोलीबारी शुरू कर दी. गोली की आवाज से परमानंद यादव अपने भतीजा चंदन यादव और रमण यादव को जागते हुए दोनों को भगा दिया, जबकि बदमाशों ने परमानंद यादव के सिर में पांच गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई. बचाने के लिए आई परमानंद यादव की भाभी लीला देवी के ऊपर भी गोली चली, जो उनके दाहिने हाथ में लगी. परिजन ने घायल महिला को भरगामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया.जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया.

गोली लगने के बाद महिला को अस्पताल में इलाज के लिए ले गया.

2025 में तेजस्वी को घर बैठा देगी जनता : उमेश

गया । अपने एक दिवसीय गया दौरे के क्रम में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा गया पहुंचे. जहां उन्होंने केंदुई स्थित जदयू कार्यालय का उद्घाटन फीता काटकर किया. इस मौके पर भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद हुए. इससे पहले जदयू के प्रदेश अध्यक्ष का चंदन यादव ने चाकन्द- बेला के समीप पटना से आ रहे उमेश कुशवाहा का स्वागत किया.

राहुल गांधी देश के दुश्मन : गिरिराज सिंह

बेगूसराय । हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट सामने आने के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को निशाने पर लिया. वहीं अब केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए बड़ा हमला बोला है. उन्होंने राहुल गांधी को देश का दुश्मन तक बता दिया. पत्रकारों से बातचीत करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, राहुल गांधी शुरू से भ्रम फैलाते हैं. वे देश के दुश्मन हैं, कोई देश का दुश्मन ही अफवाह फैलाएगा. ये कभी विदेश जाते हैं तो विदेश में फैलाते हैं अब देश के अंदर फैला रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी और जयराम रमेश देश को बदनाम कर रहे हैं. हिडनबर्ग पर कड़ी से कड़ी कारवाई हो. कुछ लोग देश को बदनाम कर रहे हैं. कुछ लोग देशद्रोही का काम कर रहे हैं. राहुल गांधी की यह टिप्पणी अमेरिका की शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग की शनिवार रात जारी उस रिपोर्ट के बाद आई है.

कारोबार

जेटवर्क ने निदेशक मंडल में शामिल किया दसारी को

नयी दिल्ली । विनिर्माण सेवा यूनिकॉर्न जेटवर्क ने मोटर वाहन तथा इंजीनियरिंग उद्योग के दिग्गज विनोद कुमार दसारी को अपने निदेशक मंडल में शामिल करने की सोमवार को घोषणा की. दसारी वर्तमान में निजी इक्विटी कंपनी एडवेंट इंटरनेशनल में परिचालन भागीदार के रूप में कार्यरत हैं. जेटवर्क के अमृत आचार्य ने कहा, विनिर्माण जटिलताओं के बारे में उनकी (दसारी की) गहरी समझ तथा उनका सिद्ध नेतृत्व कौशल जेटवर्क की निरंतर वृद्धि तथा सफलता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगा.

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 90 एकड़ जमीन खरीदी

नयी दिल्ली । गोदरेज प्रॉपर्टीज ने महाराष्ट्र के रायगढ़ के खालापुर में 90 एकड़ जमीन खरीदी है. कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया, इस भूमि पर करीब 17 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र में विकास की संभावना है, जिसमें मुख्य रूप से आवासीय भूखंड विकास शामिल है. हालांकि, कंपनी ने इससे जुड़ी वित्तीय जानकारी नहीं दी. गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा, आवासीय भूंखड विकास ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण गति हासिल की है.

वोल्टास का मुनाफा दोगुना होकर 335 करोड़ रु हुआ

नयी दिल्ली । एयर कंडीशनर विनिर्माता व इंजीनियरिंग सेवा प्रदाता वोल्टास लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 335 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-तिमाही) में शुद्ध लाभ 129.42 करोड़ रुपये था. टाटा समूह की कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, पहली तिमाही में उसने एसी की 10 लाख इकाई की बिक्री रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की. इस तिमाही में उसकी कुल आय 5,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई. समीक्षाधीन तिमाही में वोल्टास की परिचालन आय 46.46 प्रतिशत बढ़ी.

तेलंगाना के मुख्यमंत्री को अमेरिका से निवेश की मिली प्रतिबद्धता

तेलंगाना में अमेरिका ₹31,500 करोड़ से अधिक तक करेगा निवेश

भाषा । हैदराबाद

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके दल ने अपनी अमेरिकी यात्रा संपन्न कर ली है. इसमें उन्होंने 31,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल की, जिससे राज्य में 30,750 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा.

जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल में आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और कई अधिकारी शामिल थे. इन्होंने न्यूयॉर्क, वाशिंगटन डीसी, डलास और कैलिफोर्निया में 50 से अधिक व्यापारिक बैठकों और तीन गोलमेज सम्मेलनों के दौरान 19 निवेश सौदे/एमओयू संपन्न किए. इससे तेलंगाना में कुल 31,500 करोड़ रुपये का निवेश आएगा और 30,750 नौकरियों का सृजन होगा. विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल को फ्यूचर सिटी, एआई सिटी के निर्माण, मूसी नदी के पुनरुद्धार सहित विभिन्न प्रमुख पहलों के लिए बड़े पैमाने पर समर्थन मिला. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एप्पल, गूगल, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ भी चर्चा की.

अमेरिका प्रतिनिधिमंडल के साथ तेलंगाना के सीएम.

खास बातें

- राज्य में 30,750 से अधिक रोजगार सृजन होगा
- दक्षिण कोरिया के दौरे पर जा रहे ए . रेवंत रेड्डी

दक्षिण कोरिया रवाना होने से पहले रेवंत रेड्डी ने कहा, इस यात्रा ने त्वरित साझेदारी के लिए असंख्य क्षेत्रों का मार्ग प्रशस्त किया... कृत्रिम मेधा एआई में हमारी योजनाओं से लेकर भविष्य के शहर के निर्माण तक, निगमों, स्टार्टअप, उद्योगपतियों, प्रौद्योगिकी तथा व्यावसायिक संघों और प्रभावशाली लोगों ने हमारे दृष्टिकोण को अधिक लोगों तक ले जाने पर सहमति व्यक्त की है.

अडाणी समूह की सूचीबद्ध सभी कंपनियों के शेयर में गिरावट

भाषा । नयी दिल्ली

अडाणी समूह की सूचीबद्ध सभी 10 कंपनियों के शेयर में सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई. अडाणी एनर्जी के शेयर में सबसे अधिक 17 प्रतिशत की गिरावट आई. अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपंनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अडाणी समूह के शेयरों में गिरावट आई. बीएसई सेंसेक्स पर सूचीबद्ध अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 17 प्रतिशत, अडाणी टोटल गैस में 13.39 प्रतिशत, एनडीटीवी में 11 प्रतिशत और अडाणी पावर में 10.94 प्रतिशत की गिरावट आई. अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 6.96 प्रतिशत, अडाणी विल्मर में 6.49 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज में 5.43 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स में 4.95 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 2.53 प्रतिशत और एसीसी में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई. हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी नई रिपोर्ट में कहा था कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन बुच और उनके पति धबल बुच ने बरमूडा तथा मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था. उसने कहा कि ये वही कोष हैं जिनका कथित तौर पर विनोद अडाणी ने पैसों की हेराफेरी करने तथा समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया था. विनोद अडाणी, अडाणी समूह के चेयरपर्सन गौतम

- अडाणी एनर्जी
- अडाणी एनर्जी का शेयर 17 प्रतिशत लुढ़का

इंडियन रीट्स एसोसिएशन ने हिंडनबर्ग के दावे को निराधार व भ्रामक बताया

नयी दिल्ली । इंडियन रीट्स एसोसिएशन ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च का यह दावा निराधार और भ्रामक है कि सेबी का रीट्स (रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) ढांचा कुछ चुनिंदा लोगों के हितों को पूरा करता है . एसोसिएशन ने साथ ही कठोर नियामकीय वातावरण तैयार करने के लिए बाजार नियामक सेबी की तारीफ की, जिसमें व्यापक आवधिक रिपोर्टिंग आवश्यकताएं, अनिवार्य स्वतंत्र मूल्यांकन और सख्त संचालन मानक शामिल हैं . एसोसिएशन ने कहा कि इन उपायों को पारदर्शिता बढ़ाने और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए तैयार किया गया है .

स्त्री-2 के लिए रहें तैयार...

कोलकाता में फिल्म स्त्री2 का प्रचार करते श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव.

मंजूरी का इंतजार ब्रिटेन की सबसे बड़ी मोबाइल कंपनी है बीटी

बीटी में 24.5% हिस्सेदारी खरीदेगी भारती एंटरप्राइजेज

भाषा । नयी दिल्ली

दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल का समूह ब्रिटेन की सबसे बड़ी ब्रॉडबैंड तथा मोबाइल कंपनी बीटी समूह में करीब चार अरब डॉलर में 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा. कंपनी के बयान के अनुसार, भारती एंटरप्राइजेज की अंतरराष्ट्रीय निवेश इकाई भारती ग्लोबल, पैट्रिक ड्राही की अल्टाइस से बीटी समूह में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी तुरंत खरीदेगी और शेष हिस्सेदारी आवश्यक नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद हासिल करेगी. हालांकि, कंपनी ने सौदे के आकार का खुलासा नहीं किया लेकिन बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि बीटी के करीब 15 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन पर यह सौदा लगभग चार अरब डॉलर के आसपास बैठ सकता है. भारती, भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है जिसके करीब 40 करोड़ ग्राहक हैं. इसका बीटी के साथ पहले भी नाता रहा है. बीटी के पास 1997 से 2001 तक भारती एयरटेल में 21 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी. कंपनी न तो बीटी के संपूर्ण अधिग्रहण के लिए कोई प्रस्ताव देने को इच्छुक है, न ही वह उसके निदेशक मंडल में कोई स्थान चाहती है.

अरबपति ड्राही द्वारा नियंत्रित निवेश समूह अल्टाइस, बीटी से बाहर निकल रहा है क्योंकि यह अधिक कर्ज के संकट जूझ रहा है. इसने सबसे पहले 2021 में बीटी में हिस्सेदारी ली थी. इसके बाद 12 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की जिससे उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 24.5 प्रतिशत हो गई. अल्टाइस के पहली बार निवेशक बनने के बाद से बीटी के शेयरों में करीब एक-तिहाई की गिरावट आई है. भारती ने बयान में कहा, भारती ग्लोबल, दूरसंचार डिजिटल अवसंरचना तथा अंतरिक्ष संचार में विश्वस्तरीय कंपनियों वाले अग्रणी भारतीय कारोबार समूह भारती एंटरप्राइजेज की अंतरराष्ट्रीय निवेश इकाई है. उसने अल्टाइस यूके से बीटी समूह की 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक समझौता किया है. बीटी ने 1997 में भारती एयरटेल में 21 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी और अब इस प्रतिष्ठित ब्रिटिश कंपनी में 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का भारती का कदम भारतीय दूरसंचार समूह के लिए एक निर्णायक क्षण है. भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा, भारती और ब्रिटिश टेलीकॉम (बीटी) के बीच दो दशक से भी अधिक पुराना संबंध है. बीटी के 1997-2001 तक भारती एयरटेल लिमिटेड के निदेशक मंडल में दो सदस्य थे और उसके पास 21 प्रतिशत हिस्सेदारी थी. भारती समूह के इतिहास में आज यह एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि हम बीटी में निवेश कर रहे हैं, जो प्रतिष्ठित ब्रिटिश कंपनी है.

जल्द लॉन्च हो रही सीयूवी-एमजी विंडसर

एजेंसी । गुरुग्राम

भारत में जल्द लॉन्च होने वाले क्रॉसओवर यूटिलिटी व्हीकल (सीयूवी)-एमजी विंडसर में इस सेगमेंट की पहली एयरो-लाउंज सीटें दी जा रही हैं। ये खास सीटें लग्जरी और कंफर्ट का बेजोड़ मिश्रण हैं, जो इसमें बैठने वालों को बेहतरीन सफर अहसास देगी. एमजी विंडसर की सबसे खास खूबी इसकी 135 डिग्री तक रिक्लाइन होने वाली एयरो-लाउंज सीटें हैं. इन सीटों को लग्जरी और सुकून का अहसास कराने के लिए बेहद खास तरीके से डिजाइन किया गया है.इसका रिक्लाइन एंगल बहुत ही सावधानी के साथ तैयार किया गया है. यह सुनिश्चित करता है कि यात्री शहर की छोटी सी ड्राइव पर निकले हों या फिर लॉन्ग ड्राइव पर, वे पूरी स्टाइल और सुकून के साथ सफर कर सकें। विंडसर कैसल के भव्य आकार से प्रेरित, इस इंटेलिजेंट सीयूवी में एक बड़े आकार का केबिन दिया गया है. इस कार के केबिन को एर्गोनॉमिक्स और सूबसूरती के साथ डिज़ाइन किया गया है. इसकी खूबसूरती आपको शांति और समृद्धि का अहसास कराती है. यह इंटेलिजेंट सीयूवी शानदार वास्तुशिल्प और शाही विरासत के प्रतीक - विंडसर कैसल से प्रेरित है. ऐतिहासिक कैसल की तरह दिखने वाली एमजी विंडसर शिल्प, खूबसूरती और राजसी गौरव को पेश करेगी. दुनिया के इस सबसे विशाल कैसल के एक-एक हिस्से को बहुत ही खूबसूरती के साथ तैयार किया गया है. एमजी विंडसर भी ऐसी ही है. इस कार के हर पहलू ठीक वैसी ही खूबसूरती और लग्जरी के साथ तैयार किया गया है,जिसके लिए विंडसर कैसल दुनिया भर में जाना जाता है.

ब्रीफ खबरें

हैरिस ने प्रमुख प्रांतों में हासिल की बढ़त

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कई प्रमुख चुनावी प्रांतों में लोकप्रियता में बढ़त हासिल कर ली है. चुनाव प्रचार के लिए चंदा एकत्र करने का भारतीय अमेरिकी हैरिस (59) का अभियान जारी है. उनकी रैलियों में रिकॉर्ड भीड़ देखने को मिल रही है. हैरिस ने सैन फ्रांसिस्को में चंदा जुटाने के एक कार्यक्रम में कहा, 'हम यह चुनाव जीतेंगे.' उन्होंने इस कार्यक्रम में 1.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चंदा जुटाया.

विदेश सचिव नेपाल के नेताओं से मिले

काठमांडू। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को अपने नेपाली समकक्ष सेवा लमसल और हिमालयी राष्ट्र के उप प्रधानमंत्री समेत अन्य वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं से मुलाकात की और उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास और इसे आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की. मिस्री की दो दिवसीय यात्रा पिछले महीने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद नेपाल में किसी भारतीय विदेश सचिव की पहली यात्रा है. इस संबंध में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर जानकारी साझा की.

छापे में मिले 10 फ्लैट और 1.5 किलो सोना

भुवनेश्वर। ओडिशा के सतर्कता विभाग ने सोमवार को लोक निर्माण विभाग के एक सेवानिवृत्त इंजीनियर तारा प्रसाद मिश्रा के परिसरों पर छापेमारी कर 1.5 किलो सोना, 2.70 करोड़ रुपये की नकदी, महंगी कारें और 10 आलीशन फ्लैट समेत करोड़ों रुपये की संपत्ति का खुलासा किया. अधिकारियों ने बताया कि सतर्कता टीम ने 12 पुलिस उपाधीक्षक, 12 निरीक्षक, 16 सहायक उप-निरीक्षक और अन्य कर्मचारी के साथ भुवनेश्वर, कटक और झारसुगुड़ा में नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी की.

दो सड़क दुर्घटनाओं में 11 श्रद्धालुओं की मौत

सिलीगुड़ी/कोकराझार। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के बागडोगरा और असम के कोकराझार जिले में सोमवार को सड़क दुर्घटनाओं में 11 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. बागडोगरा में एशियाई राजमार्ग-दो पर घटना उस समय हुई जब घोषपुकुर से सिक्किम जा रही कार ने सड़क के डिवाइडर तोड़ते हुए इन लोगों को टक्कर मार दी. पुलिस अधिकारी ने बताया, ''ये सभी लोग तीर्थयात्री थे जो पूजा-अर्चना के लिए जंगली बाबा मंदिर (शिव मंदिर) जा रहे थे.'

जन्म तिथि में बदलाव पर महत्वपूर्ण फैसला

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा है कि कोई भी कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद अपनी रिकार्ड में दर्ज जन्म तिथि में बदलाव नहीं कर सकता. यह मामला एक ऐसे व्यक्ति से संबंधित था जो 1983 में नौकरी में आने से 2006 में सेवानिवृत्त होने तक एक 'पल्प ड्राइंग प्रोसेसर' विनिर्माण इकाई में काम करता था. जब उसे नौकरी पर रखा गया तो उसने मौखिक रूप से अपनी जन्म तिथि 30 मार्च 1952 बताई थी, लेकिन नियोक्ता ने उसके भविष्य निधि विवरण और स्कूल प्रमाण पत्र के आधार पर उसकी जन्म तिथि 10 मार्च 1948 दर्ज की.

हिमाचल में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से चार राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 338 सड़कें बंद, ऊना के कई क्षेत्र जलमग्न हो गए

हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में भारी बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त

27 जून से नौ अगस्त के बीच बारिश से संबंधित घटनाओं में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं हिमाचल प्रदेश में, राज्य को लगभग 842 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ.

एजेंसी। शिमला/जयपुर

कृष्णनगर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश और राजस्थान सहित देशभर में सक्रिय मॉनसून के कारण भारी बारिश का दौर जारी है. हिमाचल प्रदेश में रविवार से जारी भारी बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से चार राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 338 सड़कें बंद हो गईं. वहीं राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित राज्य के कई जिलों में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है और बीते 24 घंटे में दौसा के रामगढ़ पचवारा में सर्वाधिक 258 मिलीमीटर बारिश हुई.

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि ऊना के कई क्षेत्र जलमग्न हो गए. उन्होंने बताया कि कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में 31 जुलाई को आई बाढ़ के बाद लापता हुए करीब 30 लोगों को खोजने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि 27 जून से नौ अगस्त के बीच बारिश से संबंधित घटनाओं में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं और राज्य को लगभग 842 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि शिमला में 104, मंडी में 71, सिरमौर में 58, चंबा में 55, कुल्लू में 26, सोलन और लाहौल एवं स्पीति में सात-सात, किन्नौर में पांच, कांगड़ा में चार और बिलासपुर जिले में एक सड़क बंद है. पूरे प्रदेश में 338 सड़कें बंद हैं. इसने बताया कि सोमवार को 488 बिजली और 116 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं. शनिवार तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है और मंगलवार तक चंबा, किन्नौर, सिरमौर और शिमला जिलों के कुछ हिस्सों में बाढ़ का खतरा भी जताया है.

जयपुर में रिकॉर्ड 118 मिलीमीटर बारिश, स्कूलों में छुट्टी की घोषणा

जयपुर

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित राज्य के कई जिलों में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है और बीते 24 घंटे में दौसा के रामगढ़ पचवारा में सर्वाधिक 258 मिलीमीटर बारिश हुई. इस अवधि के दौरान जयपुर में रिकॉर्ड 118 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है और यह दौर अभी जारी है. जयपुर सहित कई जिलों में स्कूलों में आज छुट्टी की घोषणा कर दी गई है. राजधानी जयपुर में कल दोपहर बाद से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है.

कई इलाकों में सोमवार सुबह लगभग पांच बजे शुरू हुआ तेज बारिश का दौर रुक-रुक कर नौ बजे तक जारी रहा जिससे कई निचले इलाकों में पानी भर गया. भारी बारिश को देखते हुए शिक्षा विभाग की ओर से जयपुर, भरतपुर, सवाई माधोपुर, करौली और दौसा सहित कई जिलों में सोमवार को स्कूलों की छुट्टी की घोषणा कर दी गई. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक चौबीस घंटे में जयपुर हवाई अड्डे पर 118 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि में दौसा के रामगढ़ पचवारा में 258 मिलीमीटर व करौली के सापोटरा में 207 मिलीमीटर बारिश हुई जो 'अत्यधिक भारी बारिश' की श्रेणी में आती है. दौसा जिले में लालसोट व राउवास सहित अनेक जगह 132 से 178 मिलीमीटर, जयपुर में 126 मिलीमीटर, सवाई माधोपुर के खंडार व बोनली में कई जगह 117 से 168 मिलीमीटर बारिश हुई जो 'बहुत भारी बारिश' की श्रेणी में आती है. राज्य के अनेक जिलों में कई दिन से हो रही बारिश व आगामी कई दिन मानसून सक्रिय रहने की चेतावनी के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उच्चाधिकारियों की बैठक ली. उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हरसंभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए. राज्य में वर्षाजनित हादसों के कारण बीते चौबीस घंटे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो चुकी है.

यूनुस के नेतृत्व में सरकार ने कानून व्यवस्था बहाल करने की दिशा में उठाए कदम

बांग्लादेश में सामान्य हो रहे हालात

- ड्यूटी पर लौटने लगे पुलिस कर्मचारी, सभी मांगों को पूरा करने का मिला आश्वासन
- प्रदर्शनकारियों से अवैध और अनधिकृत हथियार जमा करने को कहा गया

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं और जनजीवन पटरी पर लौट रहा है. बाजार खुल रहे हैं और सड़कों पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट शुरू हो रहा रहा है. हालांकि बैंकों से नकदी निकालने की सीमा केंद्रीय बैंक द्वारा दो लाख टका (बांग्लादेश की मुद्रा) तय करने से कारोबारियों को नकदी की कमी का सामना करना पड़ रहा है. मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने कानून व्यवस्था बहाल करने की दिशा में कदम उठाते हुए सोमवार को प्रदर्शनकारियों से 19 अगस्त तक सभी अवैध और अनधिकृत हथियार जमा करने को कहा, जिनमें हालिया हिंसा के दौरान एजेंसियों से लूटी गई राइफल भी शामिल हैं. वहीं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार प्रदर्शनरत पुलिस अधिकारी अंतरिम सरकार द्वारा उनकी ज्यादातर मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिए जाने के बाद अपनी हड़ताल रद्द करने पर सहमत हो गए हैं. इसी बीच, देश के नवनियुक्त प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद ने सोमवार को चेतावनी दी कि यदि न्यायपालिका का कोई भी व्यक्ति किसी 'गलत काम' में संलिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

पुलिस की वर्दी और 'लोगो' बदला जाएगा : बांग्लादेश पुलिस अधीनस्थ कर्मचारी संघ (बीपीएसईए) ने शेख हसीना सरकार के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के दौरान पुलिस तथा विद्यार्थियों के बीच देशभर में हिंसक झड़पों के बाद छह अगस्त को हड़ताल की घोषणा की थी. हिंसा के कारण हसीना की आवामी लीग की अगुवाई वाली सरकार गिर गयी थी और हसीना को देश छोड़कर भारत जाना पड़ा था. सरकार गिरने के बाद डर के कारण कई पुलिसकर्मी काम पर नहीं लौटे और कुछ पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में अपने थानों में गए थे. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हड़तालरत पुलिस कर्मियों के प्रतिनिधियों ने अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम. सखावत हुसैन के साथ रविवार को एक बैठक की और उसके बाद हड़ताल वापस लेने की घोषणा की. उन्होंने बताया कि पुलिस को आश्वासन दिया गया है कि उनकी 11 सूत्री मांगों में से ज्यादातर को स्वीकार कर लिया जाएगा. खबर में कहा गया है कि पुलिस कर्मचारी सोमवार से अपनी वर्दी पहनेंगे और फिर से काम शुरू करेंगे.' गृह मामलों के अंतरिम सलाहकार सखावत ने कहा कि जिन लोगों ने अत्यधिक बल प्रयोग का आदेश दिया था उनका शीर्ष नेताओं से संबंध था और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा. मामले की जांच की जाएगी. मेरा निजी रूप से मानना है कि एक पुलिस आयोग होना चाहिए. पुलिस आयोग के तहत काम करेगी न कि किसी राजनीतिक दल के तहत. राजनीतिक दल पुलिस का दुरुपयोग करते हैं.' उन्होंने कहा, 'जल्द से जल्द पुलिस की वर्दी और 'लोगो' बदला जाएगा. उनका मन बहुत आहत है. वे (पुलिस) इस वर्दी के साथ बाहर नहीं जाना चाहते.'

नए प्रधान न्यायाधीश की चेतावनी

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ ह्यूस्टन में एकत्र हुए सैकड़ों लोग

ह्यूस्टन। बांग्लादेश में इस्लामी चरमपंथियों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाकर किए गए जघन्य कृत्यों के खिलाफ प्रदर्शन के लिए 300 से अधिक भारतीय-अमेरिकी और बांग्लादेशी मूल के हिंदू रविवार सुबह ह्यूस्टन के शुगर लैंड सिटी हॉल में एकत्र हुए. प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से अपील की कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार को रोकने और कमजोर समुदायों की रक्षा करने के लिए तत्काल एवं निर्णायक कदम उठाएं. हिंदू समुदायों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में हालिया वृद्धि क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा बन गई है. प्रदर्शन के आयोजकों ने बांग्लादेश में सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों की तत्काल सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की और बाइडन प्रशासन से आग्रह किया कि वह मानवता के खिलाफ हो रहे इन जघन्य अपराधों के दौरान मूकदर्शक न बना रहे.

यूनुस 'धर्मनिरपेक्ष' हैं, बांग्लादेश में विभिन्न समुदायों के बीच टकराव नहीं होने देंगे : पवार

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस एक 'धर्मनिरपेक्ष' नेता हैं और वह सुनिश्चित करेंगे कि उनके देश में विभिन्न समुदायों के बीच कोई टकराव नहीं हो. बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के अपदस्थ होने के बाद से वहां हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हो रही है. पवार ने पुणे में पत्रकारों से कहा, 'मेरी जानकारी के अनुसार, वह (यूनुस) विभिन्न समुदायों एवं विभिन्न भाषाई समूहों के बीच टकराव पैदा करने का काम कभी नहीं करेंगे. बांग्लादेश के लिए संतुलित रुख अपनाना जरूरी है और ऐसा लगता है कि (वहां) स्थिति में सुधार होगा. भारत सरकार बांग्लादेश की स्थिति सुधारने में मदद करने के लिए उसे सहयोग करेगी.

किसी के पास अवैध-अनधिकृत शस्त्र पाए जाने पर आरोप दर्ज किए जाएंगे

अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (रि.) एम सखावत हुसैन ने सोमवार को प्रदर्शनकारियों से 19 अगस्त तक सभी अवैध और अनधिकृत हथियार जमा करने को कहा, जिनमें हालिया हिंसा के दौरान एजेंसियों से लूटी गई राइफल भी शामिल हैं. हुसैन ने कहा कि अगर ये हथियार पास के थानों में नहीं जमा किए जाते तो अधिकारी तलाशी अभियान चलाएंगे और अगर किसी के पास अनधिकृत शस्त्र पाए जाते हैं तो उसके खिलाफ आरोप दर्ज किए जाएंगे. हुसैन यहां 'कम्बाइन्ड मिलिट्री हॉस्पिटल' में अर्धसैनिक बल 'बांग्लादेश अंसार' के सदस्यों से मिलने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे. 'बांग्लादेश अंसार' के सदस्य बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के दौरान घायल हो गए थे. हुसैन ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों समेत करीब 500 लोग मारे जा चुके हैं और कई हजार लोग घायल हुए हैं.

बांग्लादेश में कारोबारी नकदी की कमी से प्रभावित

अनिश्चितता के बीच बैंकों से नकदी निकालने की सीमा केंद्रीय बैंक द्वारा दो लाख टका तय करने से कारोबारियों को नकदी की कमी का सामना करना पड़ रहा है. बांग्लादेश बैंक ने प्रति खाता नकद निकासी की सीमा शनिवार को दो लाख टका (1.42 लाख रुपये) निर्धारित की, जो पूर्व घोषित एक लाख टका से अधिक है. व्यवसायियों, खासकर नकद लेनदेन करने वाले कारोबारियों ने कहा कि यदि नकदी संकट जारी रहा और प्रतिबंध अगले सप्ताह भी जारी रहे तो वे मुश्किल में आ जाएंगे. जुलाई के दूसरे पखवाड़े में जब व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, तब से उनका कामकाज ठप्प पड़ा है.

न्यायपालिका के 'गलत कामों' के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

बांग्लादेश के नवनियुक्त प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद ने सोमवार को अटॉर्नी जनरल के कार्यालय व सुप्रीम कोर्ट बार द्वारा अपीलीय प्रभाग में आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं छात्रों और पूरे देश के लोगों को बधाई देता हूं. मैं उन लोगों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने इस आंदोलन का समर्थन किया. छात्रों ने असमानता के खिलाफ एक बड़ी जागृति पैदा की है. हमें मौजूदा हालात को बदलकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी.' चेतावनी दी कि न्यायपालिका में किसी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी. यदि न्यायपालिका से जुड़ा कोई भी व्यक्ति किसी भी गलत काम में संलिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि न्याय के बजाय लंबे समय से चली आ रही दमन की नीति अब समाप्त हो चुकी है.'

अमेरिका का पश्चिम एशिया में पनडुब्बी भेजने का आदेश

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने पश्चिम एशिया में निर्देशित मिसाइल पनडुब्बी भेजे जाने का आदेश दिया है और 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' विमानवाहक पोत 'स्ट्राइक ग्रुप' को और तेजी से इलाके की तरफ बढ़ने का निर्देश दिया है.

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी. ऑस्टिन ने ये आदेश ऐसे समय में जारी किए हैं, जब अमेरिका और उसके सहयोगी तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनिया और बेरूत में प्रमुख हिजबुल्ला कमांडर फौद शुकुर की हत्या के बाद क्षेत्र में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए इजराइल और हमास के बीच संघर्ष-विराम समझौता कराने की कोशिशों में जुटे हैं. अधिकारियों को इन हत्याओं के बाद ईरान और हिजबुल्ला द्वारा जवाबी हमले किए जाने की आशंका है. यही कारण है कि अमेरिका पश्चिम एशिया क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है. अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय 'पेंटागन' के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने एक बयान में बताया कि ऑस्टिन ने इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट से बात की और इजराइल की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने की अमेरिका की प्रतिबद्धता को दोहराया.

हमास ने नए दौर की वार्ता के बजाय समझौता लागू करने का किया आग्रह

दीर अल बलाह। गाजा में इजराइल की ओर से किए जा रहे हमलों के बीच चरमपंथी समूह हमास ने किसी भी नए संघर्ष विराम प्रस्ताव पर वार्ता शुरू करने के बजाय अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के उस प्रस्ताव को लागू करने के लिए कहा जिस पर पिछले माह सहमति बनी थी. एक बयान में हमास ने नए दौर की वार्ता या नए प्रस्तावों पर विचार करने के बजाय मध्यस्थों अमेरिका, मिस्र और कतर से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रस्ताव के आधार पर पिछले महीने जो सहमति बनी थी उसे लागू करने के लिए एक योजना प्रस्तुत करने का आग्रह किया.

यूक्रेन युद्ध : सीमा क्षेत्र में रूसी नागरिकों से घर छोड़ने को कहा

एजेंसी। कीव

रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में "बहुत अधिक तनावपूर्ण स्थिति" के कारण सोमवार को ज्यादा से ज्यादा लोगों से जगह खाली करने का आग्रह किया गया. कुर्स्क सीमा क्षेत्र में रूसी सेनाएं लगभग एक सप्ताह की भीषण लड़ाई के बाद यूक्रेनी हमले का जवाब देने के लिए अभी भी संघर्ष कर रही हैं. रूस के आपात व्यवस्था अधिकारियों का कहना है कि कुर्स्क के इलाकों में 76,000 से अधिक लोगों ने अपने घरों को छोड़ दिया है, जहां छह अगस्त को यूक्रेनी सेना और बख्तरबंद गाड़ियां सीमा पार कर करीब 30 किलोमीटर भीतर तक घुस आईं थीं. यूक्रेन की सेना ने हमला करने के बाद सीमा पार लगभग 10 किलोमीटर दूर सुदज़ा शहर में तेजी से प्रवेश किया. वे कथित तौर पर अभी भी शहर के पश्चिमी हिस्से पर कब्जा किए हुए हैं, जो एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक गैस पारगमन स्टेशन है. यूक्रेन का अभियान बेहद गोपनीयता के साथ चल रहा है.

कुर्स्क में यूक्रेन की घुसपैठ डोनबास में रूसी आक्रमण को रोकने का प्रयास: पुतिन

वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन द्वारा घुसपैठ डोनबास में मास्को के आक्रमण को रोकने की कीव द्वारा की जा रही एक कोशिश है. पुतिन ने रक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यूक्रेन द्वारा पिछले मंगलवार को किया गया यह हमला भविष्य में वार्ता में अपनी स्थिति को मजबूत करने के कीव के प्रयास को दर्शाता है. उन्होंने कहा कि यूक्रेन को रूस में घुसकर घरेलू स्थिति को अस्थिर करने की उम्मीद होगी लेकिन उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया. राष्ट्रपति ने कहा कि रूसी सेना में शामिल होने वाले स्वयंसेवकों की संख्या में वृद्धि हुई है. पुतिन ने कहा कि रूसी सेना ने डोनबास में अपने आक्रमण को और तेज कर दिया है.

एतिहासिक क्षण चीन में 'अरंगेत्रम' की प्रस्तुति प्राचीन नृत्य शैली की यात्रा में एक मील का पत्थर

चीनी भरतनाट्यम नृत्यांगना ने रचा इतिहास

एजेंसी। बीजिंग

महीने के अंत में चेन्नई में प्रस्तुति देने वाली हैं लेई

लेई को प्रशिक्षित करने वाली प्रसिद्ध चीनी भरतनाट्यम नृत्यांगना जिन शान शान ने कहा, "लेई का अरंगेत्रम ऐसा प्रशिक्षण है जिसे एक चीनी शिक्षक द्वारा प्रशिक्षित चीनी छात्रों ने चीन में पूरा किया है, जो भरतनाट्यम विरासत के इतिहास में एक मील का पत्थर है." भारतीय राजदूत प्रदीप रावत की पत्नी श्रुति रावत लेई के अरंगेत्रम में मुख्य अतिथि थीं. लीला सैमसन के अलावा चेन्नई से आए संगीतकारों की एक टीम ने लेई के लिए शास्त्रीय गीत गाए. लेई इस महीने के अंत में चेन्नई में प्रस्तुति देने वाली हैं. लेई को डुडू के नाम से भी जाना जाता है. उन्होंने कहा कि 2014 में जिन के स्कूल में शामिल होने के बाद से ही उन्हें भरतनाट्यम से प्यार हो गया था. उन्होंने 'पीटीआई' से कहा, "मुझे इससे पूरी तरह से प्यार हो गया. मैं अब तक नृत्य करती रही हूं. मेरे लिए भरतनाट्यम न केवल एक सुंदर कला और नृत्य रूप है, बल्कि भारतीय संस्कृति का प्रतीक भी है."

स्कूली छात्रा लेई मुजी ने चीन में भरतनाट्यम "अरंगेत्रम" की प्रस्तुति दे कर इतिहास रच दिया. इसे पड़ोसी देश में लोकप्रियता हासिल कर रही प्राचीन भारतीय नृत्य शैली की यात्रा में एक मील के पत्थर के तौर पर देखा जा रहा है. लेई (13) ने रविवार को यहां प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना लीला सैमसन, भारतीय राजनयिकों और बड़ी संख्या में चीनी प्रशंसकों के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी. भारतीय शास्त्रीय कला और नृत्य शैलियों को सीखने और उनके प्रदर्शन के लिये दशकों तक अपना जीवन समर्पित करने वाले उत्साही चीनी प्रशंसकों के लिए मंच पर उनका पदार्पण एक ऐतिहासिक क्षण और मील का पत्थर था, क्योंकि यह चीन में पहली बार "अरंगेत्रम" - भरतनाट्यम का दीक्षांत समारोह - था. दक्षिण भारत के प्राचीन नृत्य, अरंगेत्रम (जैसा कि इसे तमिल में कहा जाता है) के कलाकार, दर्शकों के अलावा शिक्षकों और विशेषज्ञों के सामने मंच पर अपनी पहली प्रस्तुति देते हैं. केवल 'अरंगेत्रम' के बाद ही छात्रों को स्वयं प्रदर्शन करने या महत्वाकांक्षी नर्तकों को प्रशिक्षित करने की अनुमति दी जाती है. कार्यक्रम में शामिल भारतीय दूतावास के संस्कृति मामलों के प्रभारी प्रथम सचिव टीएस विवेकानंद ने कहा, "यह चीन में पूर्ण रूप से प्रशिक्षित और चीन में प्रस्तुत किया गया पहला अरंगेत्रम है." उन्होंने यहां 'पीटीआई' को बताया कि यह बहुत ही पारंपरिक तरीके से किया गया 'अरंगेत्रम' था.

विश्व हाथी दिवस : तमिलनाडु में जंगली हाथियों की संख्या 3,063 हो गयी

- विश्व के 60 फीसदी से ज्यादा हाथी भारत में

एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को विश्व हाथी दिवस पर कहा कि जैव विविधता के संरक्षण के लिए राज्य सरकार के ठोस प्रयासों के कारण तमिलनाडु में हाथियों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है. स्टालिन ने तमिलनाडु के 25 वन प्रभागों के 699 ब्लॉक में 23 मई से चल रही तीन दिवसीय हाथी गणना में लगे वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों का एक वीडियो पोस्ट किया. गणना रिपोर्ट के अनुसार, जंगली हाथियों की संख्या 2023 में 2,791 थी जो इस वर्ष बढ़कर 3,063 हो गयी. पारिस्थितिकी संतुलन बनाये रखने में हाथियों की भूमिका का जिक्र करते हुए स्टालिन ने कहा कि हाथियों का भूमि के साथ घनिष्ठ संबंध तमिल साहित्य में उल्लेखित संदर्भों से महसूस किया जा सकता है. जैव विविधता के संरक्षण के लिए हमारी सरकार के ठोस प्रयास के कारण मैं आपके साथ यह खुशखबरी साझा करता हूं कि हमारे सत्ता में आने के बाद से हाथियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है. वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व हाथी दिवस पर देशवासियों को हाथियों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया.

बता दें कि भारत में दुनिया भर के 60 फीसदी से ज्यादा हाथी पाये जाते हैं. दुनिया में हाथियों की तीन प्रजातियां पायी जाती हैं, उनमें से अफ्रीका में दो और एशिया में एक है. भारत के सबसे बड़े स्थलीय स्तनपायी होने का तमगा एशियाई हाथी (एलीफस मैक्सिमम) को प्राप्त है. मिनिस्ट्री ऑफ एनवायरनमेंट, फॉरेस्ट और क्लाइमेट'चेंज के अनुसार भारत में दुनिया के 60फीसदी से ज़्यादा जंगली हाथी निवास करते हैं. हाथियों को भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित किया गया है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)